केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

16 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

# मालवा हेराल्ड

**सुविचार**

*आपके विचार बीज की तरह होते हैं, और आपका विश्वास उस मिट्टी जैसा, जिसमें यह बीज उगते हैं*

वर्ष : 16 अंक : 294 | उज्जैन, सोमवार 06 अप्रैल 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य-1 रुपए

# सरकार हर घड़ी किसानों के साथ, तय वक्त पर प्रारंभ होगी गेहूं खरीदी : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

### पहले छोटे किसानों का खरीदा जाएगा गेहूं, फिर मध्यम एवं बड़े किसानों से होगी खरीदी

**भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश के किसानों का हर तरह से कल्याण हमारी प्रतिबद्धता है। हमारी सरकार हर घड़ी किसानों के साथ है। प्रदेश में तय वक्त पर न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गेहूं की खरीदी प्रारंभ कर दी जाएगी। उपार्जन पोर्टल पर पंजीयन कराने वाले सभी किसानों का गेहूं खरीदा जायेगा। उपार्जन प्रक्रिया में पहले छोटे किसानों का गेहूं खरीदा जाएगा। इसके बाद मध्यम एवं बड़े किसानों के गेहूं की खरीदी की जाएगी। स्लॉट बुकिंग वाले सभी किसानों का गेहूं चरणबद्ध रूप से खरीदा जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में बारदाने की कोई कमी नहीं है। सरकार सभी व्यवस्थाएं कर रही हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में गेहूं उपार्जन कार्य के संबंध में सरकार द्वारा गठित मंत्री समूह के सदस्य एवं कृषक प्रतिनिधियों के साथ हुई बैठक को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि राज्य सरकार किसानों के हितों की सुरक्षा के लिए विशेष रूप से संवेदनशील है। गेहूं उपार्जन में बारदान की उपलब्धता निरंतर बनाए रखने के लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं। प्रदेश में गेहूं खरीदी में किसानों को किसी भी प्रकार से बारदाने की समस्या नहीं आने दी जाएगी। केन्द्र सरकार, जूट कमिश्नर सहित अन्य बारदान प्रदाय एजेंसियों से बारदान आपूर्ति के लिए राज्य सरकार लगातार सम्पर्क बनाए हुए है।

उपार्जन शुरू होने से पहले कराएं तौल केन्द्रों का निरीक्षण- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गेहूं उपार्जन व्यवस्था को सरल, सहज और सुविधाजनक बनाया जाये। किसानों को उपार्जन केन्द्र तक आने और गेहूं बेचने में किसी भी तरह की कठिनाई न होने पाये। मुख्यमंत्री ने उपार्जन व्यवस्था पर नियमित रूप से निगरानी के लिए एक राज्य स्तरीय एवं कृषि उपज मंडियों में भी कंट्रोल रूम बनाने के निर्देश खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को दिए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गेहूं उपार्जन के दृष्टिगत प्रदेश के सभी तौल केंद्रों का 10 अप्रैल से पहले गहन निरीक्षण करा लिया जाए, जिससे किसानों में किसी भी तरह का संशय न रहे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश की सभी कृषि उपज मंडियों के वर्तमान ढांचे में क्रमबद्ध सुधार किया जाये। सभी मंडियों को वैश्विक जरुरतों के मुताबिक अपग्रेड कर इन्हें वर्ल्ड क्लास मंडी की तरह तैयार किया जाये।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गेहूं उपार्जन केंद्रों में आने वाले किसानों को सभी प्रकार की बुनियादी सुविधाएं जैसे बिजली, पीने का पानी, बैठक, छाया, प्रसाधन एवं पार्किंग सुविधा उपलब्ध कराई जाये। किसी को भी किसी भी प्रकार की प्रक्रियागत या व्यवस्थागत असुविधा का सामना न करना पड़े। किसी भी केन्द्र में किसानों/ट्रेक्टर-ट्राली की लंबी-लंबी कतारें न लगें, सभी किसानों का सहजता से गेहूं तुल जाये, ऐसी व्यवस्थाएं की जाएं। जिन किसानों से गेहूं खरीदा जाये, कम से कम समय में उनके खातों में भुगतान कर देने की व्यवस्थाएं भी सुनिश्चित की जाएं।

10 अप्रैल से प्रारंभ हो जाएगी गेहूं खरीदी- अपर मुख्य सचिव खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा प्रदेश में न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। प्रदेश में इंदौर, उज्जैन, भोपाल एवं नर्मदापुरम संभाग में 10 अप्रैल से एवं अन्य सभी संभागों में 15 अप्रैल से न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गेहूं का उपार्जन प्रारंभ होने जा रहा है। उन्होंने बतायाकि जिन संभागों में 10 अप्रैल से गेहूं खरीदी शुरू होनी है, उनके लिए आगामी मंगलवार, 7 अप्रैल से पंजीकृत किसानों की स्लॉट बुकिंग प्रारंभ हो जायेगी। शुक्रवार, 10 अप्रैल से न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी प्रारंभ कर दी जाएगी। उन्होंने बताया कि उपार्जन वर्ष 2026-27 में गेहूं उपार्जन के लिए प्रदेश के 19 लाख 4 हजार 644 किसानों ने अपना पंजीयन कराया है।

## न्यूज ब्रीफ

### सावधान! आपकी दवाएं कहीं नकली तो नहीं? दिल्ली में अंतर-राज्यीय रैकेट का भंडाफोड़

**नई दिल्ली/ जीएनएस।** सावधान! दिल्ली पुलिस ने एक बड़े अंतर-राज्यीय रैकेट का पर्दाफाश करते हुए नकली जीवन रक्षक दवाएं बनाने और बेचने वाले छह लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से करीब 2 करोड़ रुपये की नकली दवाएं और 2,000 किलो कच्चा माल भी बरामद हुआ है। गिरोह डायबिटीज और बीपी जैसी गंभीर बीमारियों की नकली दवाएं बाजार में सप्लाई करता था। दिल्ली पुलिस ने मुजफ्फरनगर में एक अवैध फैक्ट्री को भी सील किया है। पुलिस मुख्य आरोपी की तलाश कर रही है। ऑपरेशन के दौरान पुलिस ने नकली जीएसटी फर्मों के एक नेटवर्क का पर्दाफाश किया। इस नेटवर्क का इस्तेमाल नकली इनवॉइस बनाने और अवैध कमाई को ठिकाने लगाने के लिए किया जाता था। अनुमानतः इन नकली बिलों की कुल कीमत लगभग 50 करोड़ रुपये है। एक अधिकारी ने बताया कि यह गिरोह बड़े पैमाने पर नकली दवाएं बनाने और बेचने का काम कर रहा था। ये नकली दवाएं शुगर, ब्लड प्रेशर और लिवर जैसी बीमारियों के इलाज में इस्तेमाल होती हैं। इनसे लोगों की सेहत को भारी खतरा हो सकता है।गिरफ्तार आरोपियों की पहचान निखिल अरोड़ा उर्फ सन्नी (शाहदरा का थोक दवा विक्रेता) शिवम त्यागी और मयंक अग्रवाल (उत्तर प्रदेश के सप्लायर) मोहित कुमार शर्मा (उत्तराखंड के मुख्य सप्लायर) और शाहरुख और राहुल के रूप में हुई है। शाहरुख और राहुल इस अवैध व्यापार को चलाने के लिए नकली जीएसटी फर्में चलाते थे। पुलिस अधिकारी ने बताया कि खुफिया इनपुट मिलने के बाद 11 मार्च को शाहदरा की बिहारी कॉलोनी में छापा मारा गया। इस कार्रवाई के दौरान निखिल अरोड़ा को गिरफ्तार कर लिया गया जो भागीरथी पैलेस में दवा की थोक दुकान चलाता था। पकड़े जाने से बचने के लिए आरोपी एक खास तरीका अपना रखा था। नकली दवाओं की सप्लाई नकली इनवॉइस का इस्तेमाल करके की जाती थी। ये नकली इनवॉइस काल्पनिक जीएसटी फर्मों से तैयार किए जाते थे। ये कंपनियां केवल कागजों पर ही मौजूद थीं।

### सीडीआर लीक की होगी जांच, ईडी का भी शिकंजा; खराट केस में क्या बोले सीएम फडणवीस

**नई दिल्ली/ जीएनएस।** महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रविवार को कहाकि अशोक खराट मामले में सीडीआर लीक की जांच की जाएगी। साथ ही गिरफ्तार स्वघोषित साधु की संपत्ति की जांच प्रवर्तन निदेशालय द्वारा की जाएगी। फडणवीस ने कहाकि किसी को भी ऐसे कॉल डेटा रिकॉर्ड प्राप्त करने का अधिकार नहीं है। उन्होंने यह सामाजिक कार्यकर्ता अंजलि दमणिया के उस दावे पर दिया है, जिसमें उन्होंने खराट और डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे के बीच कॉल के बारे में खुलासे किए। दमणिया ने यह भी दावा किया कि उन्हें खराट का सीडीआर (कॉल डिटेल रिकॉर्ड) वॉट्सऐप पर एक अज्ञात नंबर से प्राप्त हुआ। मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहाकि अशोक खराट मामले में सीडीआर लीक होने की जांच की जाएगी और कड़ी कार्रवाई की जाएगी। किसी को भी कॉल डेटा रिकॉर्ड्स तक पहुंचने का अधिकार नहीं है। यह केवल अधिकृत एजेंसियों के पास हो सकता है। यह डेटा कैसे लीक हुआ और किसके द्वारा लीक किया गया, इसकी जांच राज्य सरकार करेगी। उन्होंने कहाकि संवेदनशील मामलों में केवल शिकायतें पर्याप्त नहीं हैं, कार्रवाई ठोस साक्ष्यों के आधार पर होगी। मुख्यमंत्री ने यह भी कहाकि ईडी अशोक खराट की संपत्तियों के पिछले रिकॉर्ड की जांच करेगी। खराट को 18 मार्च को एक महिला के साथ तीन साल तक बलात्कार करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। बाद की जांच में कई अपराधों का पता चला, जिसमें यौन हमला और जमीन और अन्य संपत्तियों से जुड़ी वित्तीय अनियमितताएं शामिल हैं।

## आंध्र प्रदेश पुलिस ने ISIS के जिहादी मॉड्यूल का किया भंडाफोड़, सीरिया-पाकिस्तान सहित इन देशों से जुड़े तार

**नई दिल्ली/ जीएनएस।** आंध्र प्रदेश पुलिस ने एक संदिग्ध आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है, जिसके कथित तौर पर विदेशी हैंडलर्स और ISIS जैसे चरमपंथी संगठनों से संबंध हैं।

जांचकर्ताओं का दावा है कि यह नेटवर्क भारत में युवाओं को कट्टरपंथी बनाने में शामिल था। यह खुलासा तब हुआ जब आंध्र प्रदेश पुलिस ने इस मामले के सिलसिले में करीब एक दर्जन संदिग्धों को गिरफ्तार करने के लिए कई राज्यों- बिहार, दिल्ली, कर्नाटक, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, तेलंगाना और राजस्थान में टीमें भेजीं। इन संदिग्धों में आंध्र प्रदेश के तीन लोग भी शामिल हैं।

समाचार एजेंसी पीटीआई के अनुसार, इस ग्रुप के विदेशी ऑपरेटिव्स से संबंध थे और यह ऑनलाइन जिहादी प्रोपेगैंडा सक्रिय रूप से फैला रहा था।

ISIS के जिहादी मॉड्यूल का किया भंडाफोड़- खुफिया विभाग के एक अधिकारी ने बताया, एक जिहादी मॉड्यूल का पता चला है, जिसके विदेशी हैंडलर्स और इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक एंड सीरिया तथा अल-कायदा इन द इंडियन सबकॉन्टिनेंट जैसे चरमपंथी संगठनों से संबंध हैं। यह मॉड्यूल भारत में युवाओं को कट्टरपंथी बनाने में लगा हुआ था।

मुख्य आरोपी और उसके साथियों ने कथित तौर पर युवाओं को निशाना बनाने के लिए ऑनलाइन प्रोपेगैंडा का इस्तेमाल किया।

सोशल मीडिया के जरिए विदेशी हैंडलर्स से संपर्क- जांचकर्ताओं ने मुख्य आरोपी रहमतुल्लाह शरीफ को इस नेटवर्क का एक अहम चेहरा बताया है। पुलिस ने कहा कि शरीफ और उसके साथी कथित तौर पर ऐसे ऑपरेटिव्स के संपर्क में थे, जो जिहादी सामग्री फैलाने और ऑनलाइन वीडियो के जरिए युवाओं को प्रेरित करने में शामिल थे। आरोपियों पर चरमपंथी सामग्री साझा करने और सोशल मीडिया के जरिए विदेशी हैंडलर्स के संपर्क में रहने का आरोप है।

इस ग्रुप पर ओसामा बिन लादेन, इसरार अहमद शेख, जाकिर नाइक और अनवर अल-अव्लाकी के वीडियो शेयर करने का आरोप है। इनका मकसद मुस्लिम युवाओं को जिहाद और चरमपंथी विचारधारा की ओर प्रभावित करना था।

## बरेली में बड़ा बाइपास पर भीषण सड़क हादसाः खड़े टैंकर से टकराई बोलेरो-बाइक, पांच की मौत

**नई दिल्ली/ जीएनएस।** सीबीगंज थाना क्षेत्र में बड़ा बाइपास पर खड़े टैंकर में पीछे से बोलेरो और बाइक टकराने से पांच लोगों की मृत्यु हो गई। हादसे में दो लोग गंभीर रूप से घायल हैं। घायलों को पास के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के मुताबिक, परधौली में बडा बाइपास पर सड़क किनारे एक टैंकर खड़ा था। शाम करीब साढ़े चार बजे शहर से रामपुर की ओर गोरखपुर नंबर की बोलेरो कार टैंकर में पीछे से जा टकराई। इसी दौरान पीछे से एक बाइक भी बोलेरो में टकरा गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अलग-अलग अस्पतालों में भेजा, जहां बाइक सवार दोनों युवकों और बोलेरो में सवार तीन युवक को डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। वहीं हादसे में घायल तीन अन्य का इलाज चल रहा है, जिसमें दो बच्चे हैं।

बाइक सवार दो मृतकों की पहचान सीबीगंज के अटा कायस्थान निवासी मुमताज और शहजाद के रूप में हुई है। वहीं बोलेरो सवार दो लोगों की पहचान फरीदपुर निवासी मनमोहन और पीलीभीत के बीसलपुर निवासी दुर्गेश हैं। एसपी सिटी मानुष पारीक ने बताया कि हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई है। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

## राहुल दुनिया के सबसे बड़े झूठे, केरलम में अमित शाह ने कांग्रेस, LDF और UDF पर बोला तीखा हमला

**नई दिल्ली/ जीएनएस।** केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आज रविवार को केरलम विधानसभा चुनाव से पहले लोगों को संबोधित किया। अमित शाह ने कहा कि केरल में होने वाले विधानसभा चुनाव सिर्फ सरकार बदलने के लिए नहीं हैं, बल्कि राज्य के भविष्य को बेहतर बनाने के लिए हैं।

अमित शाह ने कुन्नाथुनाडु विधानसभा क्षेत्र में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि 2014 के लोकसभा चुनावों के बाद से केरल में NDA का वोट शेयर बढ़ा है और अब राज्य में BJP के नेतृत्व वाले गठबंधन की सरकार बनने का समय आ गया है। अमित शाह ने केरलम के लोगों को संबोधित करते हुए कहा, पूरी दुनिया में पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ गई हैं और राशनिंग लागू कर दी गई है। हालांकि, हमारे देश में न तो कीमतें बढ़ाई गई हैं और न ही राशनिंग की गई है।

शाह ने कहा, पेट्रोल, डीजल और गैस भरपूर मात्रा में उपलब्ध हैं, और यह मोदी जी के कुशल प्रबंधन का ही नतीजा है। अमित शाह ने आगे कहा, पूरा देश आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आगे बढ़ रहा है। बीजेपी की नीति बहुत स्पष्ट है- सभी के लिए न्याय, किसी का तुष्टीकरण नहीं। हम इसी के तहत देशभर में काम कर रहे हैं।

अमित शाह ने केरलम में कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा, मैंने राहुल गांधी जी जैसा झूठा इंसान कभी नहीं देखा। केरल में उन्होंने दावा किया कि पेट्रोल की कीमतें बढ़ गई हैं। वे सही कह रहे हैं, क्योंकि कीमत बढ़कर 460 रुपये प्रति लीटर हो गई है।

## झारखंड गठबंधन में राजद को नहीं किया जा सकता, JMM-कांग्रेस में तनाव के बीच तेजस्वी यादव का शक्ति प्रदर्शन

**रांची/ जीएनएस।** राज्य में सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) और कांग्रेस के बीच शीतयुद्ध ने राजनीतिक हलचल तेज कर दी है। इसी बीच राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष तेजस्वी यादव का दौरा कई मायनों में अहम माना जा रहा है।

सत्तारूढ़ गठबंधन के भीतर बढ़ते तनाव के संकेतों के बीच तेजस्वी का यह दौरा महज औपचारिक नहीं, बल्कि रणनीतिक हस्तक्षेप के रूप में देखा जा रहा है। तेजस्वी यादव ने झारखंड पहुंचकर न सिर्फ जमीनी हालात का आकलन किया, बल्कि एक तीर से कई निशाने भी साधे। सम्मेलन के जरिए उन्होंने राजनीतिक शक्ति का प्रदर्शन किया। उन्होंने साफ तौर पर यह संदेश दिया कि राजद को गठबंधन में नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। यह बयान उस पृष्ठभूमि में महत्वपूर्ण है, जब राज्य में गठबंधन के भीतर अंदरूनी खींचतान की चर्चाएं तेज हैं।

तेजस्वी ने अपने बयान में यह भी संकेत दिया कि आगामी चुनावों में राजद अधिक सीटों पर दावा पेश कर सकता है। वर्ष 2024 के विधानसभा चुनाव में तालमेल के तहत राजद को छह सीटें मिली थीं, जिनमें से चार पर पार्टी ने जीत दर्ज की थी। इस प्रदर्शन को आधार बनाकर अब पार्टी अपने राजनीतिक कद के अनुरूप हिस्सेदारी चाहती है। उनका यह रुख आने वाले चुनावी समीकरणों को प्रभावित कर सकता है।

## कट, कमीशन और करप्शन से पश्चिम बंगाल बेहालः कूचबिहार में टीएमसी पर बरसे पीएम मोदी, बोले- पापों का होगा हिसाब

**नई दिल्ली/ जीएनएस।** पश्चिम बंगाल के कूचबिहार में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बड़ी चुनावी रैली को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि कूचबिहार में उमड़ा यह जनसैलाब नए बंगाल और भाजपा सरकार के प्रति जनता के अटूट विश्वास का प्रतीक है। प्रधानमंत्री ने टीएमसी पर कड़ा प्रहार किया और महिलाओं के लिए अपनी सरकार की योजनाओं का भी जिक्र किया। प्रधानमंत्री ने कहा, वह पहले भी इस मैदान पर आए हैं, लेकिन आज की भीड़ ने पुराने सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। यह उत्साह एक उज्ज्वल भविष्य और नए बंगाल के निर्माण का संकेत है।

टीएमसी के गुंडों का होगा हिसाब- प्रधानमंत्री ने जनता को संबोधित करते हुए कहा कि मतदान के दिन टीएमसी के गुंडे चाहे जितना डराने की कोशिश करें, आपको कानून पर भरोसा रखना चाहिए। उन्होंने विश्वास दिलाया कि इस चुनाव में बंगाल से डर का माहौल खत्म हो जाएगा और भाजपा की बड़ी जीत से लोगों में आत्मविश्वास जागेगा। पीएम मोदी ने आगे कहा, 4 मई के बाद टीएमसी के पापों का पूरा हिसाब होगा। कानून अपना काम करेगा और कोई भी गुंडा कितना भी बड़ा क्यों न हो, उसे न्याय के कठघरे में खड़ा किया जाएगा।

पीएम मोदी ने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार ने अब तक 3 करोड़ बहनों को लखपति दीदी बनाया है। अब देश के बड़े फैसलों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना बहुत जरूरी है। इसी सोच के साथ सरकार ने लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का कानून बनाया है।उन्होंने जानकारी दी कि 2029 के लोकसभा चुनाव से ही बहनों को इसका लाभ मिलना शुरू हो जाए, इसके लिए सरकार ने 16, 17 और 18 अप्रैल को संसद का विशेष सत्र बुलाया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि माताओं और बहनों का यह अधिकार 40 साल से अटका हुआ था, जिसे अब और टालना सही नहीं है।

## यूपी की धरती पर नहीं पनपने देंगे गुंडे और माफिया, प्रदेश में लद गए कर्फ्यू-अराजकता के दिनः सीएम योगी

**नई दिल्ली/ जीएनएस।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपराध और अपराधियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति के अपने संकल्प को दोहराते हुए कहा है कि वे उत्तर प्रदेश की धरती पर गुंडों और माफिया को पनपने नहीं देंगे। गुंडों और माफिया की जहां जगह होगी, वहां उन्हें पहुंचा दिया जाएगा।

उत्तर प्रदेश में दंगे, कर्फ्यू, अराजकता और लूटखसोट के दिन लग गए हैं। उन्होंने कहा कि आज उत्तर प्रदेश में व्यापारियों व महिलाओं की सुरक्षा की गारंटी है। सरकार हर व्यक्ति के जीवन सुगमता और उज्ज्वल भविष्य के लिए पूजरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है।

सीएम योगी रविवार शाम घंटाघर स्थित अमर बलिदानी बंधु सिंह पार्क में बने मल्टीलेवल पार्किंग सह कॉमर्शियल कॉम्प्लेक्स, घंटाघर के सौंदर्यीकरण कार्य के लोकार्पण और विरासत गलियारा पांडेयहाता कॉमर्शियल कॉम्प्लेक्स के शिलान्यास समारोह को संबोधित कर रहे थे।

नवनिर्मित पार्किंग कॉम्प्लेक्स की छत पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 के बाद आज भी प्रदेश, इसका तंत्र और पुलिस वही है लेकिन आज इसकी पहचान बदल गई है। 2017 के पहले हर जिले में माफिया की समानांतर सरकार थी, नौजवानों के सामने पहचान का संकट था।

जबकि आज प्रदेश के नौजवान को अन्य जगहों पर सम्मान मिलता है। आज का उत्तर प्रदेश अब उपद्रव नहीं उत्सव प्रदेश बन चुका है। अब यहां अराजकता नहीं है बल्कि यह माफियामुक्त हो चुका है। सुरक्षित माहौल में व्यापारी और बेटियों ने स्वावलंबन की नई ऊंचाई की यात्रा शुरू की है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कि जब सरकार की नीयत साफ होती है तो नजारा बदलते देर नहीं लगती। विरासत गलियारा और मल्टीलेवल पार्किंग कॉम्प्लेक्स इसका उदाहरण है। सरकार की नियत साफ है तो विरासत गलियारा के पहले फेज का काम लगभग पूरा हो गया है।

# इंदौर में यातायात व्यवस्था सुधारने के लिए सख्ती, 400 से अधिक वाहनों पर कार्रवाई

**इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** शहर में यातायात व्यवस्था को सुचारू, सुरक्षित और व्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से पुलिस प्रशासन द्वारा विशेष अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर संतोष कुमार सिंह के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस आयुक्त आर.के. सिंह और पुलिस उपायुक्त (यातायात) राजेश कुमार त्रिपाठी के मार्गदर्शन में यातायात के चारों जोन में पेट्रोलिंग और व्हील लॉक टीमों द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है।

इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त आर.के. सिंह और डीसीपी राजेश कुमार त्रिपाठी ने यातायात अधिकारियों और टीम प्रभारियों की बैठक लेकर उन्हें आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में टीमों की कार्यप्रणाली की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि शहर में यातायात को और अधिक सुगम व सुरक्षित बनाने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएं।

निर्देशों के बाद यातायात पुलिस के जवानों ने शहर के प्रमुख चौराहों पर मुस्तैदी से यातायात का संचालन किया। पेट्रोलिंग टीमों ने व्यस्त बाजारों, मुख्य मार्गों और अधिक दबाव वाले क्षेत्रों में लगातार भ्रमण कर अवैध और अव्यवस्थित पार्किंग पर नियंत्रण किया। इसके साथ ही नो-पार्किंग, रॉंग साइड ड्राइविंग, मोबाइल फोन का उपयोग और लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई।

शहर के विभिन्न जोन में लगातार अभियान चलाकर यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई की गई। इस दौरान 400 से अधिक वाहनों पर चालानी कार्रवाई करते हुए कई वाहनों को नो-पार्किंग क्षेत्रों से हटवाया गया। व्हील लॉक और क्रेन की मदद से भी नियम तोड़ने वालों के खिलाफ कार्रवाई की गई।

पुलिस की इस सख्ती का असर शहर में साफ नजर आने लगा है। प्रमुख बाजारों और व्यस्त मार्गों पर अवैध पार्किंग में कमी आई है और कई स्थानों पर यातायात का प्रवाह पहले की तुलना में अधिक सुगम हुआ है। पेट्रोलिंग टीमों की लगातार मौजूदगी से वाहन चालक नियमों के प्रति अधिक सजग हो रहे हैं, जिससे जाम की स्थिति में भी कमी आई है।

यातायात पुलिस का कहना है कि शहर में बेहतर व्यवस्था बनाए रखने के लिए यह अभियान लगातार जारी रहेगा और आने वाले दिनों में भी सघन पेट्रोलिंग तथा सख्त कार्रवाई की जाएगी, ताकि नागरिकों को सुरक्षित और सुगम यातायात मिल सके।

## इंदौर में MD ड्रग्स के साथ महिला समेत 4 आरोपी गिरफ्तार, 2.40 लाख की नशीली सामग्री जब्त

**इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** इंदौर क्राइम ब्रांच पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक महिला सहित चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से करीब 24.08 ग्राम एमडी ड्रग्स बरामद की गई है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग 2.40 लाख रुपए बताई जा रही है। साथ ही एक कार और चार मोबाइल फोन भी जब्त किए गए हैं।

पुलिस के अनुसार शहर में मादक पदार्थों के अवैध कारोबार पर रोक लगाने के लिए लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में क्राइम ब्रांच टीम को सूचना मिली, जिसके आधार पर मंगल परिसर गार्डन के पीछे कनकेश्वरी क्षेत्र में एक संदिग्ध कार की घेराबंदी की गई। कार में एक महिला और तीन पुरुष बैठे मिले, जिनकी गतिविधियां संदिग्ध प्रतीत होने पर तलाशी ली गई।

पूछताछ में आरोपियों ने अपने नाम रिजवान खोकर, फैजान मंसूरी, समीर लकारा निवासी रतलाम और काजल उपाध्याय निवासी इंदौर बताए। तलाशी के दौरान कार से एमडी ड्रग्स बरामद हुई, जिसके बाद सभी को गिरफ्तार कर लिया गया। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे सस्ते दामों पर नशीला पदार्थ खरीदकर इंदौर में अधिक कीमत पर बेचते थे।

पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर आगे की वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है। मामले में अन्य जुड़े लोगों की भी जांच की जा रही है, जबकि मुख्य आरोपी रिजवान के खिलाफ पूर्व में रतलाम में मारपीट का मामला दर्ज होना भी सामने आया है।

## कोतमा अनूपपुर हादसे के दिवंगतों के परिजनों को दी जाएगी 9-9 लाख रुपये की आर्थिक सहायता

**इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कल कोतमा, अनूपपुर में हुए दुखद हादसे में काल-कवलित नागरिकों के परिजन को मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान से 4-4 लाख, संबल योजना के अंतर्गत 4-4 लाख और रेडक्रॉस से 1-1 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए हैं। घायलों को मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान से 2-2 लाख रुपये और रेडक्रॉस से 50-50 हजार रुपये राशि दी जाएगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दिवंगतों की आत्मा को शांति और परिजन को यह गहन दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करते हुए कहा कि राज्य सरकार प्रभावित परिजन के साथ है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अनूपपुर जिले के कोतमा क्षेत्र में एक लॉज भवन ध्वस्त होने की दुखद घटना के संबंध में अधिकारियों को निर्देशित किया था कि राहत एवं बचाव कार्यों में कोई कमी न रहे और प्रभावित परिवारों को त्वरित सहायता उपलब्ध कराई जाए। उल्लेखनीय है कि इस दुखद घटना में 3 लोगों की मृत्यु हो गई, जबकि 3 अन्य घायल हो गए थे। घायलों में से गंभीर रूप से घायल व्यक्तियों को बेहतर उपचार के लिए शहडोल मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है, जहाँ विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम उनकी निगरानी कर रही है। अन्य घायलों का उपचार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोतमा में जारी है। शनिवार शाम से प्रारंभ हुआ रेस्क्यू ऑपरेशन आज रविवार दोपहर तक जारी रहा।

## इंदौर में समपार 253 पर रोड ओवर ब्रिज का भूमि पूजन, यातायात होगा सुगम

**इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** डॉ. अंबेडकर नगर रेलखंड पर यातायात को अधिक सुरक्षित और सुचारू बनाने की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए समपार संख्या 253 पर रोड ओवर ब्रिज निर्माण के लिए भूमि पूजन कार्यक्रम 5 अप्रैल 2026 को संपन्न हुआ। यह पुल लोकमान्य नगर और राजेंद्र नगर स्टेशन के बीच बनाया जाएगा, जिससे क्षेत्र में लंबे समय से लगने वाले जाम की समस्या से राहत मिलने की उम्मीद है।

भूमि पूजन कार्यक्रम में सांसद शंकर लालवानी, महापौर पुष्यमित्र भार्गव और विधायक मालिनी लक्ष्मण सिंह गौड़ सहित कई जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने इस परियोजना को शहर के विकास के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए जल्द पूर्ण करने पर जोर दिया।

करीब 30 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले इस दो-लेन पुल की लंबाई लगभग 740 मीटर और चौड़ाई 10.50 मीटर होगी। पुल के निर्माण से रेलवे फाटक पर लगने वाली भीड़ और यातायात बाधा समाप्त होगी, जिससे सड़क और रेल दोनों यातायात अधिक सुरक्षित और व्यवस्थित हो सकेंगे।

पश्चिम रेलवे के निर्माण विभाग द्वारा इस परियोजना को समयबद्ध तरीके से पूरा करने के लिए तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। पुल बनने के बाद स्थानीय नागरिकों को आवागमन में बड़ी राहत मिलेगी और क्षेत्र का यातायात पहले से अधिक सुगम हो जाएगा।

## मुख्यमंत्री ने विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष श्री यज्ञदत्त शर्मा की जयंती पर पुष्पांजलि अर्पित की

**इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मध्यप्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष स्व. श्री यज्ञदत्त शर्मा की जयंती पर विधानसभा में उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनका स्मरण किया। पुष्पांजलि कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेन्द्र सिंह तोमर, स्व. श्री शर्मा के परिजन, विशेष रूप से उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्व. श्री शर्मा ने जनकल्याण के दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन किया। स्व. श्री यज्ञदत्त शर्मा, मध्यप्रदेश विधानसभा के सम्मानित पूर्व अध्यक्ष थे। उन्होंने सदन की गरिमा और लोकतंत्र की मर्यादा को हमेशा बनाए रखा। श्री शर्मा ने अपने लम्बे राजनीतिक जीवन में सादगी, ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा का आदर्श उदाहरण प्रस्तुत किया।

## नमामि गंगे परियोजना का निरीक्षण, निर्माण कार्य में तेजी लाने के निर्देश

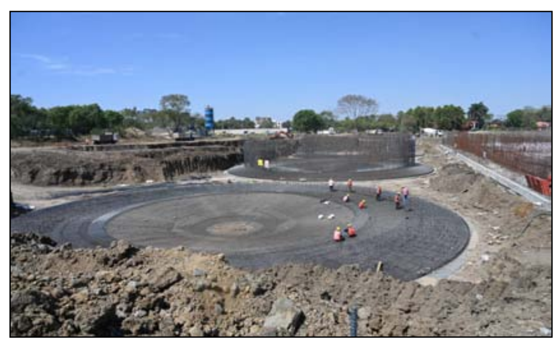

**इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन के अंतर्गत संचालित नमामि गंगे अभियान के तहत इंदौर और कबीट खेड़ी क्षेत्र में चल रही विभिन्न परियोजनाओं का कार्यकारी निदेशक (परियोजनाएं) बृजेन्द्र स्वरूप ने निरीक्षण किया। इस दौरान आयुक्त क्षितिज सिंघल, अपर आयुक्त आशीष पाठक, कार्यपालन यंत्री अश्विन जनवदे सहित निर्माण एजेंसियों के प्रतिनिधि, कंसल्टेंट और अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

निरीक्षण के दौरान इंदौर शहर में निर्माणाधीन 120 एमएलडी, 40 एमएलडी और 35 एमएलडी क्षमता के सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) के कार्यों की विस्तार से समीक्षा की गई। साथ ही उज्जैन में संचालित परियोजनाओं की प्रगति का भी अवलोकन किया गया।

समीक्षा बैठक में परियोजनाओं के विभिन्न चरणों, निर्माण की गुणवत्ता, तकनीकी मानकों और तय समयसीमा पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्य में हो रही देरी पर कार्यकारी निदेशक ने संबंधित ठेकेदारों और एजेंसियों को सख्त निर्देश देते हुए निर्माण कार्य में तेजी लाने और समयसीमा में परियोजनाएं पूर्ण करने को कहा।

उन्होंने कहा कि नमामि गंगे अभियान के तहत किए जा रहे कार्य पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ शहरों में स्वच्छता और बेहतर जल प्रबंधन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। इसलिए सभी एजेंसियों को समन्वय बनाकर गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध कार्य सुनिश्चित करना चाहिए।

आयुक्त क्षितिज सिंघल ने भी अधिकारियों को निर्देशित किया कि परियोजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग की जाए और किसी भी प्रकार की बाधा को शीघ्र दूर कर कार्य में तेजी लाई जाए।

## भविष्य से भेंट कार्यक्रम में बच्चों को मिला मार्गदर्शन-सपनों को लक्ष्य में बदलने की प्रेरणा

**इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** भविष्य से भेंट कार्यक्रम के अंतर्गत राज्य शिक्षा केंद्र के अपर संचालक डॉ.अरुण सिंह ने इंदौर ग्रामीण क्षेत्र के शासकीय विद्यालयों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने शासकीय कन्या उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय राऊ एवं पीएमश्री विद्यालय असरावद खुर्द में विद्यार्थियों से संवाद कर उन्हें अपने भविष्य के प्रति सजग और लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम के तहत डॉ.सिंह ने छात्राओं से चर्चा की और उनसे उनके भविष्य के लक्ष्यों के बारे में पूछा। संवाद के दौरान कई छात्राओं ने शिक्षक बनने की इच्छा व्यक्त की। इस पर डॉ.सिंह ने कहा कि शिक्षक बनना केवल एक पेशा नहीं ,बल्कि राष्ट्र निर्माण का महत्वपूर्ण दायित्व है,जो विद्यार्थियों के माध्यम से समाज का भविष्य संवारता है। उन्होंने छात्राओं को समझाया कि जीवन में लक्ष्य तय करना,उसे प्राप्त करने के लिए निरंतर प्रयास करना और सही दिशा में कार्य करना अत्यंत आवश्यक है। ये तीनों बातें व्यक्ति के जीवन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। निरीक्षण के दौरान विद्यालय परिसर में निर्माणाधीन शौचालय का भी अवलोकन किया गया तथा व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के निर्देश दिए गए।

## शहीद के संघर्ष और बलिदान की गाथा भावी पीढ़ियों के लिए प्रेरणा : राज्यपाल श्री पटेल

**इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने धार जिले के गौरव, अमर शहीद नायब सूबेदार रवींद्र सिंह राठौर की प्रतिमा का रविवार को अनावरण किया। शहीद की वीरता को नमन करते हुए उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि शहीद की स्मृति को चिरस्थाई बनाने की यह पहल और अटूट निष्ठा अनुकरणीय है। राज्यपाल द्वारा शहीद की पत्नी श्रीमती प्रताप कंवर और उनके परिवारजन का आत्मीय सम्मान किया गया। नगर परिषद द्वारा बदनावर की माथुर कॉलोनी में नवनिर्मित शहीद पार्क में समारोह का भव्य आयोजन किया गया था। राज्यपाल श्री पटेल ने शहीद रवींद्र सिंह के जीवन संघर्ष का उल्लेख करते हुए कहा कि ग्राम पाना के एक साधारण किसान परिवार में जन्मे रवींद्र सिंह ने सेना में भर्ती होने के लिए लगातार तीन बार प्रयास किए।

## काशी विश्वनाथ मंदिर में स्थापित हुई विश्व की प्रथम 'विक्रमादित्य वैदिक घड़ी'

**इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** कालगणना की पावन नगरी और महाकाल के केंद्र उज्जैन से निकली भारतीय संस्कृति की गौरवशाली परंपरा अब बाबा विश्वनाथ की नगरी काशी में भी जीवंत हो उठी है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की विशेष पहल पर, भारतीय कालगणना पर आधारित विश्व की प्रथम विक्रमादित्य वैदिक घड़ी को उत्तर प्रदेश के वाराणसी स्थित काशी विश्वनाथ मंदिर प्रांगण में सफलतापूर्वक स्थापित कर दिया गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 3 अप्रैल को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ को बाबा काशी विश्वनाथ को अर्पित यह घड़ी भेंट की थी। इसके बाद विक्रम संवत् 2083, वैशाख कृष्ण पक्ष की द्वितीया (4 अप्रैल, 2026) को इसे मंदिर परिसर में पूर्ण श्रद्धा और विधि-विधान के साथ स्थापित किया गया। यह मध्यप्रदेश सरकार के उस संकल्प की ओर एक बड़ा कदम है, जिसके तहत देश के सभी ज्योतिर्लिंग और अयोध्या के श्रीराम मंदिर में भी वैदिक घड़ी की स्थापना की जानी है।

परंपरा और आधुनिकता का अद्भुत संगम- उज्जैन के महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ द्वारा विकसित यह घड़ी केवल समय बताने वाला यंत्र नहीं, बल्कि भारत के प्राचीन वैज्ञानिक ज्ञान का डिजिटल पुनर्जागरण है। यह घड़ी सूर्योदय से परिचालित होती है और एक पूर्ण दिवस को 30 मुहूर्तों में विभाजित करती है। इसकी विशेषता यह है कि यह स्थान-विशिष्ट सूर्योदय और सूर्यास्त के आधार पर सटीक समय की गणना करती है। इस घड़ी के माध्यम से श्रद्धालु और युवा पीढ़ी न केवल भारतीय मानक समय जान सकेंगे, बल्कि पंचांग, तिथि, योग, नक्षत्र, भद्रा स्थिति और ग्रहों के गोचर जैसी सूक्ष्म जानकारियों से भी रूबरू हो सकेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश सरकार अपनी सांस्कृतिक धरोहर को आधुनिक तकनीक के साथ सहेजने के लिए निरंतर प्रयासरत है। यह वैदिक घड़ी हमारे गौरवशाली अतीत को वर्तमान से जोड़ते हुए युवाओं को अपनी जड़ों की ओर लौटने की प्रेरणा देगी।

मध्यप्रदेश शासन, संस्कृति विभाग अंतर्गत महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ, उज्जैन द्वारा भारतीय कालगणना पर आधारित विश्व की प्रथम विक्रमादित्य वैदिक घड़ी उज्जैन में स्थापित की गई है। यह घड़ी भारत की प्राचीन कालगणना परंपरा को आधुनिक डिजिटल तकनीक के माध्यम से पुनर्स्थापित करने का एक अभिनव प्रयास है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा विक्रमादित्य वैदिक घड़ी का लोकार्पण 29 फरवरी 2024 को फाल्गुन 2080, कृष्ण पक्ष, पंचमी, वरुण मुहूर्त (13वाँ मुहूर्त) में किया गया था।

## मानपुर में वृहत स्वास्थ्य शिविर आयोजित

### शिविर में एचपीवी टीकाकरण के लिए किशोरियों ने दिखाया उत्साह

**इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मानपुर अंतर्गत यूनिक हॉयर सेकेंडरी स्कूल में अरबिंदो अस्पताल एवं चोईथराम नेत्र अस्पताल के सहयोग से आज एक वृहद स्वास्थ्य शिविर का सफल आयोजन किया गया। शिविर में आमजन के लिए विभिन्न स्वास्थ्य सेवाएं जैसे शिशु रोग, नेत्र रोग, हृदय रोग, दंत रोग आदि की जांच एवं उपचार हेतु विशेषज्ञ मौजूद रहे। जिला मेडिकल बोर्ड द्वारा विकलांगता प्रमाण पत्र, आभा आईडी एवं आयुष्मान कार्ड भी बनाए गए। शिविर में एचपीवी (ह्यूमन पेपिलोमा वायरस) टीकाकरण विशेष रूप से शामिल था। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में महू विधानसभा क्षेत्र (डॉ. अंबेडकर नगर) की विधायक सुश्री उषा ठाकुर ने शिविर का उद्घाटन किया और एचपीवी टीकाकरण अभियान की शुरुआत की।

विधायक सुश्री उषा ठाकुर ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशन में महिलाओं एवं किशोरियों के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने शिविर में एचपीवी टीकाकरण के माध्यम से सर्वाइकल कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों से बचाव के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। इस दौरान विधायक सुश्री ठाकुर ने कहा कि यह टीका न सिर्फ बालिकाओं को गंभीर बीमारियों से बचाएगा, साथ ही उनके स्वास्थ्य में भी सुधार करेगा।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. माधव हसानी ने बताया कि जिले में महिलाओं एवं बालिकाओं के स्वास्थ्य संरक्षण के लिए ऐसे शिविर नियमित रूप से आयोजित किए जा रहे हैं। एचपीवी टीकाकरण अभियान को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए स्वास्थ्य विभाग पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है। शिविर में 1500 से अधिक हितग्राहियों का स्वास्थ्य परीक्षण कर, विभिन्न प्रकार की जांचे की गई। शिविर में कुल 24 किशोरियों ने एचपीवी का टीका लगवाया।

शिविर में स्थानीय नागरिकों, स्वास्थ्य कर्मचारियों, आशा कार्यकर्ताओं और एएनएम/सीएचओ सपोर्ट स्टाफ की सक्रिय भागीदारी रही।

## 3552 एलपीजी सिलेण्डर जब्त और 10 मामलों में एफआईआर : खाद्य मंत्री

**इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने कहा है कि प्रदेश में पेट्रोलियम पदार्थों की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य है। भारत में कच्चे तेल (ष्टह्वस्रद्ग ह्रद्बद्य) का पर्याप्त भंडार उपलब्ध होने के कारण देश और प्रदेश की सभी रिफाइनरियां पूरी क्षमता के साथ कार्य कर रही हैं, जिससे पेट्रोलियम उत्पादों की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित हो रही है। मध्यप्रदेश में एलपीजी, पेट्रोल, डीजल, पीएनजी और सीएनजी का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है और सप्लाई में किसी प्रकार की रुकावट नहीं है। मंत्री श्री राजपूत ने अपील की है कि किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान नही दें तथा घबराहट में खरीदारी (पैनिक बाइंग) से बचें।

कालाबाजारी के खिलाफ सख्त कार्रवाई- प्रदेश में आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत एलपीजी की कालाबाजारी रोकने के लिए लगातार कार्रवाई की जा रही है। अब तक 2693 स्थानों पर जांच की गई है, जिसमें 3552 एलपीजी सिलेंडर जब्त किए गए हैं और 10 मामलों में एफआईआर दर्ज की गई है। इसके अलावा 666 पेट्रोल पंपों की जांच भी की गई, जिनमें 2 मामलों में एफआईआर दर्ज की गई है। जिला आपूर्ति अधिकारियों और ऑयल कंपनियों के अधिकारियों को पेट्रोल पंपों की नियमित जांच के निर्देश दिए गए हैं।

घरेलू गैस उपभोक्ताओं द्वारा की गई बुकिंग के अनुरूप सिलेंडरों की आपूर्ति नियमित रूप से की जा रही है। वाणिज्यिक उपभोक्ताओं को भी शासन द्वारा निर्धारित प्राथमिकता क्रम के अनुसार कमर्शियल गैस सिलेंडरों की सतत आपूर्ति की जा रही है। उपभोक्ताओं की मांग को देखते हुए गैस बॉटलिंग प्लांट अतिरिक्त समय तक कार्य कर रहे हैं। प्रदेश के विभिन्न जिलों में स्थित प्लांट और वितरकों के स्टॉक की निरंतर समीक्षा की जा रही है।

पेट्रोल और डीजल की आपूर्ति सुचारु- प्रदेश में सभी ऑयल कंपनियों के पास पेट्रोल और डीजल का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है। पेट्रोल पंपों पर किसी प्रकार की कमी नहीं है और कंपनियों के डिपो से नियमित रूप से आपूर्ति जारी है। बढ़ती मांग को देखते हुए ऑयल कंपनियों के डिपो को भी अधिक समय तक संचालित किया जा रहा है, जिससे आपूर्ति व्यवस्था को सामान्य बनाए रखा जा सके।

पीएनजी कनेक्शन विस्तार पर जोर- सभी सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन (सीजीडी) संस्थाएँ अगले 3 माह में दिये जाने वाले पीएनजी कनेक्शन का लक्ष्य निर्धारित करेंगी। साथ ही सीजीडी संस्थाओं द्वारा प्रतिदिन किये जा रहे आवेदन एवं उसके विरुद्ध दिये जा रहे पीएनजी कनेक्शन की सतत मॉनीटरिंग करने के निर्देश दिए गए हैं। सीजीडी संस्थाओं को पीएनजी के लाभ एवं पीएनजी कनेक्शन की प्रक्रिया से संबंधित एफएक्यू तैयार कर उपलब्ध कराने के निर्देश नोडल सीजीडी संस्था थिंक गैस को दिये गए हैं। भारत सरकार के गतिशक्ति पोर्टल पर सीजीडी संस्थाओं को पाइप-लाइन अपलोड करने के निर्देश दिये गये। सीजीडी संस्थाएँ जिलेवार एवं लोकेलिटीवाइज कैम्प शेड्यूल कर जिला प्रशासन एवं विभाग को उपलब्ध करायेंगी। शहर के जिन स्थानों में पाइप-लाइन गई है, उसके आस-पास के क्षेत्रों के उपभोक्ताओं को ऑयल कम्पनी द्वारा अवगत कराया गया है कि वह पीएनजी कनेक्शन प्राप्त करने के लिये तत्काल आवेदन करें। इसके बाद पीएनजी कनेक्शन प्राप्त नही करने की स्थिति में आगामी 3 माह में एलपीजी का कनेक्शन बंद किया जा सकता है।

जिला आपूर्ति अधिकारियों को एमपीआईडीसी के जिला अधिकारी, जिले में स्थित पॉलीटेक्निक तथा आईटीआई से प्रशिक्षणार्थियों की सूची सीजीडी संस्था को उपलब्ध कराने के निर्देश दिये गये हैं। सीजीडी संस्था द्वारा इन प्रशिक्षणार्थियों को वर्तमान वेण्डर के साथ क्लब कर मैन पॉवर बढ़ाया जाएगा। सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन में प्रदेश में कार्यरत 10 संस्थाओं को पीएनजी कनेक्शन की उपलब्धता बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं। इसके लिए कंट्रोल रूम स्थापित किए गए हैं, जहां घरेलू और व्यावसायिक उपभोक्ताओं की मांग और शिकायतों का त्वरित निराकरण किया जा रहा है। पीएनजी पाइप लाइन जिन क्षेत्रों में बिछ चुकी है, वहां आवासीय परिसर, स्कूल, हॉस्टल, कॉलेज, कम्युनिटी किचन और आंगनवाड़ी केंद्रों को आवेदन प्राप्त होने के 5 दिन में पीएनजी कनेक्शन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। पीएनजी कनेक्शन की प्रगति की निगरानी के लिए जिला स्तर पर कलेक्टर, एडीएम, जिला आपूर्ति अधिकारी और संबंधित सीजीडी संस्थाओं के अधिकारी समीक्षा करेंगे।

केन्द्र सरकार के निर्देशानुसार पीएनजी कनेक्शन प्रदाय करने के लिये नगरीय प्रशासन एवं विकास, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, लोक निर्माण एवं म.प्र. औद्योगिक विकास निगम द्वारा सीजीडी संस्थाओं को उनके आवेदन करने के 24 घंटे में पाइप-लाइन बिछाने की आरओयू अनुमति दिये जाने के आदेश जारी किये गये हैं। विभाग द्वारा 10 से अधिक आरओयू आवेदनों की 24 घंटे के अंदर स्वीकृति जारी की गई है।

सीजीडी संस्थाओं को घरेलू एवं व्यावसायिक पीएनजी के आवेदनकर्ताओं को पीएनजी कनेक्शन प्राप्त करने के लिये सीजीडी संस्थाओं के कंट्रोल रूम नम्बर इस प्रकार हैं। अवंतिका गैस लिमिटेड - इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर (9424098887), गैल गैस लिमिटेड - देवास, रायसेन, शाजापुर, सीहोर (7880001788), नवेरिया गैस लिमिटेड - धार (07292-223311) आदी।

# भगवान पशुपतिनाथजी का लोक बना आस्था, संस्कृति और आधुनिक सुविधाओं का अद्भुत संगम

**मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** जिले के प्रमुख आस्था केंद्र भगवान पशुपतिनाथजी मंदिर परिसर में विकसित भगवान पशुपतिनाथ लोक श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए आकर्षण का प्रमुख केंद्र बनकर उभर रहा है। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा 29 जनवरी को इसका लोकार्पण किया गया था। प्रथम चरण में लगभग 25 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित यह भव्य लोक अब बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं को अपनी ओर आकर्षित कर रहा है।

पशुपतिनाथ लोक ने मंदिर परिसर की सुंदरता को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। पहले से ही आस्था का केंद्र रहे इस परिसर को अब आधुनिक सुविधाओं और आकर्षक संरचनाओं के साथ विकसित किया गया है। पास ही बहने वाली शिवना नदी की जलधारा इस स्थल की प्राकृतिक सुंदरता में चार चांद लगाती है।

त्रिनेत्र रुद्राकनी बना आकर्षण का केंद्र- लोक में स्थापित 22 फीट ऊंचा त्रिनेत्र रुद्राकनी श्रद्धालुओं को विशेष रूप से आकर्षित कर रहा है। इसके मध्य में स्थापित रुद्राक्ष भगवान शिव के त्रिनेत्र स्वरूप का दिव्य आभास कराता है, जो दर्शकों को आध्यात्मिक अनुभूति प्रदान करता है। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए लोक में चार विशाल एवं व्यवस्थित प्रवेश द्वार बनाए गए हैं, जिससे विभिन्न दिशाओं से आने वाले भक्तों को सुगम आवागमन की सुविधा मिल रही है।

सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए ओपन एयर थियेटर- यहां निर्मित ओपन एयर थिएटर सांस्कृतिक और धार्मिक कार्यक्रमों के आयोजन का प्रमुख स्थल बन चुका है। यहां समय-समय पर रंगमंचीय प्रस्तुतियां एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, जो स्थानीय संस्कृति को बढ़ावा दे रहे हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए परिसर में कई आधुनिक व्यवस्थाएं विकसित की गई हैं, इसमें भीड़ के समय आराम हेतु प्रतीक्षालय, आपात स्थिति के लिए प्राथमिक चिकित्सा कक्ष, स्वच्छ एवं व्यवस्थित पाथवे, आकर्षक सेल्फी प्वाइंट, हरित वातावरण के लिए उद्यान क्षेत्र।

कला और संस्कृति की झलक, श्रद्धालुओं की बढ़ती आस्था- मंदिर परिसर में बनाई गई म्यूरल वॉल्स पर भगवान शिव की लीलाओं की अद्भुत नक्काशी की गई है। साथ ही पशुपतिनाथ महादेव के इतिहास पर आधारित सुंदर पेंटिंग्स भी दर्शकों को आकर्षित कर रही हैं। शिव स्तंभ एवं सत्संग भवन इस लोक को और भी आध्यात्मिक आयाम प्रदान करते हैं। पशुपतिनाथ लोक के निर्माण के बाद श्रद्धालुओं की संख्या में निरंतर वृद्धि देखी जा रही है। यह स्थल अब न केवल धार्मिक आस्था का केंद्र है, बल्कि पर्यटन और सांस्कृतिक गतिविधियों का भी प्रमुख केंद्र बनता जा रहा है।

# मंदसौर में पंछी बचाओ अभियान ने किया पांचवें जल मंदिर का शुभारंभ

**मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** भीषण गर्मी के दस्तक देते ही बेजुबान पक्षियों की प्यास बुझाने के लिए पंछी बचाओ अभियान संस्था द्वारा सेवा कार्य तेज कर दिए गए हैं। वही मनुष्य के लिए भी जगह जगह जल मंदिर का शुभारंभ किया जा रहा हे । इसी क्रम में संस्था द्वारा स्थानीय दशपुर गार्डन के बाहर पांचवें जल मंदिर का भव्य शुभारंभ किया गया। यह जल मंदिर स्व. सुगना बाई शिवलाल आंजना की पुण्य स्मृति में स्थापित किया गया है। इसका उद्देश्य चिलचिलाती धूप में राहगीरों को सुलभता से पानी उपलब्ध कराना है। जल मंदिर का विधिवत शुभारंभ संस्था के संरक्षक विनय दुबेला एवं अध्यक्ष अनिल कियावत के कर-कमलों द्वारा किया गया। इस अवसर पर अतिथियों ने संस्था के प्रयासों की सराहना करते हुए नागरिकों से भी अपील की कि वे अपने घरों की छतों और बालकनी में पक्षियों के लिए दाना-पानी जरूर रखें। इस सेवा कार्य के दौरान संस्था के संस्थापक राकेश भाटी, प्रदेश प्रवक्ता दिनेश जोशी, सुभाष गुप्ता और आशीष गुप्ता विशेष रूप से उपस्थित रहे। साथ ही कार्यक्रम में मीडिया साथी फरदीन शाह, अरबाज खान, मोइन खान सहित हरीश साल्वी, महेंद्र सिसोदिया, राजेश चौधरी, बाबूलाल चौधरी, हेमंत कुमावत, बालचंद आसलिया और कुलदीप नामा सहित कई सदस्य मौजूद थे।

## सिंगोली पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ 42.200 किलोग्राम पीसा डोडाचूरा जप्त कर दो आरोपी को किया गिरफ्तार

**सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** जिला पुलिस अधीक्षक श्री अंकित जायसवाल के निर्देशन में तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नवलसिंह सिसोदिया एवं एसडीओपी रोहित राठोर जावद के मार्गदर्शन में अवैध मादक पदार्थ तस्करी के विरुध्द प्रभावी कार्यवाही करते हुये सिंगोली थाना प्रभारी निरीक्षक जितेन्द्र कुमार वर्मा के नेतृत्व में पुलिस टीम सिंगोली द्वारा आरोपियो बलदेव सिंह व सुनील कुमार के कब्जे से 42.200 किलोग्राम अवैध पीसा मादक पदार्थ जप्त कर आरोपियो 01. बलदेव सिंह पिता ईश्वर सिंह जाति रायसिख सरदार उम्र 35 साल निवासी वार्ड न. 3SRW राठीखेड़ा तहसील थाना टिब्बी जिला हनुमानगढ़ राजस्थान हालमुकाम पुलिस चौकी सुरेशिया के पास गुरूद्वारे का मकान हनुमानगढ राजस्थान 02. सुनील कुमार पिता हंसराज देवव्रत जाति जाट उम्र 24 साल निवासी 3SRW लीलावती वार्ड न. 05 थाना संगरिया जिला हनुमानगढ़ राजस्थान को किया गिरफ्तार।

दिनांक 04.03.2026 को वाहन चैकिंग हेतू ग्राम धोगवा राजस्थान सीमा पहुँचे जहाँ पुलिस बल द्वारा वाहन चेकिंग बाद हमराह बल शासकीय वाहन के वापस थाना सिंगोली आते समय ग्राम धोगवा के यात्री प्रतिक्षालय के अन्दर दो व्यक्ति दोनो एक एक बैग हाथ में तथा एक एक पिठ्ठू बैग पीठ पर टांगे हुवे संदिग्ध अवस्था में खड़े थे पुलिस की गाड़ी व पुलिस को देखकर दोनो व्यक्ति भागने की कोशिश करने लगे शंका होने पर शासकीय वाहन व फोर्स, पंचान की मदद से आरोपियो बलदेव सिंह व सुनील कुमार के कब्जे से 42.200 किलोग्राम अवैध पीसा मादक पदार्थ जप्त कर आरोपियो 01. बलदेव सिंह पिता ईश्वर सिंह जाति रायसिख सरदार उम्र 35 साल निवासी वार्ड न. 3SRW राठीखेडा तहसील थाना टिब्बी जिला हनुमानगढ राजस्थान हालमुकाम पुलिस चौकी सुरेशिया के पास गुरूद्वारे का मकान हनुमानगढ़ राजस्थान 02. सुनील कुमार पिता हंसराज देवव्रत जाति जाट उम्र 24 साल निवासी 3-लीलावती वार्ड न. 05 थाना संगरिया जिला हनुमानगढ़ राजस्थान को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियो से जप्तशुदा अवैध पीसा मादक पदार्थ के स्त्रोतो के संबंध में पुछताछ कर अग्रिम कार्यवाही की जा रही है।

जप्त संपत्ती- 01. 42.200 किलोग्राम अवैध पीसा मादक पदार्थ कीमती 634000 रूपये

02. एक वीवो कंपनी का ड्ड25 ब्लैक कलर का एनड्राईड मोबाईल कीमति करीब 15,000 रूपये तथा एक वीवो कंपनी का ड्ढ23ड्ड ग्रे कलर का एनड्राईड मोबाईल कीमति करीब 15,000 रूपये, कीमती 30000 रूपये कुल कीमती 6640000 सराहनीय कार्य उक्त कार्य में थाना प्रभारी जितेन्द्र कुमार वर्मा व उनकी टीम की सराहनीय भूमिका रही।

# पार्षद बंसल ने लगाया आरोप : आदर्श रोड के नाम पर चल रहा है नौसिखिए इंजीनियरों का भ्रष्टाचार का खेल

**मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** समाज सेवी और पार्षद सुनील बंसल ने एक वक्तव्य में मुद्दे उठाते हुए और आरोप लगाते हुए कहा कि नगर में आदर्श सड़क के नाम पर भ्रष्टाचार का हो या नौसिखिए इंजीनियरों का खेल लगातार चल रहा है। पिछले 6 महीने से लगातार मंदसौर में आदर्श सड़क के नाम से सरदार पटेल चौराहा से लेकर मंडी गेट तक दोनों तरफ की सड़कों पर दुकानदारों के होटल ऊपर की छायादान एवं जो दैनिक ठेला लगाकर अपना व्यवसाय करते हैं, उन सबको हटाकर आदर्श सड़क का एक नाम दिया कि एमपीआरडीसी काम करेगी, जिसकी मंजूरी नगर पालिका के माध्यम से नहीं ली गई ऐसा नपाध्यक्ष ने परिषद में बताया है।

श्री बंसल ने आरोप लगाया कि जो काम किया जा रहा है वह निश्चित रूप वह भ्रष्टाचार का खेल है या किसी इंजीनियर की करामात है। हम देख रहे हैं कि जब पेवर ब्लॉक लगाए जा रहे हैं ये ब्लॉक पर सड़क से आधा से 1 इंच और डेढ़ इंच तक ऊंचे हैं जब बारिश होगी तब सड़क पर पानी भरा रहेगा और जब पानी उतर जाएगा तो कीचड़ जमा रहेगा। दूसरा गांधी चौराहे पर बगीचा लगाएंगे जबकि पूरी जमीन पार्किंग के लिए है। वहां पता नहीं किसकी राय से वहां काम हुआ। हम आगे चले घंटा घर से मंडी गेट तक जो साइड है वहां पर ग्रेनाइट लगाने का काम किया जा रहा है हर कोई आदमी मकान बनाता है तब भी वह बाहर पोर्च में या जहां वाहन खड़े किए जाते वहां पर पक्का फर्श लगता है पर यहां जनता की गाड़ी कमाई के पैसे का कितना सदुपयोग रहा है यह हम देख रहे हैं अभी ग्रेनाइट लगाना शुरू हुआ है अभी तो कुछ जगह लगा है और अधिकांश जगह टूटना शुरू हो गया। क्योंकि वह पत्थर कच्चा है अगर वहां लगाना चाहिए था तो वहां भी आवश्यकता अनुसार ब्लॉक लगते थे और वह भी सड़क से बिल्कुल लगते हुए ताकि अगर बारिश हो तो वहां पर पानी का भराव ना हो और बारिश के पानी निकालने के बाद में कीचड़ जमा नहीं है। कलेक्टर से पुनः निवेदन है कि स्थानीय नगर पालिका के कर्मचारी पीडब्ल्यूडी के कर्मचारियों की देखरेख में एक टीम बनाकर उक्त काम को संपन्न कराया जाए ताकि आदर्श सड़क के नाम पर आदर्श भ्रष्टाचार या आदर्श खराब रोड ना हो।

## जल शक्ति से नव भक्ति अभियान के तहत जल मंदिर (प्याऊ) की स्थापना

**मंडला/दैनिक मालवा हेराल्ड।** नवांकुर संस्था-तेजस्विनी महिला शक्ति संघ, नैनपुर द्वारा जल शक्ति से नव भक्ति अभियान के अंतर्गत ग्राम पंचायत परसवाड़ा एवं ग्राम पंचायत झिरिया में जल मंदिर (प्याऊ) की स्थापना कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। यह पहल ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति के सहयोग से संपन्न हुई।

कार्यक्रम में समिति के अध्यक्ष श्री मनोज कुशवाहा, सचिव श्री अशोक साहू, श्री दयादास धरवैया, श्री ब्रज नरेश मोंगरे, श्री अंतराम साहू, वार्ड पंच श्रीमती गुड्डी बाई यादव, सरूपा साहू, रोजगार सहायक श्री दीपक यादव, मोबिलाइज़र श्रीमती कलेश्वरी उलारी सहित ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

# दीक्षा के ग्यारह वर्षों बाद दिगंबर जैन आर्यिका द्रय का हुआ भव्य मंगल प्रवेश

### लक्ष्य, समर्पण और एकता- जीवन को सार्थक बनाने का मार्ग- आर्यिका समर्थ श्रीमाताजी

**मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** दिगंबर जैन आर्यिका 105 श्री समर्थ श्री माताजी एवं 105 श्री सार्थक श्री माताजी का ससंघ रविवार को दलौदा से मंदसौर नगर में भव्य मंगल प्रवेश हुआ। सांसारिक जीवन में मंदसौर निवासी दोनों माताजी का दिगम्बर जैन दीक्षा के उपरांत करीब ग्यारह वर्षों बाद पहली बार मंदसौर की धरा पर आगमन हुआ, जिससे जैन समाज धन्य हो गया। रविवार सुबह बैंड बाजों,ढोल नगाड़ों के साथ बड़ी संख्या में समाजजनों ने माताजी की अगवानी की। भक्त जनों ने जगह जगह पाद प्रक्षालन कर माताजी का आशीर्वाद लिया। दोनों माताजी नाकोडा नगर स्थित आचार्य 108 सन्मति कुंज संत निवास पहुंचे,जहां एक धर्म सभा का आयोजन हुआ। धर्म सभा के दौरान आर्यिका समर्थ श्री माताजी ने अपने प्रवचनों में कहा कि आज के भागदौड़ भरे युग में, जहाँ मनुष्य अनगिनत सपनों के पीछे भाग रहा है, वहां सही दिशा का अभाव अक्सर भटकाव पैदा करता है। केवल सांसें लेना ही जीवन नहीं है बल्कि उसे सार्थकता के साथ जीना ही वास्तविक जीवन है और यह सब कुछ प्रभु की शरण ओर गुरु चरण के बिना असंभव है। इसलिए जीवन में एक गुरु का होना अत्यंत आवश्यक है। जिस प्रकार बिना नाविक के नौका पार नहीं हो सकती, उसी प्रकार बिना गुरु मार्गदर्शन के जीवन के कठिन रास्तों को पार करना लगभग असंभव है। धर्म सभा से पूर्व भगवान का चित्र अनावरण एवं दीप प्रज्वलन पंडित विजय कुमार गांधी, शांतिलाल बड़जात्या, नंद किशोर अग्रवाल, राजमल गर्ग, अरविंद मेहता, डॉक्टर एस एम जैन ,विजयेंद्र सेठी, निलेश जैन दलौदा के द्वारा किया गया। माताजी को शास्त्र भेंट श्रीमती सुगन देवी, श्रीमती संतोष सेठी, श्रीमती मधु मदावत, श्रीमती मेहता आदि ने किया। धर्म सभा के दौरान हिम्मत नगर, इडर, दलौदा,नगरी,कुलथाना सहित पूर्व विधायक यशपाल सिंह सिसोदिया, विमल सिंहल, आदिश गर्ग ,जय कुमार बड़जात्या, मनीष सेठी, मानमल जैन, सुमति लाल जैन ,दीपक भूता ,अजय कुमार बाकलीवाल, सुरेश जैन तेल वाला, निलेश जैन दलोदा, कोमल प्रकाश पंछी,नरेश दोषी, जितेंद्र दोषी, ओम अग्रवाल, पीयूष जैन, महावीर कोटडिया, अजीत बडी, कुशल मांडावत, डॉक्टर एस के जैन, श्री सेंगर, हेमंत जैन, मुकेश जैन गरौडा आदि ने माताजी के चरणों में श्रीफल भेंट का आशीर्वाद लिया।

उल्लेखनीय है कि आर्यिका द्रय की कर्मभूमि और जन्मभूमि मंदसौर ही है। आप दिगंबर जैन समाज के समाजसेवी स्व. डॉ. अजित कुमार जैन के परिवार की सांसारिक जीवन में सदस्य रही हैं। गणाचार्य श्री विराग सागर महाराज से दिनांक 25 अक्टूबर 2015 को अजमेर में दीक्षा ग्रहण करने के 11 वर्षों बाद आर्यिका द्रय का प्रथम आगमन अपने गृहनगर में हुआ। डॉ. एस.एम. जैन ने बताया कि दीक्षा के पश्चात आर्यिका द्रय ने सलुम्बर, उदयपुर, ईडर, विजयनगर, हिम्मतनगर, अहमदाबाद, महुआ पार्श्वनाथ, इचलकरंजी एवं रतलाम में चातुर्मास कर धर्म प्रभावना की है। धर्म सभा का संचालन प्रोफेसर डॉक्टर अशोक अग्रवाल किया। आभार नंद किशोर अग्रवाल ने माना।

## उर्वरक वितरण में गड़बड़ी पर प्रशासन सख्त, एमपी एग्रो, सहकारी समितियों सहित तीन निजी फर्मों को नोटिस जारी

**मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** कृषि एवं किसान कल्याण विभाग उपसंचालक रविंद्र मोदी द्वारा बताया गया कि जिले में रासायनिक उर्वरको के वितरण में नियमो की अनदेखी सामने आने पर जिला प्रशासन मंदसौर ने सख्त रुख अपनाते हुए एमपी एग्रो, सहकारी समितियों सहित तीन निजी उर्वरक विक्रेताओ को कारण बताओ नोटिस जारी किये है। वर्तमान में 1 अप्रैल 2026 से रासायनिक उर्वरको का वितरण अनिवार्य रूप से ई-विकास प्रणाली के माध्यम से किये जाने के स्पष्ट निर्देश जारी किये गये थे। इसके बावजूद कुछ संस्थाओ द्वारा उर्वरक वितरण POS मशीन (आई.एफ.एम.एस. पोर्टल) के माध्यम से किया गया। जारी नोटिस के अनुसार एमपी एग्रो मंदसौर ने 1 में.टन यूरिया, सहकारी समिति खजुरी नाग वि.ख. सीतामऊ एस.एस.पी 18 में.टन, यूरिया 18 में.टन, सहकारी समिति सान्तलखेडी वि.ख. सीतामऊ द्वारा 1 में.टन डीएपी, एस.एस.पी 3 में. टन उर्वरको का वितरण ई-विकास प्रणाली की बजाए आईएफएमएस पोर्टल के माध्यम से किया गया। इसी प्रकार निजी क्षेत्र की फर्मों में अंकुर खाद भंडार झारडा वि.ख. मल्हारगढ़ ने 2 में. टन यूरिया, किसान कृषि बाजार डीगाँवमाली 1 में. टन यूरिया एवं श्री राम एग्रो एजेंसी मंदसौर ने 1 में.टन यूरिया का वितरण भी निर्धारित प्रक्रिया के विपरीत पाया गया। यह कृत्य उर्वरक (नियंत्रण) आदेश 1985 के नियमो का स्पष्ट उलंघन है। शासन द्वारा पारदर्शिता और निगरानी सुनिश्चित करने के उदेश्य से ई-विकास प्रणाली को अनिवार्य किया गया है, जिसकी अवहेलना गंभीर मानी गई है। इस मामले में उक्त उर्वरक विक्रेताओ को तीन दिवस के भीतर स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गये है। यदि उनका जवाब संतोषजनक नहीं पाया जाता है, तो उनके विरुद्ध उर्वरक (नियंत्रण) आदेश 1985 के तहत लाइसेंस निलंबन अथवा निरस्त करने की कार्यवाही की जावेगी।

## नीमच BJP में 'अंतरकलह' का धमाका!

**नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** भाजपा के ÷तपोभूमि÷ जिला कार्यालय के भूमिपूजन से पहले ही सियासत ने ऐसा मोड़ लिया कि कार्यक्रम से ज्यादा चर्चा अब निमंत्रण कार्ड की हो रही है। मामला अब नीमच से निकलकर भोपाल तक गूंज रहा है और वजह है- पार्टी के भीतर खुलकर सामने आई अंतरकलह। प्रदेश के 18 जिलों में एक साथ भाजपा कार्यालयों का भूमिपूजन होना है, लेकिन चर्चा में सिर्फ नीमच है। वजह साफ है यहां जारी निमंत्रण पत्र ने पार्टी के अंदर चल रही खींचतान को उजागर कर दिया है।

सबसे बड़ा सवाल–जिस नगर पालिका परिषद ने जमीन आवंटित की, उसी की अध्यक्ष और हाल ही में प्रदेश मीडिया पैनलिस्ट बनीं स्वाति गौरव चोपड़ा का नाम निमंत्रण पत्र से पूरी तरह गायब है।

वहीं दूसरी ओर, पूर्व जिलाध्यक्ष और वर्तमान ओबीसी मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष पवन पाटीदार, जिनके कार्यकाल में इस कार्यालय की जमीन मिली, उन्हें भी निमंत्रण से बाहर रखा गया।

नाम हटते ही सियासत भड़क गई। दोनों नेताओं के समर्थकों ने सोशल मीडिया पर खुलकर मोर्चा खोल दिया है और सवाल दागे जा रहे हैं।

आखिर किसे साधा जा रहा है और किसे किनारे किया जा रहा है?

लेकिन असली दिलचस्प मोड़ तो यहां है- इस पूरे कार्यक्रम में मेज़बान ही मेहमान बनकर रह गया है।

जिलाध्यक्ष होने के नाते वंदना खंडेलवाल आयोजक है लेकिन निमंत्रण कार्ड में वही विशेष अतिथि भी नज़र आ रही है – इसके अलावा तीनों विधायक और जिला पंचायत अध्यक्ष भी... अतिथि दर्शाए गए है।

अब सवाल उठता है–जब मेज़बान ही मेहमान बन जाएज तो असली किरदार कहा जाए- इधर, प्रदेश के अन्य जिलों के निमंत्रण पत्र भी तुलना में सामने आए हैं।

ग्वालियर में जहां सभी बड़े नेताओं के नाम हैं, वहीं स्थानीय जनप्रतिनिधियों को जगह नहीं मिली।

वहीं बुरहानपुर में जिला पंचायत अध्यक्ष से लेकर महापौर तक सभी को शामिल किया गया है।

ऐसे में नीमच का मामला और गहराता जा रहा है- क्या यहां जानबूझकर नाम हटाए गएज या फिर यह सिर्फ एक संगठनात्मक प्रयोग है?

हालांकि, जब इस पूरे विवाद पर जिलाध्यक्ष वंदना खंडेलवाल से सवाल किया गया तो उन्होंने साफ कहा - निमंत्रण पत्र हाईकमान के निर्देश अनुसार तैयार हुआ है, इसमें स्थानीय स्तर पर कुछ नहीं किया गया।

लेकिन अंदरखाने की खबर कुछ और ही कहानी कह रही है।

सूत्रों के मुताबिक, नाराजगी इतनी गहरी है कि पवन पाटीदार और स्वाति चोपड़ा दोनों ही इस कार्यक्रम से दूरी बना सकते हैं।

अब देखना दिलचस्प होगा यह निमंत्रण विवाद यहीं थमता है।

या फिर भाजपा की अंदरूनी राजनीति का बड़ा विस्फोट बनता है।

# पंचकल्याणक महोत्सव का चौथा दिन वैराग्य और भक्ति में सराबोर, संत सानिध्य में दीक्षा विधान संपन्न

**सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** सिंगोली में आयोजित पंचकल्याणक प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव का चौथा दिन श्रद्धा, भक्ति और वैराग्य के रंग में सराबोर नजर आया। जैन धर्म के इस महोत्सव में शुक्रवार को परंपरानुसार जैनेश्वरी दीक्षा सहित विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों का भव्य आयोजन हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति रही।

सुबह से ही आयोजन स्थल पर आराधना, मंगलाष्टक, अभिषेक, शांति धारा, नित्य पूजन एवं तप कल्याणक पूजन जैसे धार्मिक कार्यक्रम सम्पन्न हुए। इसके पश्चात योग प्रेरक मुनि श्री प्रणम्य सागर जी महाराज के सानिध्य में श्रद्धालुओं ने उनकी मंगल वाणी का श्रवण कर धर्मलाभ प्राप्त किया।

कार्यक्रम के दौरान महाराज नाभिराय का दरबार, आदि कुमार का पाणिग्रहण संस्कार एवं भव्य बारात का आयोजन हुआ, जिसमें इन्द्रों की प्रतीकात्मक उपस्थिति ने वातावरण को दिव्य बना दिया। इसके बाद आदि कुमार का राज्याभिषेक, राजतिलक एवं 32 मुकुटधारी राजाओं द्वारा अधीनता स्वीकार करने का दृश्य आकर्षण का केंद्र रहा।

धार्मिक प्रसंगों के तहत आदि कुमार द्वारा ब्राह्मी एवं सुंदरी को शिक्षा प्रदान करने, ब्राह्मी द्वारा आजीवन ब्रह्मचर्य व्रत ग्रहण करने तथा समाज को कृषि, विद्या, वाणिज्य एवं शिल्प की शिक्षा देने के संदेश प्रस्तुत किए गए। नीलांजन नृत्य, वैराग्य भावना एवं लौकांतिक देवों के स्तवन जैसे प्रसंगों ने श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया।

आयोजन में बताया गया कि आदि कुमार के 101 पुत्रों में ज्येष्ठ भरत को अयोध्या तथा बाहुबली को पोदनपुर का राज्य प्रदान किया गया। इसके पश्चात पालकी प्रस्थान के साथ दीक्षा वन की ओर प्रस्थान एवं केशलोंच जैसी दीक्षा विधियां मुनि श्री के सानिध्य में सम्पन्न हुईं।

गणमान्य अतिथियों की रही उपस्थिति- महोत्सव में राजस्थान सरकार के सहकारिता मंत्री गौतम दक, बेगूं विधायक डॉ. सुरेश धाकड़, कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव धीरज गुर्जर, गोपाल मालवीय, जावद क्षेत्र से कांग्रेस के संभावित प्रत्याशी एवं प्रदेश सचिव सत्यनारायण पाटीदार, भैंसरोड़गढ़ ग्रामीण मंडल अध्यक्ष सुनील जैन तथा पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष मनीष जैन सहित कई जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति रही।

इस दौरान अतिथियों ने धर्मसभा को संबोधित करते हुए जैन धर्म के सिद्धांतों की सराहना की तथा मुनि श्री से आशीर्वाद प्राप्त किया।

## पूर्व राज्यमंत्री श्री पटेल ने किया सीड ग्रेडिंग मशीन एवं एनसीसीएफ के माध्यम से चना/मसूर खरीदी के कार्य का शुभारंभ

**नरसिहंपुर/दैनिक मालवा हेराल्ड।** पूर्व राज्यमंत्री श्री जालम सिंह पटेल ने नई कृषि उपज मंडी करेली में शनिवार को शक्तिपूजा महिला किसान प्रोड्यूसर कम्पनी प्रा.लि. द्वारा सीड ग्रेडिंग मशीन एवं एनसीसीएफ के माध्यम से चना/मसूर खरीदी के कार्य का शुभारंभ किया। इस अवसर उन्होंने कहा कि यह पहल मातृशक्ति किसान बहनों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक सशक्त कदम है। सीड ग्रेडिंग मशीन से बीजों की गुणवत्ता में सुधार होग, जिससे किसानों को बेहतर उत्पादन और उचित मूल्य प्राप्त होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता राज्य परियोजना प्रबंधक (कृषि), मप्र राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन भोपाल श्री मनीष पवार ने की। इस अवसर पर जिला परियोजना प्रबंधक मप्र राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक डॉ. विशाल मेश्राम, श्री सौभाग्य सिंह लोधी, लघु उद्यम जिला प्रबंधक श्री ज्वाला करोसिया सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी और स्वसहायता समूह की महिलाएं मौजूद थी। कार्यक्रम का संचालन एफपीओ के सीईओ श्री जगदीश मेहरा ने किया।

# पत्रकार समाज के प्रहरी- सकारात्मक ऊर्जा के संवाहक- मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल

**नरसिहंपुर/दैनिक मालवा हेराल्ड।** प्रदेश शासन के पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा कि पत्रकार समाज के सच्चे प्रहरी होते हैं, जो हर परिस्थिति में सच्चाई को सामने लाकर समाज को दिशा देने का कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि समय के साथ पत्रकारिता का दायित्व और अधिक व्यापक हुआ है, ऐसे में पत्रकारों और उनके परिजनों के लिए सामाजिक सुरक्षा, बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं और सम्मान सुनिश्चित करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

मंत्री श्री पटेल ने कहा कि पत्रकार जहां एक ओर महत्वपूर्ण विषयों को समाज के सामने रखते हैं, वहीं वे उन लोगों को भी पहचान दिलाने का कार्य करते हैं, जो निस्वार्थ भाव से समाज के लिए उत्कृष्ट कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब किसी व्यक्ति का सम्मान किया जाता है, तो उसके पीछे के कार्यों और योगदान का उल्लेख होना चाहिए, जिससे समाज में प्रेरणा का वातावरण बने और अन्य लोग भी अच्छे कार्यों के लिए आगे आएं।

उक्ताशय के विचार मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल रविवार को शासकीय पीजी कॉलेज नरसिंहपुर के ऑडिटोरियम में आयोजित उत्कृष्ट नागरिक सम्मान समारोह-2026 के कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। यह कार्यक्रम मणिनागेन्द्र सिंह फाउन्डेशन के तत्वावधान में पत्रकार फाउंडेशन नरसिंहपुर के द्वारा आयोजित किया गया था।

# सम्पादकीय

## देश के आर्थिक विकास में विषमताये नई चुनौतियां

देश की सामाजिक विषमताओं ने समाज में कई समस्याओं को जन्म दिया है एवं आर्थिक प्रगति पर विभिन्न सोपानों में लगाम लगाई है। भारतीय समाज में विषमता एवं विविधता भारत के लिए एक बड़ी समस्या बनकर सामने खड़ी है। स्वतंत्रता के पूर्व तथा स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात भारतीय समाज में विषमताएं भारत के लिए चुनौती बनकर वर्तमान में कई बाधाएं उत्पन्न कर रही हैं। आज जातिगत संघर्ष बढ़ गए हैं,जातिगत संघर्षों को राजनीतिक महत्वाकांक्षा ने बहुत क्लिष्ट बना दिया है। राजनीति सदैव महत्वाकांक्षा के बल पर जातिगत समीकरण को नए-नए रूप तथा आयाम देती आई है और सदैव समाज में वर्ग विभेद आर्थिक विभेद कर के अपना उल्लू सीधा करना मुख्य ध्येय बन चुका है। उच्च वर्ग तथा निम्न वर्ग सदैव सत्ता के संघर्ष के लिए न सिर्फ एक दूसरे का परस्पर विरोध करते है बल्कि शासन प्रशासन के विरोध में भी सदैव खड़े पाए गए हैं। सत्ता पाने की लालसा में जातीय संघर्ष, नक्सलवाद तेजी से समाज में पनपता जा रहा है। भारतीय परिपेक्ष में आज सिर्फ जाती ही नहीं धार्मिक महत्वाकांक्षा देश के समाज के समक्ष चुनौती बन गया है। भारत में हिंदू मुस्लिम जाति संघर्ष ऐतिहासिक तौर पर अपनी जड़ें जमां चुका है, वर्तमान में मंदिर और मस्जिद के झगड़े देश में अशांत माहौल पैदा करने का एक बड़ा सबक बन चुके है।और यही वर्ग विभेद संघर्ष भारतीय आर्थिक विकास के बीच एक बड़ा अवरोध बनकर खड़ा है। पश्चिमी विद्वान भी कहते हैं कि भारत के राष्ट्र के रूप में विकसित होने में जाति एवं धर्म ही सबसे बड़ी बाधाएं हैं जिन्हें दूर करना सर्वाधिक कठिन कार्य है क्योंकि इसकी जड़ें भारत के स्वतंत्रता के पूर्व से देश में गहराई लिए हुए हैं। जातीय वर्ग संघर्ष और भाषाई विवाद ऐसा मुद्दा रहा है जिससे लगभग एक शताब्दी तक भारत आक्रांत रहा है। आजादी के बाद से ही भाषा विवाद को लेकर कई आंदोलन हुए खासकर दक्षिण भारत राज्यों द्वारा हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाए जाने एवं देश पर हिंदी थोपे जाने के विरोध में विरोध प्रदर्शनों को प्रोत्साहित किया गया। आज भी विभिन्न राज्यों में भाषाई विवाद एक ज्वलंत एवं संवेदनशील मुद्दा बना हुआ है, चाहे वह बंगाल हो, तमिलनाडु हो, आंध्र प्रदेश हो, उड़ीसा और महाराष्ट्र में भी भाषाई विवाद अलग-अलग स्तर पर सतह पर पाए गए हैं। समान सिविल संहिता को लेकर बहुसंख्यक संविधान में आक्रोश है दूसरी तरफ अल्पसंख्यक समुदाय इसलिए डरा हुआ है कि कहीं उसकी अपनी अस्मिता एवं पहचान अस्तित्व हीन ना हो जाए। स्वतंत्रता के बाद से यह विकास की मूल धारणा थी कि पंचवर्षीय योजनाओं में वर्ग विहीन समाज में लोकतांत्रिक एवं धर्मनिरपेक्ष तरीके से समाज का आर्थिक विकास तथा रोजगार के साधन उपलब्ध हो सकेंगे। पर स्वतंत्रता के 75 साल के बाद भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में वर्ग विभेद भाषाई विवाद ने अभी भी आर्थिक विकास में कई बाधाएं उत्पन्न की है। संविधान में सदैव सकारात्मक वर्ग विभेद एवं विकास की अवधारणा को प्रमुखता से शामिल किया गया था और पंचवर्षीय योजनाओं में भी विकास को वर्ग विभेद से अलग रखकर विकास की अवधारणा को बलवती बनाया गया है। सामाजिक आर्थिक तथा धार्मिक विविधता वाले समाज को विवादों से परे रख आर्थिक विकास की परिकल्पना एक कठिन और दुष्कर अभियान जरूर है पर असंभव नहीं है। और इसी की परिकल्पना को लेकर आजादी के पश्चात से पंचवर्षीय योजनाओं का प्रादुर्भाव सरकार ने समय-समय पर लागू किया है। विकास की अवधारणा में राष्ट्र की मुख्य धारा में समाज के पिछड़े वर्ग को शामिल कर उन्हें सम्मुख लाना होगा। यदि देश के पिछड़ा वर्ग और गरीब तबका विकास की मुख्यधारा से जुड़ता है तो गरीबी, भुखमरी, नक्सलवाद जैसे संकट अस्तित्व हीन हो जाएंगे और ऐसी समस्या धीरे धीरे खत्म होती जाएगी। आवश्यकता यह है कि हमें राष्ट्रवाद को सर्वोपरि मानकर इस पर अमल करना होगा। फिर चाहे वह सांस्कृतिक राष्ट्रवाद हो या समावेशी राष्ट्रवाद हो। समाज की मुख्यधारा में राष्ट्रवाद को एक प्रमुख अस्त्र बनाकर देश की प्रगति में इसका इस्तेमाल किया जाना चाहिए। भारत में आजादी के 75 वर्ष बाद भी ब्रिटिश हुकूमत की तरह गरीबी, भूखमरी ,बेरोजगारी ,नक्सलवाद, आतंकवाद, सांप्रदायिकता,भाषावाद एवं क्षेत्रीय विघटनकारी प्रवृत्तियां सर उठाये घूम रही हैं, हम इन पर अभी तक प्रभावी नियंत्रण नहीं लगा पाए हैं। हमें इन सब विसंगतियों से ऊपर उठकर राष्ट्रीय नागरिकता एवं भारत राष्ट्र की विकास की अवधारणा को राष्ट्रवाद से जोड़कर आर्थिक विकास को एक नया आयाम देना होगा,तब जाकर भारत वैश्विक स्तर पर आर्थिक रूप से मजबूत एवं आत्मनिर्भर बन सकेगा।

## स्क्रीन टाइम डिसऑर्डर अर्थात् मोबाइल एडिक्शन के उपचार में कारगर है सहजयोग

अत्यधिक मोबाइल का उपयोग आजकल एक गंभीर समस्या बन गया है, जिसे मोबाइल एडिक्शन या स्क्रीन टाइम डिसऑर्डर कहा जाता है। यह मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है, जैसे कि आंखों की समस्या, सिरदर्द, नींद की कमी, मानसिक थकान तथा एकाग्रता की कमी। मोबाइल से अत्यधिक लगाव और विचलित मन की समस्या आजकल बहुत आम हो गई है, जो मानसिक तनाव और नींद की कमी का कारण बन सकती है। यह डिजिटल युग में लोगों की मानसिक शांति को प्रभावित कर रहा है, क्योंकि मोबाइल के अत्यधिक उपयोग से लगातार सूक्ष्म रेडिएशन का प्रवाह होता है, जिससे मानसिक संतुलन बिगड़ सकता है और नींद पर भी बुरा असर पड़ता है। बच्चों में यह समस्या और भी गंभीर रूप ले रही है। मोबाइल एडिक्शन उनके संपूर्ण विकास को प्रभावित करता है। श्री माताजी निर्मला देवी प्रदत्त सहजयोग ध्यान इस स्थिति से बाहर निकालने में बहुत सहायक है। सहजयोग ध्यान के माध्यम से आपको अपने मानसिक विचलन को नियंत्रित करने और गहरी नींद पाने में मदद मिलती है।

चिंता और मानसिक विचलन से मुक्ति - सहजयोग ध्यान का एक महत्वपूर्ण पहलू यह है कि हम अपने मन में उठने वाली चिंताओं और विचारों को नियंत्रित करने की कला सीखते हैं। मोबाइल के कारण जो मानसिक विचलन होता है, उसे सहजयोग ध्यान के माध्यम से बड़ी ही सहजता से नियंत्रित किया जा सकता है। सहजयोग में आप ध्यान की अवस्था में वर्तमान में स्थित होते हैं और भूत व भविष्य की चिंताओं से मुक्त हो जाते हैं। आभासी व वास्तविक का भेद स्पष्ट हो जाता है, यह आपके तनाव को कम करता है।

एडिक्शन पर काबू पाना - अगर मोबाइल का अत्यधिक उपयोग मानसिक अस्थिरता का कारण बन रहा है, तो आपको समय-समय पर डिजिटल डिटॉक्स की आवश्यकता हो सकती है। सहजयोग ध्यान इसमें अत्यंत कारगर साबित हो सकता है क्योंकि किसी भी लत से छुटकारा पाने के लिए आवश्यक है कि आपकी इच्छा शक्ति प्रबल हो तथा मन पर आपका पूर्ण नियंत्रण हो। सहजयोग का आधार ही मन की एकाग्रता व निर्विचार स्थिति है। यहां किसी प्रकार की जबरदस्ती की आवश्यकता नहीं होती स्वतः ही जो ग़लत है वो छूट जाता है। सहजयोग न केवल मानसिक शांति और संतुलन को बढ़ाता है, बल्कि जीवन में अधिक जागरूकता और एकाग्रता को भी बढ़ावा देता है, जिससे जीवन में संतुलन और शांति, उन्नति व आनंद की प्राप्ति होती है। सहजयोग में कलात्मकता का विकास होता है जैसे चित्रकला, नृत्य, संगीत, लेखन आदि में रूचि बढ़ जाती है। व्यक्ति कृत्रिमता से परे प्रकृति के करीब हो जाता है। यह संतुलन साधक की अनेक शारीरिक व मानसिक व्याधियों को स्वतः ही ठीक कर देता है। ध्यान की इस वैज्ञानिक पद्धति की अधिक जानकारी हेतु हमारे हेल्पलाइन नंबर 18002700800 पर कॉल कर सकते हैं ।

# हॉर्मुज की आँच में जल सकती है भारत की पूरी विकास यात्रा

दुनिया की अर्थव्यवस्था आज एक पतली समुद्री रेखा पर टिकी है—हॉर्मुज। केवल चालीस किलोमीटर चौड़ा यह जलडमरूमध्य, जहाँ से दुनिया का हर पाँचवाँ तेल टैंकर गुजरता है, अब युद्ध का सबसे खतरनाक मोर्चा बन चुका है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को 48 घंटे की चेतावनी दी है—हॉर्मुज खोलो, समझौता करो, वरना नरक टूट पड़ेगा। तेहरान ने जवाब दिया—फॉरएवर वॉर। यह केवल दो देशों की बयानबाजी नहीं, बल्कि उस वैश्विक ऊर्जा व्यवस्था पर सीधा प्रहार है, जिसके सहारे भारत जैसी अर्थव्यवस्थाएँ चलती हैं। भारत के लिए यह संकट कोई दूर की घटना नहीं, बल्कि पेट्रोल पंप, रसोई गैस, खेत, फैक्टरी और बाजार तक पहुँचने वाला आर्थिक भूचाल है। ट्रंप की धमकी और ईरान की चुनौती ने साफ कर दिया है कि हॉर्मुज अब केवल जलडमरूमध्य नहीं, भारत की ऊर्जा सुरक्षा की सबसे कमजोर नस बन चुका है।

48 घंटे की चेतावनी के पीछे कई हफ्तों से सुलगता तनाव था। अमेरिका और ईरान के बीच टकराव लगातार बढ़ रहा था। अमेरिकी लड़ाकू विमान, ड्रोन हमले, परमाणु कार्यक्रम और खाड़ी में बढ़ती सैन्य हलचल ने माहौल को विस्फोटक बना दिया। ट्रंप ने साफ कहा कि अगर 48 घंटे में हॉर्मुज नहीं खुला, तो ईरान के ऊर्जा ढाँचे पर हमला होगा। लेकिन ईरान जानता है कि उसकी सबसे बड़ी ताकत हथियार नहीं, हॉर्मुज की वही संकरी समुद्री पट्टी है, जहाँ से दुनिया की ऊर्जा गुजरती है। तेहरान के पास मिसाइलें, समुद्री सुरंगें और ऐसे प्रॉक्सी नेटवर्क हैं, जो कुछ ही घंटों में जहाजरानी रोक सकते हैं। 1980 के दशक का टैंकर वॉर फिर लौटता दिख रहा है। फर्क बस इतना है कि तब दांव पर तेल था, आज पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था है। इसलिए ईरान का फॉरएवर वॉर केवल सैन्य चुनौती नहीं, बल्कि तेल के सहारे दुनिया को झुकाने की रणनीति है।

हॉर्मुज में उठी एक रुकावट भारत की अर्थव्यवस्था को भीतर तक हिला सकती है। भारत इस युद्ध में नहीं है, फिर भी सबसे बड़ी मार उसी पर पड़ सकती है। देश अपनी तेल जरूरत का 85 से 90 प्रतिशत आयात करता है और उसका करीब 40 प्रतिशत हॉर्मुज के रास्ते आता है। यदि यह मार्ग कुछ हफ्तों के लिए भी बंद हुआ, तो भारत सीधे ऊर्जा संकट में फँस जाएगा। तेल की कीमतें सबसे पहले बढ़ेंगी। भारतीय क्रूड बास्केट पहले ही 110 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच चुकी है; हॉर्मुज बंदी लंबी खिंची तो यह 130-150 डॉलर तक जा सकती है। फिर पेट्रोल, डीजल, विमान ईंधन, उर्वरक और परिवहन सब महँगे हो जाएंगे। महँगाई 7 से 9 प्रतिशत तक पहुँच सकती है, रुपया और कमजोर होगा, विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव बढ़ेगा और करंट अकाउंट डेफिसिट फैल जाएगा। सबसे बड़ा असर किसान, ट्रक ऑपरेटर, छोटे उद्योग और मध्यम वर्ग पर पड़ेगा, क्योंकि ईंधन महँगा होते ही अर्थव्यवस्था की रफ्तार धीमी पड़ जाती है।

हॉर्मुज का संकट सिर्फ तेल तक सीमित नहीं है। दुनिया की लगभग 20 प्रतिशत पेट्रोलियम और 25 प्रतिशत एलएनजी आपूर्ति इसी रास्ते से गुजरती है। भारत के लिए इसका मतलब है कि रसोई गैस और औद्योगिक गैस, दोनों पर दबाव बढ़ेगा। यदि एलपीजी और एलएनजी की आपूर्ति रुकी, तो गैस सिलेंडर महँगे होंगे, बिजली उत्पादन की लागत बढ़ेगी और गैस आधारित उद्योगों की रफ्तार टूट जाएगी। भारत के पास रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार है, लेकिन वह केवल 5-10 दिन की राहत देता है। कुल मिलाकर (रिफाइनरी स्टॉक सहित) यह 60-74 दिन का बफर उपलब्ध है, जबकि विकसित देशों के पास 180 दिन तक का सुरक्षा कवच है। यही अंतर बताता है कि भारत ने ऊर्जा सुरक्षा को अब तक आर्थिक मुद्दा माना, राष्ट्रीय सुरक्षा का नहीं। 1973 का तेल संकट चेतावनी था, लेकिन आज भारत पहले से अधिक ऊर्जा पर निर्भर है। इसलिए यदि हॉर्मुज लंबे समय तक बंद रहा, तो असर सिर्फ तेल बिल पर नहीं, बल्कि विकास दर, रोजगार और सामाजिक स्थिरता पर भी पड़ेगा।

भारत के पास रास्ते हैं, लेकिन कोई भी आसान नहीं। रूस से तेल आयात पिछले वर्षों में तेजी से बढ़ा है और अब कुल आयात का बड़ा हिस्सा वहीं से आता है। इससे कुछ राहत मिलती है, क्योंकि रूसी तेल हॉर्मुज से नहीं गुजरता। लेकिन इसकी अपनी मुश्किलें हैं—लंबी दूरी, महँगा बीमा, कठिन परिवहन और कीमतों में उतार-चढ़ाव। अफ्रीका, अमेरिका और लैटिन अमेरिका से तेल लाया जा सकता है, लेकिन ये रास्ते अधिक महँगे और धीमे हैं। समुद्री भाड़ा 30 से 40 प्रतिशत तक बढ़ सकता है। उधर, ईरान से जुड़ा चाबहार बंदरगाह भी संकट की चपेट में आ सकता है। भारत जिस अंतरराष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारे और पश्चिम एशिया कॉरिडोर पर भरोसा कर रहा है, वे अभी पूरी तरह तैयार नहीं हैं। इसलिए सच यही है कि भारत के पास विकल्प तो हैं, लेकिन वे तुरंत राहत देने की स्थिति में नहीं।

इस संकट का समाधान केवल तात्कालिक फैसलों में नहीं, दूरगामी तैयारी में छिपा है। भारत को अपनी ऊर्जा नीति की दिशा बदलनी होगी। सबसे पहले रणनीतिक भंडार को तेजी से भरकर और कुल भंडारण क्षमता को बढ़ाकर 180 दिन तक ले जाना होगा। फिर तेल आयात के स्रोत इतने फैलाने होंगे कि किसी एक क्षेत्र पर निर्भरता न रहे। साथ ही, अंडमान, पूर्वी तट और राजस्थान के नए ब्लॉकों में तेल और गैस खोज को युद्ध स्तर पर बढ़ाना होगा। लेकिन असली बदलाव जीवाश्म ईंधन से बाहर निकलने में है। सौर ऊर्जा, हरित हाइड्रोजन, जैव ईंधन, इलेक्ट्रिक वाहन और छोटे मॉड्यूलर परमाणु रिएक्टर अब केवल पर्यावरण की जरूरत नहीं, राष्ट्रीय सुरक्षा की ढाल हैं। जिस दिन भारत की बसें, ट्रैक्टर, उद्योग और बिजली विदेशी तेल पर कम, घरेलू स्वच्छ ऊर्जा पर अधिक चलेंगे, उसी दिन हॉर्मुज का खतरा भी छोटा पड़ जाएगा।

यह संकट भारत के सामने एक सीधा सवाल खड़ा करता है—क्या हम अब भी बीसवीं सदी की ऊर्जा सोच में अटके हैं, जबकि दुनिया इक्कीसवीं सदी का युद्ध लड़ रही है? ट्रंप की 48 घंटे की चेतावनी और ईरान के फॉरएवर वॉर ने साफ कर दिया है कि आने वाली लड़ाइयाँ सीमाओं पर नहीं, सप्लाई चेन, समुद्री रास्तों और ऊर्जा स्रोतों पर लड़ी जाएँगी। यदि भारत आयातित तेल के सहारे विकास का सपना देखता रहा, तो हर नया हॉर्मुज संकट उसे और कमजोर करेगा। इसलिए यह समय केवल चिंता का नहीं, फैसले का है। सरकार, उद्योग और समाज को मिलकर नई ऊर्जा क्रांति शुरू करनी होगी, जहाँ सूरज, हवा, परमाणु और जैव ईंधन भारत की नई ताकत बनें। तभी भारत किसी भी फॉरएवर वॉर के बीच अडिग, सुरक्षित और आत्मनिर्भर रह सकेगा।

**-प्रो. आरके जैन**

## युद्ध के तूफान में बिजनेस की कश्ती

आज का वैश्विक व्यापार परिदृश्य ऐसी भू-राजनीतिक अनिश्चितता से जूझ रहा है, जिसकी कल्पना एक दशक पहले शायद ही किसी ने की हो। युद्ध, क्षेत्रीय तनाव और बदलते अंतरराष्ट्रीय समीकरण केवल खबरों तक सीमित नहीं हैं। ये सीधे तौर पर हमारे व्यापार की लागत, समय सीमा और निर्णयों को प्रभावित कर रहे हैं। आज के दौर में जोखिम की परिभाषा बदल चुकी है। अब खतरा किसी एक बाजार तक सीमित नहीं है, बल्कि एक जगह होने वाली हलचल पूरी दुनिया में रिपल इफेक्ट पैदा करती है।

बदलते व्यापारिक जोखिम- वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में यह बदलाव साफ देखा जा सकता है। व्यापारिक मार्ग बदलने और देरी होने से लागत लगातार बढ़ रही है। साथ ही, साइबर खतरों ने भी नया और जटिल रूप ले लिया है। आज माहौल इतना पेचीदा हो गया है कि भविष्य का सटीक अनुमान लगाना लगभग नामुमकिन है। ऐसी स्थिति में व्यवसाय अब केवल प्रतिक्रियावादी होकर काम नहीं चला सकते। अब समय है ऐसा सोच विकसित करने का, जो जोखिमों को पहले से भांप सके।

मजबूत परिचालन मॉडल- किसी भी बिजनेस के लिए सबसे बड़ा खतरा एक ही स्रोत पर निर्भर रहना है। चाहे वह सप्लायर हो, कोई खास देश हो या कोई लाजिस्टिक रूट। अगर वहां कोई रुकावट आती है, तो पूरा बिजनेस ठप हो सकता है। इसलिए, परिचालन के विविध माडल बनाना अब अनिवार्य हो गया है। इसके साथ ही, कंटिंजेंसी प्लानिंग को सिर्फ कागजों तक सीमित न रखकर उसे धरातल पर उतारना होगा। व्यवसायों को अलग-अलग परिदृश्यों के लिए खुद को तैयार रखना चाहिए ताकि संकट आने पर तुरंत कदम उठाए जा सकें।

बीमा का सुरक्षा कवच- जहां परिचालन रणनीतियां आधार तैयार करती हैं, वहीं बीमा व्यापार को मजबूती देने में अहम भूमिका निभाता है। अनिश्चितता के इस दौर में बीमा केवल संपत्ति की रक्षा नहीं करता, बल्कि संकट के समय व्यापार की निरंतरता बनाए रखने में मदद करता है। यह वह वित्तीय आधार प्रदान करता है, जिससे कंपनियां बिना दीर्घकालिक लक्ष्यों से भटके, बड़े झटकों को सह सकें।

विशिष्ट बीमा समाधान - जैसे-जैसे व्यापार की सीमाएं बढ़ रही हैं, विशेष बीमा समाधानों की मांग भी बढ़ी है। पालिटिकल और वार रिस्क इंश्योरेंस अब केवल जोखिम भरे क्षेत्रों तक सीमित नहीं है। यह युद्ध या नागरिक अशांति के कारण होने वाले नुकसान से सुरक्षा देता है। इसी तरह, प्रापर्टी और बिजनेस इंटरप्शन इंश्योरेंस का दायरा भी बढ़ा है। अब इसमें कंटिंजेंट बिजनेस इंटरप्शन जैसे कवर शामिल हैं, जो तब भी आपकी आर्थिक मदद करते हैं जब नुकसान आपके सप्लायर के यहां हुआ हो और उसका असर आपके बिजनेस पर पड़ा हो। शिपिंग मार्गों में बढ़ती अनिश्चितता के कारण मरीन और कार्गो इंश्योरेंस का महत्व काफी बढ़ गया है। रास्ते बदलने या माल के नुकसान से होने वाले वित्तीय घाटे को कम करने के लिए व्यापक मरीन इंश्योरेंस होना बेहद जरूरी है।

**-धनंजय राजौरा**

# बोर्ड परीक्षा पूरी कहानी नहीं, जीवन का केवल एक अध्याय है

बोर्ड परीक्षा के परिणाम आने वाले हैं। तारीख करीब आते ही हजारों घरों में बेचैनी बढ़ने लगती है। कहीं विद्यार्थी देर रात तक जागकर अपने अनुमान लगा रहा है, तो कहीं माता-पिता चुपचाप उसके चेहरे की चिंता पढ़ रहे हैं। किसी को अच्छे अंकों की उम्मीद है, किसी को डर कि मेहनत के बाद भी परिणाम मनचाहा न आए। परिणाम के दिन मोबाइल की घंटी, वेबसाइट का खुलना, रोल नंबर डालती काँपती उंगलियाँ—सब उस पल को और भारी कर देते हैं। और जब स्क्रीन पर अंक उम्मीद से कम दिखें या असफलता सामने खड़ी मिले, तो लगता है मानो सब समाप्त हो गया। विद्यार्थी को भविष्य अंधेरा दिखने लगता है, अभिभावक चिंता और अपराधबोध से भर उठते हैं। लेकिन इसी क्षण सबसे जरूरी है यह याद रखना कि यह केवल एक परीक्षा है, पूरा जीवन नहीं। एक परिणाम आपके व्यक्तित्व, क्षमता और भविष्य का अंतिम निर्णय नहीं हो सकता।

सबसे पहले विद्यार्थी और अभिभावक, दोनों को अपनी भावनाएँ दबाने के बजाय उन्हें स्वीकार करना चाहिए। निराशा, दुख, गुस्सा, आँसू या चुप्पी—ये सब स्वाभाविक हैं। विद्यार्थी यदि रोना चाहता है, तो उसे रो लेने दें; यदि कुछ देर अकेला रहना चाहता है, तो उसे समय दें। उसी तरह अभिभावक भी अपनी चिंता छिपाने के लिए कठोर न बनें। इस समय सबसे बड़ी जरूरत साथ की होती है। बच्चे के पास बैठकर केवल इतना कहना—÷हम तुम्हारे साथ हैं, यह अंत नहीं है÷—उसके टूटे मन को संभाल सकता है। कई बार लंबे भाषण नहीं, बल्कि एक शांत स्पर्श, एक गले लगाना और बिना निर्णय उसकी बात सुन लेना सबसे बड़ी ताकत बन जाता है।

अभिभावकों को विशेष रूप से ध्यान रखना चाहिए कि वे तुलना और तानों से पूरी तरह बचें। ÷फलाँ के इतने अंक आए, तुम्हारे क्यों नहीं?÷ या ÷इतना खर्च किया, फिर भी क्या हुआ?÷ जैसे वाक्य बच्चे के मन पर गहरे घाव छोड़ते हैं। असफलता के बाद विद्यार्थी पहले ही अपराधबोध और शर्म से भरा होता है। यदि घर में भी उसे केवल आलोचना मिले, तो उसका आत्मविश्वास और टूट जाता है। इस समय बच्चे को यह महसूस होना चाहिए कि उसका महत्व केवल अंकों से नहीं है। वह एक इंसान है, जिसके भीतर योग्यताएँ, भावनाएँ, रुचियाँ और सपने हैं। घर का वातावरण शांत, भरोसे से भरा और सकारात्मक रखना ही इस कठिन समय में अभिभावक का सबसे बड़ा कर्तव्य है।

विद्यार्थियों को यह समझना होगा कि असफलता का अर्थ अयोग्यता नहीं होता। कई बार कम अंकों के पीछे अनेक कारण होते हैं—तनाव, समय प्रबंधन की कमी, सही रणनीति का अभाव, स्वास्थ्य की समस्या या किसी विषय में कमजोरी। इसलिए स्वयं को ÷मैं किसी काम का नहीं÷ कहकर दोषी ठहराने के बजाय अपनी तैयारी का ईमानदारी से विश्लेषण करें। सोचें, कमी कहाँ रह गई और अगली बार क्या बदला जा सकता है। यदि कोई विषय कठिन लगा, तो उसका अधिक अभ्यास करें। यदि समय कम पड़ा, तो समय बाँटने की आदत डालें। यदि तनाव ने असर डाला, तो पढ़ाई के साथ विश्राम, व्यायाम और ध्यान को भी जीवन का हिस्सा बनाइए। हर गलती अगली सफलता का रास्ता दिखाती है।

असफल परिणाम के बाद आगे बढ़ने के अनेक रास्ते होते हैं। यदि किसी विषय में कम अंक आए हैं, तो कंपार्टमेंट या सुधार परीक्षा दी जा सकती है। यदि पूरी परीक्षा में सफलता नहीं मिली, तो अगले वर्ष बेहतर तैयारी के साथ फिर प्रयास किया जा सकता है। आज शिक्षा की दुनिया पहले से कहीं अधिक खुली है। केवल एक धारा या एक करियर ही जीवन का अंतिम रास्ता नहीं है। विज्ञान, वाणिज्य और कला के अलावा भी अनेक विकल्प हैं—डिजिटल मार्केटिंग, डिजाइन, होटल प्रबंधन, एनीमेशन, खेल, संगीत, कंप्यूटर, फोटोग्राफी, फैशन, आईटीआई, डिप्लोमा, उद्यमिता और कई कौशल आधारित क्षेत्र। कई बार एक असफलता हमें उसी दिशा में मोड़ देती है, जहाँ हमारी वास्तविक प्रतिभा छिपी होती है।

अभिभावकों को चाहिए कि वे इस समय बच्चे की रुचियों को समझने की कोशिश करें। हर बच्चा डॉक्टर, इंजीनियर या सरकारी अधिकारी बनने के लिए नहीं बना होता। कोई चित्रकला में अच्छा होता है, कोई खेल में, कोई लेखन में, तो कोई तकनीक या व्यवसाय में। यदि बच्चा किसी अलग क्षेत्र में रुचि दिखाता है, तो उसे कमजोरी नहीं, संभावना समझें। आवश्यकता हो तो करियर काउंसलर, शिक्षक या अनुभवी व्यक्ति की सहायता लें। कई लोग स्कूल या बोर्ड परीक्षा में अच्छे अंक नहीं ला पाए, लेकिन बाद में अपनी लगन और कौशल के बल पर बड़ी सफलता तक पहुँचे। इसलिए बच्चे को यह महसूस कराइए कि उसका भविष्य अब भी सुरक्षित है और उसके सपनों के लिए घर का दरवाज़ा आज भी खुला है।

विद्यार्थियों को इस समय अकेलेपन से बचना चाहिए। अक्सर असफलता के बाद वे मित्रों, रिश्तेदारों और दुनिया से दूर होने लगते हैं। उन्हें लगता है कि लोग उनका मज़ाक उड़ाएँगे या उन्हें कम समझेंगे। लेकिन सच यह है कि जो लोग सचमुच अपने होते हैं, वे साथ खड़े रहते हैं। अपने किसी भरोसेमंद मित्र, शिक्षक, भाई-बहन या माता-पिता से खुलकर बात कीजिए। मन का बोझ भीतर मत रखिए। साथ ही, सोशल मीडिया और दूसरों की सफलता देखकर स्वयं को कम मत आँकिए। हर व्यक्ति की यात्रा अलग होती है। कुछ लोग जल्दी सफल होते हैं, कुछ देर से; लेकिन आगे वही बढ़ते हैं, जो हार के बाद भी चलना नहीं छोड़ते। जब सब कुछ बिखरा हुआ लगे, तब केवल एक बात याद रखिए—बोर्ड परीक्षा जीवन की पूरी कहानी नहीं, उसका केवल एक छोटा-सा अध्याय है। यदि आज असफलता मिली है, तो इसका अर्थ यह नहीं कि कल सफलता नहीं मिलेगी। यह समय स्वयं को समाप्त मान लेने का नहीं, बल्कि नए ढंग से फिर शुरू करने का है। अभिभावक धैर्य रखें और विद्यार्थी हिम्मत बनाए रखे, तो यह कठिन दौर भी बीत जाएगा। आज का दुख कल की ताकत बन सकता है, आज की हार कल की सबसे बड़ी सीख। गिरना गलत नहीं है, गिरकर वहीं रुक जाना गलत है। इसलिए उठिए, स्वयं पर विश्वास रखिए और आगे बढ़िए—क्योंकि जीवन अब भी आपके सामने पूरी रोशनी के साथ खड़ा है।

**-कृति आरके जैन**

# जेनेरिक से नवाचार तक का सफर

भारत आज वैश्विक स्तर पर सस्ती दवाओं के सबसे बड़े आपूर्तिकर्ताओं में से एक बन चुका है। ÷विश्व की फार्मेसी÷ के रूप में उसकी पहचान केवल एक उपमा नहीं, बल्कि उसकी उत्पादन क्षमता, निर्यात विस्तार और वैश्विक जनस्वास्थ्य में उसके योगदान का सशक्त प्रमाण है। वर्ष 2025-26 तक भारतीय औषधि बाजार 50 अरब डॉलर का आंकड़ा पार कर चुका है और वैश्विक जेनेरिक दवाओं की आपूर्ति में उसका योगदान 20 प्रतिशत से अधिक है। अमेरिका जैसे विकसित देशों में भी भारतीय कंपनियां लगभग 40 प्रतिशत जेनेरिक दवाओं की आपूर्ति करती हैं, जबकि अफ्रीका और दक्षिण एशिया जैसे क्षेत्रों में जीवनरक्षक दवाओं की उपलब्धता में भारत की भूमिका अत्यंत निर्णायक है। यह उपलब्धि 1970 के दशक में पेटेंट कानूनों में हुए परिवर्तन का परिणाम है, जब भारत ने प्रक्रिया पेटेंट प्रणाली को अपनाकर घरेलू उद्योग को सशक्त किया और सस्ती दवाओं के उत्पादन का मार्ग प्रशस्त किया।

किन्तु इस चमकदार उपलब्धि के पीछे एक गहरा विरोधाभास भी छिपा हुआ है। भारत जहां एक ओर तैयार दवाओं का प्रमुख निर्यातक है, वहीं दूसरी ओर उनके निर्माण के लिए आवश्यक कच्चे माल और सक्रिय औषधीय संघटकों के लिए भारी मात्रा में आयात पर निर्भर है। अनुमानतः भारत अपनी आवश्यकता का लगभग 60 से 70 प्रतिशत सक्रिय औषधीय संघटक विदेशों से आयात करता है, जिसमें प्रमुख हिस्सा चीन से आता है। पेनिसिलिन जी, क्लैवुलैनिक अम्ल और पैरासिटामोल जैसे महत्वपूर्ण संघटकों के मामले में यह निर्भरता 80 प्रतिशत से भी अधिक है। यह स्थिति केवल आर्थिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और आपूर्ति श्रृंखला की स्थिरता के लिए भी गंभीर चिंता का विषय है।

कोविड-19 महामारी ने इस निर्भरता की वास्तविकता को स्पष्ट रूप से उजागर कर दिया। चीन में लॉकडाउन के कारण आपूर्ति बाधित होते ही भारत में दवा उत्पादन प्रभावित हुआ। अनेक औषधि निर्माण इकाइयों को उत्पादन घटाना पड़ा और कुछ को अस्थायी रूप से बंद करना पड़ा। इससे यह स्पष्ट हो गया कि कच्चे माल की आपूर्ति में व्यवधान भारत की औषधि उत्पादन क्षमता को तुरंत प्रभावित कर सकता है। इस अनुभव ने आत्मनिर्भरता की आवश्यकता को और अधिक प्रासंगिक बना दिया।

इसी संदर्भ में सरकार ने उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना के माध्यम से लगभग 16,000 करोड़ रुपये के निवेश की घोषणा की, जिसका उद्देश्य घरेलू स्तर पर सक्रिय औषधीय संघटकों के उत्पादन को बढ़ावा देना है। यद्यपि इस दिशा में कुछ प्रगति हुई है, फिर भी अनेक संरचनात्मक समस्याएं अब भी बनी हुई हैं। उच्च उत्पादन लागत, तकनीकी सीमाएं तथा कठोर पर्यावरणीय नियमों के कारण कई उत्पादन इकाइयां बंद हो चुकी हैं, जिससे घरेलू उत्पादन क्षमता सीमित हो गई है।

नियामक ढांचे की कमजोरी भी इस क्षेत्र की एक प्रमुख चुनौती है। केंद्रीय और राज्य स्तर पर औषधि नियंत्रण संस्थाओं में संसाधनों और प्रशिक्षित मानवबल की कमी स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। गुणवत्ता नियंत्रण में खामियों के कारण कई भारतीय औषधि निर्माण इकाइयों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आलोचना का सामना करना पड़ा है। कुछ मामलों में विदेशी नियामक संस्थाओं द्वारा आयात प्रतिबंध भी लगाए गए हैं, जिनका कारण निर्माण प्रक्रियाओं में त्रुटियां और गुणवत्ता मानकों का उल्लंघन रहा है। इससे भारत की वैश्विक साख प्रभावित होती है और निर्यात संभावनाओं पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इसके अतिरिक्त, नकली दवाओं का बढ़ता बाजार भी एक गंभीर समस्या के रूप में उभर रहा है। यह न केवल उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य के लिए खतरा है, बल्कि औषधि उद्योग की विश्वसनीयता को भी कमजोर करता है। मूल्य नियंत्रण नीतियों के कारण कंपनियों की लाभप्रदता सीमित होती है, जिससे वे अनुसंधान एवं विकास में पर्याप्त निवेश नहीं कर पातीं और मुख्यतः जेनेरिक उत्पादन तक ही सीमित रह जाती हैं।

अनुसंधान एवं विकास में निवेश की कमी भारतीय औषधि क्षेत्र की एक बड़ी कमजोरी है। जहां वैश्विक औषधि कंपनियां अपने राजस्व का बड़ा हिस्सा अनुसंधान पर खर्च करती हैं, वहीं भारत में यह अनुपात अपेक्षाकृत कम है। इसका परिणाम यह है कि भारत नवाचार आधारित दवाओं, जैविक औषधियों और व्यक्तिगत चिकित्सा जैसे उभरते क्षेत्रों में पीछे रह जाता है। भविष्य में इन क्षेत्रों का महत्व तेजी से बढ़ने वाला है, और यदि भारत ने समय रहते इस दिशा में निवेश नहीं बढ़ाया, तो वह वैश्विक प्रतिस्पर्धा में पिछड़ सकता है।

कौशल विकास की कमी भी एक महत्वपूर्ण बाधा के रूप में सामने आती है। आधुनिक औषधि निर्माण, जैव प्रौद्योगिकी तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित अनुसंधान के लिए प्रशिक्षित मानव संसाधन की आवश्यकता है, जो वर्तमान में पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध नहीं है। शिक्षा संस्थानों और उद्योग के बीच समुचित समन्वय के अभाव में छात्रों को व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त नहीं हो पाता, जिससे नवाचार की गति प्रभावित होती है।

पर्यावरणीय चुनौतियां भी इस क्षेत्र को प्रभावित कर रही हैं। औषधि निर्माण प्रक्रिया ऊर्जा-गहन और प्रदूषणकारी होती है, जिसके कारण पर्यावरणीय मानकों का पालन करना महंगा पड़ता है। इससे उत्पादन लागत बढ़ती है और प्रतिस्पर्धात्मकता घटती है। साथ ही, डिजिटल प्रौद्योगिकी के सीमित उपयोग के कारण आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन और गुणवत्ता निगरानी में भी बाधाएं उत्पन्न होती हैं।

इन चुनौतियों से निपटने के लिए एक समग्र, संतुलित और दीर्घकालिक रणनीति अपनाना आवश्यक है। सबसे पहले, घरेलू स्तर पर सक्रिय औषधीय संघटकों के उत्पादन को बढ़ावा देना होगा। इसके लिए उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजनाओं का विस्तार तथा औद्योगिक क्लस्टरों का विकास किया जाना चाहिए। छोटे और मध्यम उद्योगों को प्रोत्साहित करके उन्हें इस क्षेत्र में सक्रिय भागीदारी के लिए सक्षम बनाना होगा।

दूसरा, अनुसंधान एवं विकास को प्राथमिकता देते हुए सरकार को कर प्रोत्साहन बढ़ाने और सार्वजनिक-निजी भागीदारी को मजबूत करने की दिशा में ठोस कदम उठाने होंगे। कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन लर्निंग जैसी आधुनिक तकनीकों के उपयोग से औषधि खोज प्रक्रिया को अधिक तेज और प्रभावी बनाया जा सकता है।

तीसरा, नियामक सुधारों को लागू करना अत्यंत आवश्यक है। औषधि नियंत्रण संस्थाओं को अधिक संसाधन, तकनीकी क्षमता और स्वायत्तता प्रदान करनी होगी। डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से गुणवत्ता निगरानी और पारदर्शिता सुनिश्चित की जानी चाहिए।

कौशल विकास के क्षेत्र में भी विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। शिक्षा संस्थानों और उद्योग के बीच बेहतर तालमेल स्थापित कर व्यावहारिक प्रशिक्षण को बढ़ावा देना होगा, ताकि एक सक्षम और नवाचारी कार्यबल तैयार किया जा सके।

पर्यावरणीय स्थिरता के लिए हरित प्रौद्योगिकियों को अपनाना भी अनिवार्य है। इससे न केवल पर्यावरण की सुरक्षा सुनिश्चित होगी, बल्कि उत्पादन लागत में कमी और प्रतिस्पर्धात्मकता में वृद्धि भी संभव होगी।

अंततः, भारत को अपनी भूमिका को केवल सस्ती दवाओं के आपूर्तिकर्ता तक सीमित नहीं रखना चाहिए, बल्कि नवाचार आधारित औषधियों, जैविक उत्पादों और व्यक्तिगत चिकित्सा के क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व स्थापित करने की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। इसके लिए स्पष्ट दृष्टि, सुदृढ़ नीतिगत समर्थन और निरंतर निवेश आवश्यक है। यदि भारत इन चुनौतियों का सफलतापूर्वक समाधान करता है, तो वह न केवल आत्मनिर्भरता को सुदृढ़ करेगा, बल्कि वैश्विक औषधि परिदृश्य में एक अग्रणी शक्ति के रूप में उभरेगा।

**— डॉ. प्रियंका सौरभ**

# भाजपा कार्यकर्ता राष्ट्र सर्वोपरि की भावना के साथ कार्य कर रहे हैं

## आदर्श कार्यकर्ता बनाने के लिए पंच निष्ठाएं महत्वपूर्ण हैं- अजय जामवाल

**देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** भारतीय जनता पार्टी के क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल ने रविवार को पं. दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान-2026 के तहत देवास में देवास विधानसभा के पांचों मंडलों के प्रशिक्षण वर्ग के शुभारंभ सत्र को संयुक्त रूप से संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा केवल एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि एक विचार आधारित संगठन है। भाजपा का मूल उद्देश्य राष्ट्र सेवा और समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास को पहुंचाना है। भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानते हुए कार्य करता है और यही उसकी सबसे बड़ी पहचान है। उन्होंने पंच निष्ठाएं और पंच परिवर्तन को कार्यकर्ता जीवन का आधार बताते हुए कहा कि प्रत्येक भाजपा कार्यकर्ता को इन सिद्धांतों को अपने जीवन में आत्मसात करना चाहिए।

सशक्त कार्यकर्ता ही सशक्त संगठन की नींव- भाजपा के क्षेत्रीय संगठन महामंत्री श्री अजय जामवाल ने कहा कि भाजपा की पंच निष्ठाएं कार्यकर्ता के चरित्र और उसके कार्य की दिशा तय करती हैं। कार्यकर्ता के मन में राष्ट्र सर्वोपरि की भावना होना अनिवार्य है, यही राष्ट्र निष्ठा का मूल है। पार्टी की विचारधारा के प्रति अटूट विश्वास रखना विचार निष्ठा का आधार है। संगठन के निर्णयों और अनुशासन का पूर्ण पालन करना संगठन निष्ठा को सुदृढ़ करता है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता के व्यक्तिगत जीवन में शुचिता, ईमानदारी और नैतिकता का होना आवश्यक है, जो उसकी आचरण निष्ठा को दर्शाता है। समाज के अंतिम व्यक्ति के अंतिम व्यक्ति की सेवा के लिए सदैव तत्पर रहना सेवा निष्ठा का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि ये पंच निष्ठाएं ही एक साधारण कार्यकर्ता को आदर्श कार्यकर्ता में परिवर्तित करती हैं और संगठन की मजबूती का आधार बनती हैं।

प्रशिक्षण से सशक्त होकर समाज में भूमिका निभाता है कार्यकर्ता- भाजपा के क्षेत्रीय संगठन महामंत्री श्री अजय जामवाल ने कहा कि भाजपा का कार्यकर्ता केवल चुनाव के समय ही सक्रिय नहीं रहते हैं, बल्कि वह समाज के हर क्षेत्र में सेवा और समर्पण के साथ कार्य करते हैं। सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण की भावना के साथ कार्य करना ही भाजपा की पहचान है। इसी के माध्यम से कार्यकर्ता समाज में विश्वास और विश्वसनीयता स्थापित करता है। पंच निष्ठाएं जहां कार्यकर्ता के व्यक्तित्व और चरित्र का निर्माण करती हैं, वहीं पंच परिवर्तन समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का माध्यम बनते हैं। इन दोनों के समन्वय से ही एक आदर्श कार्यकर्ता का निर्माण संभव है, जो समाज और राष्ट्र के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रशिक्षण वर्ग कार्यकर्ताओं को वैचारिक रूप से सुदृढ़ बनाने के साथ-साथ उन्हें संगठन की कार्यपद्धति से परिचित कराते हैं। इससे कार्यकर्ता अपने दायित्वों का बेहतर निर्वहन कर पाता है और समाज में एक आदर्श भूमिका निभाता है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा जिला अध्यक्ष रायसिंह सेंधव ने कहा कि प्रशिक्षण महाअभियान कार्यकर्ताओं के वैचारिक, संगठनात्मक एवं नेतृत्व विकास का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने कहा कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता पार्टी की रीति-नीति और सिद्धांतों को जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, इसलिए इस प्रकार के प्रशिक्षण वर्ग आवश्यक है।

देवास विधायक गायत्री राजे पवार ने अपने संबोधन में कहा कि संगठन की मजबूती कार्यकर्ताओं के सतत प्रशिक्षण और समर्पण से ही संभव है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे समाज के हर वर्ग तक पहुंचकर सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाएं।

इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष रायसिंह सेंधव, देवास विधायक गायत्री राजे पवार,जिला प्रभारी धनंजय शर्मा, प्रशिक्षण वर्ग के संभाग प्रभारी राजीव खंडेलवाल, महापौर श्रीमती गीता दुर्गेश अग्रवाल, निगम सभापति रवि जैन, पूर्व जिला अध्यक्ष बहादुर मुकाती, ओम जोशी, नवीन सोलंकी, मंडल अध्यक्षगण शुभम चौहान, सुरेश सिसोदिया, मधु शर्मा , देवेंद्र नवगोत्री, अतुल शर्मा,सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

उक्त जानकारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी कमल अहिरवार ने दी।

# प्रदेश संगठन मंत्री के जन्मदिन पर लगाया रक्तदान शिविर

**शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड।** करणी सेना परिवार प्रदेश संगठन मंत्री अजीतसिंह खड़ी डोडिया के जन्मदिन के उपलक्ष्य में जिला अध्यक्ष सोनू बना सापखेड़ा के नेतृत्व में रक्तदान शिविर का आयोजन शासकीय जिला अस्पताल में किया गया, जिसमें करणी सैनिकों सहित नगरवासियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। मीडिया प्रभारी रोहितसिंह राजपूत ने बताया कि निरंतर पांच वर्ष रक्तदान करने के संकल्प के साथ रक्तदान करने का लक्ष्य को लेकर करणी सेना परिवार ने लगातार दूसरे वर्ष भी 105 यूनिट रक्तदान का शिविर लगाकर रक्तदान करने का निर्णय किया गया। पिछले प्रथम वर्ष 101 यूनिट रक्तदान करने का लक्ष्य रखा गया था जिसमें 117 यूनिट रक्तदान प्राप्त हुआ था। इसके पूर्व शिविर का शुभारंभ पुलिस अधीक्षक यशपालसिंह राजपूत द्वारा फीता काटकर किया गया। कार्यक्रम में एडिशनल एसपी घनश्याम मालवीय भी पहुंचे और उन्होंने भी रक्तदाताओं का उत्साह बढ़ाया। एडिशनल एसपी मालवीय ने जन्मदिन के मौके पर रक्तदान की पहल को सराहा और कहा कि रक्तदान से बढ़कर कोई सेवा नहीं है। सबको समय-समय पर रक्तदान करना चाहिए। इस मौके पर करणी सेना परिवार के जिला अध्यक्ष सोनू बना सांप खेड़ा भी मौजूद रहे और उनकी टीम ने रक्तदान शिविर की सभी व्यवस्थाएं संभाल रखी हैं। साथ ही पुलिस अधीक्षक श्री राजपूत का शाजापुर जिले में सफलता पूर्वक तीन वर्ष पूर्ण होने पर करणी सेना परिवार के अजीत सिंह खड़ी डोडिया द्वारा साफा बांधकर मिठाई खिलाकर पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया।

# दादावाड़ी के जीर्णोद्धार की 12वीं वर्षगांठ पर चल समारोह

**शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड।** नगर के ओसवालसेरी स्थित प्राचीन दादावाड़ी के जीर्णोद्धार की 12वीं वर्षगांठ रविवार को पूरे उत्साह के साथ मनाई गई। इस खास मौके पर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई और मंदिर के शिखर पर धर्म ध्वजा फहराई गई।

इस दिन प्रातः 9 बजे जैन उपाश्रय से चल समारोह (वरघोड़ा) शुरू हुआ। यह जुलूस आजाद चौक, सोमवारिया बाजार, नागनागिनी रोड, टॉकीज चौराहा और नई सड़क जैसे मुख्य इलाकों से होता हुआ वापस उपाश्रय पहुंचा। रास्ते भर विभिन्न संगठनों ने लाभार्थी परिवार के सदस्यों का जोरदार स्वागत किया। चल समारोह के समापन के बाद सुबह सवा दस बजे दादा गुरुदेव की विशेष महापूजा शुरू हुई। इसके बाद शुभ विजय मुहूर्त में भंसाली परिवार के सदस्यों ने जयकारों के बीच दादावाड़ी के शिखर पर नई धर्म ध्वजा फहराई। लाभार्थी सचिन भंसाली ने बताया कि यह आयोजन आचार्य भगवंत श्रीजिनमणिप्रभ सूरीश्वरजी और जैन साध्वी श्रीशशिप्रभाश्रीजी की प्रेरणा से किया गया। साल 2014 में इसी दादावाड़ी का जीर्णोद्धार हुआ था, जिसकी याद में हर साल यह उत्सव मनाया जाता है। इस दौरान बड़ी संख्या में समाज के लोग दर्शन के लिए उमड़े।

# मंदिरों की जमीनो पर अब नहीं कर सकेंगे कब्जा

## लगेंगे शासकीय बोर्ड, कलेक्टर ने जारी किए सख्त आदेश, एसडीएम-तहसीलदार निरीक्षण कर देंगे रिपोर्ट

**शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड।** जिले में देवस्थान संपत्तियों की सुरक्षा एवं अतिक्रमण पर प्रभावी रोक लगाने के उद्देश्य से कलेक्टर द्वारा बड़ा प्रशासनिक कदम उठाया गया है। कलेक्टर ऋजु बाफना द्वारा जारी आदेश में जिले के सभी माफी/औकाफ देवस्थानों की भूमि एवं भवनों पर अनिवार्य रूप से शासकीय सूचना पट्ट (बोर्ड) स्थापित करने के निर्देश दिए गए है।

कलेक्टर द्वारा 26 मार्च 2026 को जिले के समस्त अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं तहसीलदारों को जारी किए आदेश में स्पष्ट उल्लेख किया कि यह आदेश आयुक्त, औकाफ शाखा ग्वालियर के आदेश क्रमांक/व्य./औकाफ/1/2010/438, दिनांक 22 अप्रेल 2010 के अनुपालन में जारी किया गया है। आदेश के अनुसार प्रत्येक देवस्थान पर लगाए जाने वाले बोर्ड में स्पष्ट रूप से अंकित किया जाएगा कि संबंधित देवस्थान मध्यप्रदेश शासन के धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग, औकाफ बोर्ड ग्वालियर द्वारा नियंत्रित है तथा उसका प्रबंधन कलेक्टर द्वारा किया जा रहा है। कलेक्टर ने जिले के समस्त अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं तहसीलदारों को निर्देशित किया है कि वे अपने-अपने क्षेत्र में स्थित देवस्थानों का स्थल निरीक्षण कर निर्धारित प्रारूप में बोर्ड स्थापित कराना सुनिश्चित करें तथा कार्यवाही का प्रतिवेदन अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करें।

प्रबंधक - कलेक्टर, जिला शाजापुर लिखना होगा अनिवार्य- जारी आदेश में यह बताया गया कि सभी माफी/औकाफ के देवस्थान भवनों/भूमि पर लगाए जाने वाले बोर्ड पर इस तरह का विवरण अंकित किया जाना अनिवार्य है... 'मध्यप्रदेश शासन धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग औकाफ बोर्ड ग्वालियर द्वारा नियंत्रित देवस्थान'। इसके नीचे देव स्थान का नाम एवं इसके नीचे प्रबंधक - कलेक्टर जिला शाजापुर-मध्यप्रदेश लिखना अनिवार्य किया गया है।

देवस्थानों-संपत्तियों की पहचान होगी आसान- कई मामलों में मंदिरों की संपत्तियां, भवन एवं कृषि भूमि पर अवैध कब्जे कर लिए जाते है। कुछ स्थानों पर पुजारी अथवा उनके वारिस इन संपत्तियों को निजी संपत्ति बताने लगते है। ऐसे मामलों पर अंकुश लगाने के लिए यह आदेश महत्वपूर्ण माना जा रहा है। प्रशासन का मत है कि इस निर्णय से देवस्थान संपत्तियों की स्पष्ट पहचान स्थापित होगी और अवैध कब्जों पर प्रभावी नियंत्रण लगेगा। आदेश के बाद प्रशासनिक अमले में सक्रियता बढ़ गई है और जल्द ही जिलेभर में देवस्थानों पर शासकीय बोर्ड नजर आने लगेंगे।

# फंदे पर झूलता मिला पेट्रोल पंप मैनेजर का शव

**शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** पोलायकलां सुंदरसी रोड पर इंडियन पेट्रोल पंप के मैनेजर धर्मेंद्र बामनिया (35) का शव फंदे पर झूलता मिला। यह घटना रविवार सुबह सामने आई, जब कर्मचारियों ने उन्हें पंप के पास बने कमरे में फंदे से लटका पाया।

जानकारी के अनुसार धर्मेंद्र पिता गंगाराम बामनिया निवासी खड़ी का शव पेट्रोल पंप के पास बने कमरे में पंखे से रस्सी के सहारे झूलता मिला। सुबह जब कर्मचारी पेट्रोल पंप पर पहुंचे तो उन्होंने कमरे के अंदर धर्मेंद्र का शव पंखे से लटका देखा। कर्मचारियों ने तुरंत इसकी सूचना पोलायकला चौकी पर दी। पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा बनाकर शव को फंदे से उतारा। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। पुलिस ने बताया कि मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है, जिससे आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल पाया है। पुलिस पूरे मामले की गहनता से जांच कर रही है।

सीसीटीवी फुटेज देखने पर अड़े रहे परिजन

धर्मेंद्र के परिवार में उनकी पत्नी और दो बच्चे हैं। घटना की जानकारी मिलने पर परिजन मौके पर पहुंचे। परिजन सीसीटीवी फुटेज चेक करने की मांग पर अड़े रहे। उनका कहना है कि जब तक सीसीटीवी फुटेज नहीं देखेंगे तब तक शव का पोस्टमार्टम नहीं करने देंगे। पुलिस परिजनों को समझाने की कोशिश की और उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। इसके बाद पीएम कर शव परिजनों को सौंप दिया गया।

# बिजली कंपनी आज भी करेगी मेंटेनेंस, 4 घंटे बंद रहेगी बिजली

**शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड।** नगर सोमवार को प्री-मानसून मेंटेनेंस की वजह से बिजली सप्लाई बाधित रहेगी। 33/11 केवी मुरादपुरा उपकेंद्र से संचालित होने वाला 11 केवी नई सड़क फीडर सुबह 7 बजे से 11 बजे तक बंद रहेगा। इस दौरान शहर के कई प्रमुख क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति प्रभावित होगी। इनमें छोटा चौक, बड़ा चौक, सराफा बाजार, तेलीवाड़ा, कुरैशी मोहल्ला, पोरवाल धर्मशाला, कसेरा बाजार, मनिहारवाड़ी, शरद नगर, नई सड़क, नीलम लाज, सोमवारिया बाजार, भोईवाड़ा, मीरकला बाजार, भंसाली मोहल्ला, नीमबाड़ी और भट्ट मोहल्ला शामिल हैं। कंपनी ने उपभोक्ताओं से इस अस्थायी असुविधा के लिए सहयोग की अपील की है। नागरिकों को सलाह दी गई है कि वे निर्धारित समय में अपने आवश्यक कार्य पहले ही निपटा लें। विभाग ने इस असुविधा के लिए खेद व्यक्त किया है।

# भाजपा नगर मंडल की बैठक आयोजित

**शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड।** भारतीय जनता पार्टी की स्थापना दिवस को लेकर भाजपा नगर मंडल के पदाधिकारी पार्षदगणों की बैठक का आयोजन किया गयाय। बैठक में 6 अप्रैल को प्रत्येक बूथ पर भाजपा का स्थापना दिवस मनाए जाने को लेकर चर्चा की गई। वरिष्ठ पदाधिकारियों ने बताया कि प्रत्येक कार्यकर्ता को अपने घर पर भाजपा का ध्वज लगाकर फोटो अपलोड करना है तथा शक्ति केंद्र स्तर पर स्वच्छता अभियान चलाकर वरिष्ठों का सम्मान किया जाना है। वहीं 14 अप्रैल को बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती पर भी कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। बैठक में मुख्य अतिथि विधानसभा प्रभारी जिला उपाध्यक्ष शीतल भावसार थे तथा अध्यक्षता भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष पं. आशीष नागर ने की। इस अवसर पर विशेष अतिथि के रूप में जिला कोषाध्यक्ष किरण ठाकुर, जिला मीडिया प्रभारी संजय शिवहरे, जिला मंत्री आशुतोष श्रीवास्तव, सोनू सोलंकी सहित नगर मंडल के समस्त पदाधिकारीगण एवं नगर पालिका परिषद के समस्त पार्षद गण उपस्थित थे। संचालन महामंत्री विकास सिन्दल ने किया तथा आभार नगर उपाध्यक्ष बालकृष्ण यादव ने माना।

# सच्चा भक्त कभी सत्य के मार्ग से विचलित नहीं होता - संत प्रभावती जी

## मानव उत्थान सेवा समिति आश्रम में आयोजित साप्ताहिक सत्संग में श्री सतपालजी महाराज की शिष्या ने कहा

**देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** सद्गुरु के प्रति श्रद्धा और विश्वास जीवन की दशा और दिशा दोनों बदल देती है। जो गुरु के बताएं मार्ग पर चलता है वही ईश्वर की कृपा प्राप्त कर सकता है। श्रीमद् भागवत जहां होती है, वहां तीर्थो का कुंभ होता है। भागवत में सत् चित् आनंद के दर्शन है। ये सत्संग विचार बालाजी नगर स्थित मानव धर्म मंदिर में आयोजित साप्ताहिक सत्संग के दौरान श्री सतपाल जी महाराज की शिष्या प्रभावती जी ने कही। उन्होंने कहा कि संसार की बातें आपको बिखेरती और सत्संग की चर्चा आपको निखारती है। आप जितनी बार सत्संग सुनेंगे उतना ही भक्ति के रस का आनंद प्राप्त करोगे। सत्संग एक ऐसा अमृत है जो सिर्फ मनुष्य को मिल सकता है। तप से ईश्वर की भक्ति मिलती है, सुविधा से नहीं। सुविधा को प्राप्त करने वाला स्वार्थी होता है। बड़ी संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं संबोधित करते हुए साध्वी जी ने भजन - हो चाकर राख लो सतगुरुजी थारो बहुत बड़ो दरबार चाकर राख लो.... की मधुर प्रस्तुति पर उपस्थित गुरु भक्त झूम उठे। संतश्री ने कहा भगवान आनंद के समुद्र और सुख की राशि है। इसलिए जो भक्त उनका सुमिरन,स्मरण और ध्यान करता है, उसके हृदय और आत्मा में प्रभु आनंद के रूप में प्रकट होते हैं। यही कारण है कि सच्चा भगवत भक्त सदैव आनंदित और प्रफुल्लित रहता है। भगवान करुणा सिंधु है, इसलिए वह भक्त के हृदय में करुणा के रूप में प्रकट होते हैं। वे प्रेम के सागर हैं, वे भक्त के भीतर प्रेम के रूप में प्रकट होते हैं। वे ज्ञान स्वरूप है, इसलिए भक्त के हृदय में ज्ञान के रूप में उदित होते हैं। ज्ञान के प्रकट होते ही उसे नित्य-अनित्य, सत्य-असत्य का बोध होने लगता है। तब उसके हृदय में समस्त जीवों के प्रति करुणा और प्रेम की भावना विकसित होती है। वह प्रत्येक जीव में भगवान के स्वरूप का दर्शन करता है और जीव सेवा को ईश्वर सेवा मानता है। ऐसी अवस्था में वह संपूर्ण ब्रह्मांड को परमात्मा की साकार अभिव्यक्ति के रूप में देखने लगता है। वह अपने कर्तव्यों के माध्यम से इस विराट रूप की उपासना करता है। भगवान भक्त के हृदय में सत्य के रूप में प्रकट होते हैं, इसलिए सच्चा भक्त कभी सत्य के मार्ग से विचलित नहीं होता और धर्म का परित्याग नहीं करता। उसे यह दृढ़ विश्वास हो होता है की सत्य ही ईश्वर है।

एक भक्त भौतिक जीवन को सफलता पूर्वक जीते हुए अंततः जीवन के परम लक्ष्य-मोक्ष और मुक्ति को प्राप्त करने में समर्थ होता है। इस मौके पर उपस्थित संत प्रेमा बाई ने गुरु महिमा ज्ञान-भक्ति, वैराग्य से ओतप्रोत मधुर भजनों के साथ आत्म कल्याणकारी सत्संग विचार रखें।

विश्व शांति की प्रार्थना, आरती प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया। समिति की ओर से माता राजराजेश्वरी जयंती के अवसर पर शासकिय जिला अस्पताल में मरीज को फल वितरण किया गया व उनके बैठने की सुगम व्यवस्था हेतु ब्रेंच भेंट की गई। डॉ. सतीश उईके बाल शिशु रोग चिकित्सक ने समिति का आभार प्रकट किया।

# महिला एवं बाल विकास विभाग मंत्री ने खरडू बैराज निर्माण हेतु किया भूमि पूजन

**झाबुआ/दैनिक मालवा हेराल्ड।** महिला एवं बाल विकास विभाग मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया द्वारा आज ग्राम खरडू छोटी में बैराज निर्माण कार्य का भूमि पूजन विधिवत रूप से किया गया। जल संसाधन विभाग द्वारा 465.45 लाख की लागत से निर्मित होने वाली यह महत्वपूर्ण सिंचाई परियोजना पूर्ण होने पर लगभग 280 हेक्टेयर कृषि भूमि को सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराएगी। इससे न केवल क्षेत्र में कृषि उत्पादन में वृद्धि होगी, बल्कि किसानों को वर्षभर खेती करने में सहूलियत मिलेगी और उनकी आय में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी होगी। मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने अपने संबोधन में कहा कि राज्य शासन द्वारा वर्ष 2026 को कृषि कल्याण वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है, जिसके अंतर्गत किसानों की आय वृद्धि, सिंचाई सुविधाओं के विस्तार एवं कृषि आधारित गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों के कल्याण एवं ग्रामीण विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। सिंचाई सुविधाओं का विस्तार ही कृषि समृद्धि का आधार है और सरकार द्वारा ऐसे कई कार्य किए जा रहे हैं, जिससे किसानों को प्राकृतिक परिस्थितियों पर निर्भर न रहना पड़े। उन्होंने यह भी कहा कि यह बैराज निर्माण कार्य क्षेत्र में जल संरक्षण को बढ़ावा देगा, भूजल स्तर में सुधार लाएगा तथा भविष्य में जल की उपलब्धता सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। मंत्री ने उपस्थित किसानों से संवाद करते हुए शासन की योजनाओं का अधिकतम लाभ लेने का आह्वान किया तथा आश्वस्त किया कि क्षेत्र के समग्र विकास के लिए सरकार निरंतर प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर सरपंच श्रीमती सविता अमनसिंह मेड़ा, मंडल अध्यक्ष श्री राजेश पारगी, जिला पंचायत सदस्य श्री वालसिंह मसानिया, श्री चीतु सिंह मेड़ा, श्री ओकार सिंह डामोर एवं श्री दिलीप डावर सहित जनप्रतिनिधि एवं कार्यपालन यंत्री जल संसाधन विभाग श्री विपिन पाटीदार , अन्य अधिकारी कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

# ई-उर्वरक विततरण प्रणाली से उर्वरक वितरण नही करने वाले 11 विक्रेताओं पर की गई कार्यवाही

**सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड।** कृषि विभाग द्वारा 01 एवं 02 अप्रैल के बीच ई-विकास पोर्टल के माध्यम से उर्वरक विक्रय नही करने वाले जिले के 11 विक्रेताओं पर कार्यवाही की गई है। इसमें 09 उर्वरक विक्रेताओं को कारण बताओं जारी कर 02 उर्वरक विक्रेताओं के लायसेंस निलंबित किये गये है। उल्लेखनीय है कि शासन के निर्देशानुसार किसानों को सुगम उर्वरक वितरण के लिए प्रदेश के साथ ही जिले में ई-उर्वरक विततरण प्रणाली लागू हो चुकी है। शासन द्वारा यह निर्देश दिए गए हैं कि उर्वरक का वितरण ई-विकास पोर्टल के माध्यम से ही किया जाए। कृषि विभाग द्वारा जिले के सभी उर्वरक विक्रेताओं को पुन÷ सूचित किया गया हैं कि किसी भी परिस्थिति में ई-विकास प्रणाली से बाहर उर्वरक विक्रय न करें। यदि कोई उर्वरक विक्रेता सूचना के उपरांत भी ई-विकास प्रणाली से बाहर उर्वरक विक्रय करता पाया गया तो उसके विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जायेगी।

# रायसेन में 11 से 13 अप्रैल तक लगेगा राष्ट्रीय स्तर का 'उन्नत कृषि मेला' खेती की आधुनिक पद्धतियों और तकनीकों के प्रदर्शन के साथ दिया जाएगा प्रशिक्षण

**रायसेन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** जिला मुख्यालय रायसेन स्थित दशहरा मैदान में केन्द्र और प्रदेश सरकार के कृषि विभाग द्वारा संयुक्त रूप से 11 से 13 अप्रैल 2026 तक राष्ट्रीय स्तर के तीन दिवसीय उन्नत कृषि महोत्सव (प्रदर्शनी एवं प्रशिक्षण) का आयोजन किया जा रहा है। प्रदर्शनी का शुभारंभ 10 अप्रैल को शाम 05 बजे होगा। केन्द्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को रायसेन स्थित दशहरा मैदान पहुंचकर कार्यक्रम की तैयारियों का निरीक्षण और समीक्षा करते हुए अधिकारियों को विस्तृत दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर सांची विधायक डॉ प्रभुराम चौधरी, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री यशवंत मीणा, विदिशा विधायक श्री मुकेश टंडन, पूर्व कैबीनेट मंत्री श्री रामपाल सिंह, केन्द्रीय कृषि विभाग के निदेशक (किसान कल्याण एवं विस्तार) श्री अविनाश लावनिया, कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा, एसपी श्री आशुतोष गुप्ता, जिला पंचायत सीईओ श्री कमल सोलंकी, श्री राकेश शर्मा एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

केन्द्रीय कृषि मंत्री श्री चौहान ने कहा कि इस तीन दिवसीय उन्नत कृषि मेले का शुभारंभ 11 अप्रैल को केन्द्रीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह तथा मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव द्वारा किया जाएगा। उन्होंने इस आयोजन की रूपरेखा और उद्देश्यों पर चर्चा करते हुए केन्द्रीय मंत्री श्री चौहान ने कहा कि इसका उद्देश्य किसानों को आधुनिक तकनीकों, उन्नत बीजों, नई कृषि पद्धतियों और सरकारी योजनाओं की जानकारी देना है। इसके सफल और प्रभावी आयोजन हेतु जरूरी है कि इसमें अधिक से अधिक किसानों की सहभागिता हो, इसके लिए इस आयोजन का विभिन्न माध्यमों से व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए।

# माहेश्वरी जिला सभा द्वारा समाज की विभुतियों एवं शासन द्वारा नियुक्त एल्डरमेनों का सम्मान

**देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** महेश नवमी महोत्सव 2025 के अंतर्गत आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के पुरस्कार वितरण समारोह का भव्य आयोजन देवास जिले के लकुमड़ी गांव में शनिमंदिर धाम में किया गया। जिला माहेश्वरी सभा के मीडिया प्रभारी राजेंद्र मूंदड़ा ने जानकारी देते हुए बताया कि महोत्सव के दौरान प्रभात फेरी/शोभायात्रा, भगवान महेश का अभिषेक, महेश वंदना एवं रंगोली जैसी चार प्रमुख प्रतियोगिताएं आयोजित की गई थीं, जिनके विजेताओं को लगभग 81 हजार रुपये की राशि के पुरस्कार वितरित किए गए।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि इंदौर की डिप्टी कलेक्टर पूर्णिमा सिगी रहीं, जबकि अध्यक्षता समाजसेवी एवं उद्योगपति रमेशचंद्र चितलांगिया ने की। विशेष अतिथि के रूप में प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य बनवारी लाल लखोटिया उपस्थित रहे। मंच पर जिला अध्यक्ष कैलाश डागा, महामंत्री प्रकाश मंत्री, पूर्व जिला अध्यक्ष राजेंद्र ईनाणी, मुरलीधर मानधन्या, मनोज होलानी एवं नरेंद्र छापरवाल भी मौजूद थे। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया।

कार्यक्रम के आयोजक एवं आतिथ्यकर्ता रामगोपाल चांडक एवं मनीष चांडक रहे। उल्लेखनीय है कि छोटे से गांव लकुमड़ी में माहेश्वरी समाज का केवल एक ही परिवार निवास करता है, जिसके बावजूद चांडक परिवार ने पूरे आयोजन की मेजबानी उत्साहपूर्वक की।

कार्यक्रम की शुरुआत महेश वंदना से हुई, जिसकी प्रस्तुति माधवी चांडक, कीर्ति चांडक एवं पूजा चांडक ने दी। स्वागत गीत अनन्या चांडक, स्तुति चांडक एवं रूही चांडक द्वारा प्रस्तुत किया गया। स्वागत भाषण मधुसूदन चांडक ने दिया। इस अवसर पर आसपास के क्षेत्र के 9 बुजुर्ग समाजसेवियों का शाल, श्रीफल एवं सम्मान पत्र देकर सम्मान किया गया। साथ ही एल्डरमैन पद पर नियुक्त डॉ. मोहन कोठारी एवं प्रदीप मंत्री का भी स्वागत किया गया। लकुड़िया स्थित प्राचीन शनि मंदिर समिति द्वारा सभी अतिथियों का साफा बांधकर सम्मान किया गया।

# सांसद फिरोजिया से भेंट कर लंबित पड़ी मांगो को पूरा करने का अनुरोध किया

**हिसार-कोटा ट्रेन की नागदा - उज्जैन एव खादु श्याम प्रेमीयों को जल्द मिलेगी सोगात सांसद द्वारा दिया पुरा आश्वासन**

**नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** सामाजिक कार्यकर्ता राजेश सकलेचा भाईजी एव दिपक जैन ने शनिवार को क्षेत्रीय सांसद श्री अनिल फिरोजिया से भेंट कर मालवा क्षेत्र के रेल यात्रियो की सुविधाओं हेतु चर्चा की। साथ ही उन्हे बताया कि हिसार-कोटा ट्रेन जो कि कोटा में लगभग 11 धंटे खड़ी रहती है, इसको उज्जैन नागदा तक बढ़ाया जाय एवं नई ट्रेन लक्ष्मीबाईनगर-श्री गंगानगर जो कि फतियाबाद रतलाम रूट पर चलाई जा रही है उसे उज्जेन-नागदा होकर चलाने हेतु रेल मंत्रालय से अनुरोध करने की मांग के साथ ही अन्य मांगो पर चर्चा की।

सांसद को दिया पत्र - पिछले कई वर्षो से राजेश सकलेचा द्वारा एक अभियान चलाकर हिसार कोटा ट्रेन को उज्जैन तक बढ़ाने हेतु डीआरएम एवं रेल मंत्रालय को पत्र लिखे गये जिन पर रेल मंत्रालय द्वारा कार्यवाही नहीं किये जाने से रेल यात्रियों को बहुत असुविधा का सामना करना पड रहा है साथ रेल मंत्रालय द्वारा नागदा क्षेत्र की उपेक्षा करते हुए नवीन ट्रेन का संचालन अन्य रूट पर किये जाने से खाटू श्याम भक्तो को सीधी ट्रेन से वंचित होना पड रहा है उक्त दोनो ट्रेनो के नागदा-उज्जैन रूट पर चलने से खाटू श्याम भक्तो को सुविधा मिलेगी जिसकी जानकारी पत्र द्वारा सांसद अनिल फिरोजिया को दी गई।

सकलेचा ने बताया कि हिसार कोटा ट्रेन को नागदा होते हुए उज्जैन तक बढ़ाने हेतु विगत करीबन 3 वर्षो से प्रयासरत हुँ उक्त ट्रेन हेतु कोटा मण्डल डीआरएम एवं रतलाम मण्डल डीआरएम से लगातार रूबरू चर्चा कर मांग की जा रही है।

अगर हिसार कोटा ट्रेन उज्जैन तक चलाई जाती है तो यह ट्रेन व्यापारी एव नोकरीपेशा लोगो के लिये कही ना कही वरदान साबित होगी इससे कई शहरो के यात्रियो को तो लाभ होगा ही साथ कनेक्टिविटि भी बेहतर हो जायेगी एव रेलवे की आय भी बढेगी

नई ट्रेन का रूट परिवर्तन हो - इसी प्रकार रेल्वे द्वारा चलाई गई नई ट्रेन का रूट परिवर्तन किया आवश्यक है जिससे उज्जैन-नागदा क्षेत्रवासियो को खाटूश्याम के लिये सीधी ट्रेन सुविधा मिल सकेगी।

सकलेचा ने बताया कि मेंरे द्वारा विगत 15 वर्षो से रेल यात्रियो की सुविधाओं के लिये प्रयासरत हु ताकि अधिक से अधिक ट्रेनो की सुविधा मिले।

सिहस्थ को देखते हुए शिघ्र मिले सोगात - आने वाले समय मे सिहस्थ आ रहा है निश्चित ही धर्मप्रेमी जनता का आवगमन बढ़ेगा इस हेतु इस ट्रेन की सोगात शिघ्र मिलना चाहिये

सांसद ने दिया आश्वासन - क्षेत्र के लोकप्रिय सांसद फिरोजिया ने आश्वासन दिया है कि शिघ्र ही उत्त ट्रेनो की सोगात नागदा उज्जेन नगरवासियो एव खाटु श्याम प्रेमीयो को जल्द ही मिलेगी।

## ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने द्वार-द्वार जाकर सुनी आमजन की समस्याएं

**ग्वालियर/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने रविवार को भी जनसंवाद कर स्थानीय बस्तियों की समस्यायें जानीं। साथ ही संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध कार्यक्रम के तहत समस्याओं का निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने वार्ड क्रमांक-5 स्थित अपनाघर कॉलोनी से जनसंवाद कार्यक्रम की शुरुआत की। इस दौरान मंत्री श्री तोमर ने द्वार-द्वार जाकर क्षेत्रवासियों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और मौके पर ही अधिकारियों को त्वरित समाधान के निर्देश दिए। भ्रमण के दौरान अपर आयुक्त श्री प्रदीप तोमर सहित निगम, विद्युत एवं प्रशासन के अधिकारी सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नगरीकरण उपस्थित रहे।

जनसंवाद के दौरान स्थानीय नागरिकों ने मंत्री श्री तोमर को सीवर, सड़क और स्ट्रीट लाइट से संबंधित समस्याओं से अवगत कराया। मंत्री श्री तोमर ने संबंधित अधिकारियों को आगाह किया कि साफ-सफाई और मूलभूत सुविधाओं में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अपनाघर कॉलोनी से शुरू हुआ मंत्री श्री तोमर का भ्रमण कार्यक्रम दामोदर बाग कॉलोनी तक चला। इस दौरान आनंद नगर क्षेत्र में महिलाओं ने साफ-सफाई व्यवस्था को और सुदृढ़ करने की आवश्यकता बताई। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने मौके पर मौजूद अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर जल्द से जल्द समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं का त्वरित निराकरण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

## केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने हितग्राही सम्मेलन में पेश किया विकास और जनकल्याण का संगम

**अशोक नगर/दैनिक मालवा हेराल्ड।** केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री तथा गुना सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया ने अशोकनगर विधानसभा के जनपद मैदान में आयोजित विशाल हितग्राही सम्मेलन में भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने हजारों हितग्राहियों से संवाद करते हुए उन्हें विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रदान किया।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में मातृशक्ति, युवा और ग्रामीणजन उपस्थित रहे, जिससे यह आयोजन जनविश्वास और सहभागिता का प्रतीक बन गया। इस दौरान उन्होंने 3 करोड़ से अधिक की परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया।

आवास, आजीविका और सम्मान का सशक्त आधार सम्मेलन को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री ने बताया कि वर्ष 2025 में जनपद पंचायत अशोकनगर अंतर्गत 7,317 प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत किए गए, जिनमें से 4,139 आवास पूर्ण हो चुके हैं, जबकि शेष आवास निर्माणाधीन हैं।

साथ ही मार्च 2026 में 5,534 नए आवास स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें से 1,733 हितग्राहियों को प्रथम किस्त जारी कर दी गई है। इस अवसर पर दीनदयाल अंत्योदय योजनाङ्कराष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत 8 स्व-सहायता समूहों को 27 लाख की सीसीएल राशि वितरित की गई, जिससे ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक सशक्तिकरण की नई दिशा मिलेगी। दिव्यांगजन सशक्तिकरण और जनसेवा की प्रतिबद्धता कार्यक्रम में दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण पर विशेष जोर देते हुए बताया गया कि अशोकनगर जिले में 1,456 दिव्यांगजनों को 5,172 सहायक उपकरण प्रदान किए जा चुके हैं।

## बड़नगर पुलिस की एम.ड़ी.ड्रग के खिलाफ पहली कार्यवाही

**36.58 ग्राम एम.डी. ड्रग्स के साथ आरोपी शेरु को किया गिरफ्तार**

**बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड।** थाना प्रभारी अशोक कुमार पाटीदार व टीम के द्वारा अवैध मादक पदार्थों की तस्करी करने वाला आरोपी पर लगातार कार्रवाई करते हुए उन्हें दबोच कर उन्हें सलाहों के पीछे भेजा जा रहा है। इसी क्रम बड़नगर पुलिस ने एम.ड़ी.ड्रग बेचने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से लगभग 36.58 ग्राम. एम.ड़ी.ड्रग कीमती 100000/- रूपये जप्त कर आरोपी को न्यायालय मे पेश कर पुलिस रिमाण्ड लिया जाकर एम.ड़ी.ड्रग के संबंध मे पुछताछ कि जावेगी ।

घटना का विवरण- पुलिस को 4 अप्रैल 2026 को मुखबीर ने सूचना दी थी कि रुणीजा रोड फोर लाइन ब्रिज के नीचे एक व्यक्ति जिसने चितकबरी लाईन वाली शर्ट व काले रंग का लोअर पहने यात्री प्रतिक्षालय के पास खड़ा है जिसके पास मादक पदार्थ हो सकता है जो किसी के आने का इंतजार कर रहा है। तत्काल थाना प्रभारी निरी.अशोक पाटीदार के निर्देशन मे उनि.सुरेन्द्रसिंह गरवाल तथा उनकी टीम द्वारा मुखबिर द्वारा बताये गये स्थान पर पहुचे जहां देखा तो मुखबिर के द्वारा बताये गये हुलिये के अनुसार एक व्यक्ति पुलिस को आता देख भागने का प्रयास करने लगा जिसे पुलिस द्वारा घेराबंदी कर पकड़ लिया गया । पुलिस द्वारा पूछताछ करने पर उसने अपना नाम शेरु हुसैन पिता इफ्तकार हुसैन उम्र 25 साल निवासी नटराज टॉकिज के पीछे बड़नगर का होना बताया संदेही की तलाशी लेते संदेही की लोअर की जेब से पारदर्शी पॉलीथीन मे भुरे रंग का अवैध मादक पदार्थ एम.डी.जैसा लग रहा है जिसे सुघने पर तीक्ष्ण गंध आ रही थी अनुभव के आधार पर अवैध मादक पदार्थ एम.डी. ही है। उक्त आरोपी से एम.डी. के बारे मे पुछने पर आरोपी द्वारा अवैध मादक पदार्थ एम.डी. रतलाम से लाना बताया आरोपी के कब्जे से 36.58 ग्राम एम.डी. ड्रग जप्त किया जिसकी कीमत 100000/-रुपये है उक्त प्रकरण मे थाना बड़नगर पर अपराध क्रमांक 185/2026 धारा 8/22 एनडीपीएस एक्ट का पंजीबद्ध किया जाकर विवेचना मे है। आरोपी के विरुद्ध पूर्व मे कोई अपराध पंजीबंद्ध नही है । आरोपी से एम.डी. ड्रग के संबंध मे पुछताछ की जा रही है। तथा अन्य आरोपीयो की तलाश की जा रही है

जप्ती का विवरण- शेरु हुसैन पिता इफ्तकार हुसैन उम्र 25 साल निवासी नटराज टॉकिज के पीछे बड़नगर- 36.58 ग्राम एम.डी. ड्रग जप्त किया जिसकी कीमत 100000/-रुपये

सराहनीय भूमिका- निरीक्षक अशोक कुमार पाटीदार , उनि.सुरेन्द्रसिंह गरवाल , प्र.आर.राहुलसिंह राठौर, प्र.आर.हेमराज खरे , आर.महेश मौर्य, आर.अजय चौहान, आर.नारायण सरा, आर.मनोज बैरागी , आर.रोहित मालवीय, आर.तोलाराम सै.अमरसिंह, सै.धर्मेन्द्र ड़ाबी, सै.गोवर्धन ड़ाबी, सै.राजेश धनेश्वर की सराहनीय भुमिका रहा ।

## शादी समारोह में चाकूबाजी, दो घायल- पांच आरोपी गिरफ्तार

**बड़ावदा/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** बड़ावदा क्षेत्र के बढ़िया गोयल गांव में एक शादी समारोह के दौरान चाकूबाजी की घटना सामने आई है। इस घटना में अर्जुन एवं विशाल नामक दो युवक घायल है, जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, शादी समारोह के दौरान किसी बात को लेकर विवाद हुआ, जो देखते ही देखते हिंसक झगड़े में बदल गया। इस दौरान आरोपियों ने धारदार चाकू से हमला कर दिया, जिससे अर्जुन और विशाल घायल हो गए।

पुलिस ने मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए पांच आरोपियों – आयुष, श्रवण, समरथ, राजेंद्र और सुनील – को गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही एक नाबालिग को भी हिरासत में लिया गया है। सभी आरोपियों को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल बना हुआ है, जबकि पुलिस स्थिति पर नजर बनाए हुए है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच जारी है और घटना के पीछे के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

## लोकतंत्र के चौथे स्तंभ की सुरक्षा के लिए लामबंद हुआ आर्यावर्त पत्रकार संघ

**बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** देश में पत्रकारों के खिलाफ बढ़ती हिंसा और दबाव की घटनाओं को देखते हुए आर्यावर्त पत्रकार संघ ने अब निर्णायक लड़ाई का बिगुल फूंक दिया है। इसी कड़ी में संघ के एक प्रतिनिधिमंडल ने मध्य प्रदेश के राज्यपाल मंगूभाई पटेल से विशेष भेंट की। इस मुलाकात का मुख्य उद्देश्य पत्रकारों की सुरक्षा और उनके कार्यक्षेत्र में आने वाली चुनौतियों से संवैधानिक प्रमुख को अवगत कराना था।

प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष धर्मेंद्र अग्निहोत्री ने राज्यपाल को सौंपे ज्ञापन में स्पष्ट किया कि आज का पत्रकार अत्यंत कठिन और जोखिम भरे माहौल में काम कर रहा है। उन्होंने पुरजोर मांग की कि मध्य प्रदेश सहित पूरे भारत में पत्रकार सुरक्षा कानून को सख्ती से लागू किया जाए।

अग्निहोत्री ने चर्चा के दौरान कहा, जब तक पत्रकारों को कानूनी कवच नहीं मिलेगा, तब तक वे बिना किसी डर के भ्रष्टाचार और समाज की बुराइयों को उजागर नहीं कर पाएंगे। लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को सुरक्षित करना सरकार की प्राथमिकता होनी चाहिए। राज्यपाल को दी गई जानकारी के अनुसार, संगठन इस मुद्दे पर केवल राज्य स्तर पर ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी सक्रिय है। इससे पहले संगठन की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को भी विस्तृत पत्र लिखकर पत्रकार हितों की रक्षा हेतु ठोस कदम उठाने का आग्रह किया जा चुका है।

इसअवसर पर कई दिग्गज शामिल हुए। प्रतिनिधिमंडल में राष्ट्रीय महासचिव राकेश सिंह चौहान, राष्ट्रीय संरक्षक दिलीप सिंह चौहान, और प्रदेश मीडिया प्रभारी महेश पाटीदार ने संगठन की गतिविधियों का ब्यौरा रखा।साथ ही स्वतंत्र प्रेस क्लब के अध्यक्ष मनीष शर्मा, उपाध्यक्ष विनय पाटीदार, सचित बाहेती, मुकेश राठौर और राजू गजभैया सहित बदनावर एवं प्रदेश के अन्य पत्रकार साथी उपस्थित रहे।

## सिंध नदी में रेत के अवैध उत्खनन में लिप्त तीन पंडुब्बियां नष्ट कीं

**ग्वालियर/दैनिक मालवा हेराल्ड।** जिले की डबरा तहसील के अंतर्गत सिंध नदी में रेत के अवैध उत्खनन व परिवहन के खिलाफ कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान के निर्देश पर संयुक्त टीम द्वारा दो दिनों से लगातार कार्रवाई की जा रही है। इस दौरान रेत के अवैध उत्खनन में लिप्त तीन पंडुब्बियां नष्ट की गई हैं। साथ ही लोहे के पाइप व ड्रम जब्त किए गए हैं। इसके अलावा अवैध रूप से भंडारित लगभग 5 हजार 760 घन मीटर रेत जब्त किया गया है। एसडीएम डबरा श्री रूपेश रतन सिंघई, प्रभारी खनिज अधिकारी श्री घनश्याम सिंह यादव, तहसीलदार श्री दिव्यदर्शन शर्मा, नायब तहसीलदार श्री मस्तराम सिंह गुर्जर व श्री लाल सिंह राजपूत सहित अन्य राजस्व अधिकारी, क्षेत्रीय आरआई पटवारी और एसडीआरएफ व पुलिस के सहयोग से इस कार्रवाई को अंजाम दिया गया। जिला खनिज अधिकारी से प्राप्त जानकारी के अनुसार शनिवार 4 अप्रैल को डबरा तहसील के अंतर्गत चांदपुर के समीप से होकर बह रही सिंध नदी में संयुक्त कार्रवाई के दौरान रेत के अवैध उत्खनन में लिप्त तीन पंडुब्बियों को नष्ट किया गया।

## ईसागढ़ में केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने सुनी जनता की समस्याएं

**अशोक नगर/दैनिक मालवा हेराल्ड।** केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री तथा गुना सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया ने अशोकनगर जिले की चंदेरी विधानसभा स्थित ईसागढ़ में जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित कर आमजन की समस्याएं सुनीं। इस दौरान उन्होंने लगभग 2.5 से 3 घंटे के भीतर स्वयं 950 आवेदन प्राप्त किए, जिनमें से 280 मामलों का मौके पर ही निराकरण सुनिश्चित किया गया, जबकि शेष 670 मामलों के शीघ्र समाधान हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए।

मौके पर समाधान से बढ़ा जनता का विश्वास जनसुनवाई के दौरान कई महत्वपूर्ण मामलों का त्वरित समाधान किया गया। ईसागढ़ की प्रियंका को दिल्ली पुलिस भर्ती हेतु आवश्यक जाति प्रमाण पत्र तत्काल उपलब्ध कराया, वहीं एक पात्र हितग्राही को प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाया गया। इसके अलावा फौती नामांतरण, मृत्यु प्रमाण पत्र, सहायता राशि एवं अन्य आवश्यक दस्तावेजों से जुड़े मामलों का भी मौके पर निराकरण किया गया, जिससे आमजन में संतोष और विश्वास का माहौल बना। टोकन प्रणाली से सुव्यवस्थित जनसुनवाई कार्यक्रम के दौरान टोकन प्रणाली के माध्यम से आवेदनों का क्रमबद्ध पंजीकरण किया गया, जिससे प्रत्येक आवेदक को व्यवस्थित तरीके से अपनी बात रखने का अवसर मिला।

# सत्ता पक्ष को स्वागत की छूट, विपक्ष को रोक, राज्यपाल के प्रवास के दौरान बदनावर प्रशासन पर पक्षपात के आरोप

**बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** क्षेत्र के किसानों की ज्वलंत समस्याओं को लेकर रविवार को बदनावर में राजनीतिक सरगर्मी तेज रही। पूर्व विधायक भावर सिंह शेखावत के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं का एक प्रतिनिधिमंडल महामहिम राज्यपाल मंगूभाई पटेल से मुलाकात कर अपनी बात रखना चाहता था, लेकिन प्रशासन द्वारा अंतिम समय में अनुमति नहीं दिए जाने से कांग्रेसियों में गहरा आक्रोश व्याप्त है।

कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने किसानों की बदहाली को लेकर राज्यपाल से मिलने का समय मांगा था। प्रारंभ में एसडीएम ने प्रतिनिधिमंडल से केवल ज्ञापन सौंपने की बात कही, जिसे कार्यकर्ताओं ने ठुकरा दिया। कांग्रेस नेताओं का तर्क था कि जब प्रदेश की सरकार किसानों की सुध नहीं ले रही है, तो संवैधानिक प्रमुख (राज्यपाल) को मिलकर वास्तविक स्थिति बताना आवश्यक है। इसके बाद प्रतिनिधिमंडल ने कलेक्टर से भी अनुरोध किया, लेकिन वहां से भी निराशा हाथ लगी। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि ज्ञापन केवल तहसीलदार को सौंपा जा सकता है। इस पर कांग्रेस नेताओं ने सवाल उठाया कि यदि सत्तारूढ़ दल के पदाधिकारी राज्यपाल से मिलकर औपचारिकताएं निभा सकते हैं, तो किसानों की आवाज उठाने वाले प्रतिनिधियों को रोकना दुर्भाग्यपूर्ण और लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है।

जैसे ही जिला संगठन सचिव परितोष सिंह (बंजी बना) और ब्लॉक अध्यक्ष निरंजनसिंह पंवार के नेतृत्व में कार्यकर्ता नागेश्वर हेलीपैड पहुंचे, वहां पहले से तैनात पुलिस और प्रशासनिक अमला सक्रिय हो गया। कार्यकर्ताओं को आगे बढ़ने से रोक दिया गया, जिससे काफी देर तक गहमागहमी बनी रही। अंततः विवश होकर प्रतिनिधिमंडल ने तहसीलदार को राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा।

कांग्रेस ने किसानों के हित में निम्नलिखित 5 सूत्रीय मांगें रखी हैं - सरकारी गेहूं खरीदी प्रक्रिया तत्काल शुरू की जाए और 2700 रुपये प्रति क्विंटल का भाव सुनिश्चित हो। ओवरड्यू किसानों की पेनल्टी माफ कर उन्हें पुनः रेगुलर खाताधारक माना जाए। किसानों के यहां स्मार्ट मीटर न लगाए जाएं और बिजली यूनिट की दरें कम की जाएं। सोयाबीन फसल के लिए घोषित भावांतर राशि का भुगतान जल्द किया जाए। पराली जलाने के संबंध में किसानों पर दर्ज किए गए मुकदमे तुरंत वापस लिए जाएं।

कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने प्रशासन की इस कार्यप्रणाली को दमनकारी बताते हुए कहा कि किसानों के हक और सम्मान की यह लड़ाई थमेगी नहीं। आने वाले दिनों में प्रशासन के खिलाफ जनआंदोलन को और अधिक तेज किया जाएगा।

इस दौरान परितोष सिंह बंजी बना, निरंजनसिंह पंवार, शम्भू जी (सरपंच), अतुल बाफना, प्रकाश निनाना, प्रकाश मकवाना (पूर्व पार्षद), विनोद शर्मा, मनोहर मकवाना, दुर्लभ धाकड़, टीकम सिंह, राधेश्याम भाटी सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

## जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक आयोजित

**अशोक नगर/दैनिक मालवा हेराल्ड।** केन्द्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री तथा क्षेत्रीय सांसद श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक आयोजित की गई। बैठक में केन्द्रीय मंत्री श्री सिंधिया द्वारा जिले के विकास कार्यो एवं केन्द्र एवं राज्य शासन द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई। उन्होंने विकास कार्यो की अद्यतन स्थिति की समीक्षा करते हुए निर्देशित किया कि पूर्ण गुणवत्ता एवं समय सीमा में कार्यो को पूरा किया जाए। उन्होंने जनकल्याणकारी योजना के समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि पात्र लोगों योजना का लाभ शत प्रतिशत दिलाया जाए। बैठक में स्वास्थ्य, शिक्षा, सिंचाई, पेयजल, अधोसंरचना, रोजगार, उद्योग और नगरीय विकास से जुड़ी योजनाओं की वस्तुस्थिति पर चर्चा हुई तथा विभिन्न विभागों को स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए गए। उन्होंने निर्देश दिए कि जिले के सर्वागीण विकास पर काम किया जाए। शासन द्वार संचालित 16 योजनाओं के सफल क्रियान्वयन जनप्रतिनिधियों के सुझावों के साथ किया जाए। उन्होंने कहा कि शहरी क्षेत्र की 40 करोड़ की पेयजल की वृहद परियोजना पर कार्य कराये जा रहे है। अधोसंरचना को सम्मिलित करते हुए 2040 के मापदण्ड के आधार पर पानी की मांग अनुरूप कार्य किये जाए।

## भाजयुमो की नई टीम पर अपनों के ही सवाल, पूर्व मंत्री दत्तीगांव ने संगठन की पसंद पर जताई आपत्ति, उपाध्यक्ष जय सूर्या ने दिया विनम्र जवाब

**बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** भारतीय जनता युवा मोर्चा की नवीन प्रदेश कार्यकारिणी की घोषणा के साथ ही भाजपा के भीतर वैचारिक मतभेद और असंतोष के स्वर उभरने लगे हैं। पूर्व मंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता राजवर्धन सिंह दत्तीगांव ने संगठन के निर्णय पर खुली आपत्ति जताते हुए अपनी ही पार्टी की पसंद पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

एक हालिया साक्षात्कार में राजवर्धन सिंह दत्तीगांव ने नवनियुक्त प्रदेश उपाध्यक्ष जय सूर्या का नाम लिए बिना उन पर तीखे प्रहार किए। दत्तीगांव ने संगठन के चयन पर सवाल उठाते हुए कहा कि ऐसे व्यक्ति को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी देना सही नहीं है, जो लंबे समय तक संगठन से दूर रहा हो। दत्तीगांव ने आरोप लगाया कि उक्त पदाधिकारी विधानसभा चुनाव के दौरान न केवल क्षेत्र से गायब रहे, बल्कि पिछले ढाई वर्षों से जिले की सक्रिय राजनीति में भी उनकी कोई भूमिका नहीं रही है। पूर्व मंत्री ने आरोप लगाया कि संबंधित व्यक्ति की छवि आपराधिक प्रवृत्ति की रही है और उन पर कई आपराधिक प्रकरण भी दर्ज हैं। दत्तीगांव ने स्पष्ट किया कि वे इस पूरे मामले में अपनी आपत्ति और संबंधित तथ्यों से पार्टी नेतृत्व को लिखित रूप में अवगत करा चुके हैं।

दूसरी ओर, इस पूरे विवाद पर भाजयुमो के नवनियुक्त प्रदेश उपाध्यक्ष जय सूर्या ने अत्यंत मर्यादित और कूटनीतिक रुख अपनाया है। जब मीडिया ने उनसे इन आरोपों पर उनका पक्ष जानना चाहा, तो उन्होंने विवाद को तूल देने के बजाय सम्मानजनक जवाब दिया। जय सूर्या ने कहा, राजवर्धन सिंह दत्तीगांव जी पार्टी के वरिष्ठ नेता हैं और हमारे मार्गदर्शक के समान हैं। उनके साथ मेरा कोई व्यक्तिगत मतभेद नहीं है। यदि उन्हें कोई नाराजगी है, तो हम बैठकर उसे समझने और सुलझाने का प्रयास करेंगे। हालांकि, उन्होंने एक संक्षिप्त टिप्पणी करते हुए यह भी कहा कि संगठन के आंतरिक विषयों में बाहरी हस्तक्षेप नहीं होना चाहिए।

एक तरफ जहाँ दत्तीगांव अपनी निष्ठा और सिद्धांतों के हवाले से नेतृत्व को घेर रहे हैं, वहीं जय सूर्या की मिलकर सुलझाने वाली रणनीति ने मामले को शांत करने की कोशिश की है। राजनीतिक गलियारों में इस बयानबाजी को लेकर चर्चाओं का बाजार गर्म है कि क्या पार्टी आलाकमान इस लिखित आपत्ति पर संज्ञान लेगा या फिर इसे आपसी मतभेद मानकर नजरअंदाज कर दिया जाएगा।

# सिकल सेल एनीमिया के खिलाफ जंग का शंखनाद

**राज्यपाल पटेल ने बदनावर को दी आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं की बड़ी सौगात**

**बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** रविवार को बदनावर की धरा पर राष्ट्रभक्ति और विकास का अनूठा संगम देखने को मिला। मध्य प्रदेश के राज्यपाल मंगूभाई पटेल ने अपने प्रवास के दौरान जहाँ एक ओर देश की सीमा पर प्राण न्योछावर करने वाले अमर शहीद की स्मृतियों को जीवंत किया, वहीं दूसरी ओर क्षेत्र की स्वास्थ्य सेवाओं को नई ऊंचाई देते हुए आधुनिक अस्पताल का लोकार्पण किया।

राज्यपाल के कार्यक्रम की शुरुआत माथुर कॉलोनी स्थित गार्डन से हुई, जहाँ उन्होंने शहीद नायब सूबेदार रविंद्र सिंह राठौर की भव्य प्रतिमा का भावपूर्ण अनावरण किया। उन्होंने शहीद की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उनके सर्वोच्च बलिदान को नमन किया। इस भावुक क्षण में राज्यपाल ने शहीद की धर्मपत्नी प्रताप कुंवर सिंह राठौर को शॉल-श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया। राज्यपाल ने राठौर की प्रतिमा अनावरण पर कहा की यह केवल एक मूर्ति का अनावरण नहीं है, बल्कि वीरता की इस पावन धरती को नमन करने का अवसर है। मैं उन माता-पिता को कोटि-कोटि प्रणाम करता हूँ, जिन्होंने ऐसे वीर सपूत को जन्म दिया।

शहीद को श्रद्धांजलि देने के पश्चात राज्यपाल मंडी परिसर पहुंचे। यहाँ उन्होंने रिमोट का बटन दबाकर 50 बिस्तरों वाले नवनिर्मित सिविल अस्पताल का विधिवत लोकार्पण किया। इस सौगात से बदनावर और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को अब बेहतर और आधुनिक इलाज के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। कार्यक्रम के दौरान स्वास्थ्य सेवाओं को और सुदृढ़ करने के लिए अरविंदो हॉस्पिटल के साथ एक महत्वपूर्ण एमओयू भी किया गया।

संबोधन के दौरान राज्यपाल ने सिकल सेल एनीमिया जैसी आनुवंशिक बीमारी पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश से इस बीमारी के उन्मूलन का महाभियान चल रहा है। अब तक देशभर में 1.31 करोड़ से अधिक लोगों की जांच हो चुकी है। राज्यपाल ने मरीजों को ठंडे पानी से स्नान से बचने, नियमित प्राणायाम और समय पर दवाई लेने की सलाह दी। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि विशेषकर जनजातीय क्षेत्रों और गर्भवती महिलाओं की जांच सुनिश्चित की जाए ताकि कोई भी उपचार से वंचित न रहे।

कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग से जानकारी दी गई कि धार जिला स्वास्थ्य सेवाओं में बेहतर प्रदर्शन कर रहा है। जिले में 27 हजार के लक्ष्य के विरुद्ध 22 हजार बच्चियों का टीकाकरण पूर्ण हो चुका है, जिससे जिला प्रदेश में चौथे स्थान पर है। साथ ही 14,198 लोगों की सिकल सेल जांच भी पूर्ण की जा चुकी है।

कार्यक्रम का स्वागत भाषण पूर्व मंत्री राजवर्धन सिंह दत्तीगांव ने दिया। इस अवसर पर केंद्रीय राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर, धार विधायक नीना वर्मा, भाजपा जिलाध्यक्ष निलेश भारती, जिला पंचायत अध्यक्ष सरदार सिंह मेड़ा, पूर्व सांसद छतर सिंह दरबार, नगर परिषद अध्यक्ष मीना शेखर यादव, पूर्व राज्य मंत्री महेंद्र सिंह पिपलीपाड़ा (चाचू बना), राजेश अग्रवाल, पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष मनोज सोमानी, सहित प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी और बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

## ओलावृष्टि से प्रभावित किसानों के बीच पहुँचा प्रशासन

**दतिया/दैनिक मालवा हेराल्ड।** जिले के विभिन्न क्षेत्रों में विगत दिवस हुई ओलावृष्टि के बाद कलेक्टर श्री स्वप्निल वानखड़े के निर्देश पर राजस्व विभाग पूरी सक्रियता के साथ ओलावृष्टि से हुई क्षति का आंकलन करने आपदा प्रभावित क्षेत्रों में उतर गया है। प्रशासनिक अमला किसानों की स्थिति का जायजा लेने और नुकसान का आकलन करने के लिए गांव-गांव पहुंच रहा है। कलेक्टर श्री वानखड़े के निर्देशानुसार एसडीएम सेवढ़ा तहसीलदार, नायब तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक, पटवारी, सचिव तथा आरएईओ की संयुक्त टीमों ने प्रभावित क्षेत्रों में सर्वेक्षण कार्य शुरू कर दिया है। अधिकारी सीधे खेतों में पहुंचकर फसलों को हुए नुकसान का निरीक्षण कर रहे हैं और किसानों से चर्चा कर उनकी समस्याएं सुन रहे हैं।

ओलावृष्टि से कई क्षेत्रों में फसलों को भारी नुकसान पहुंचा है, जिससे किसानों की चिंता बढ़ गई है। ऐसे में प्रशासन द्वारा त्वरित सर्वे कर राहत प्रकरण तैयार किए जा रहे हैं, ताकि प्रभावित किसानों को शीघ्र सहायता उपलब्ध कराई जा सके। कलेक्टर श्री स्वप्निल वानखड़े ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि सर्वे कार्य पूरी पारदर्शिता और तेजी के साथ किया जाए तथा किसी भी पात्र किसान को राहत से वंचित न रखा जाए। साथ ही उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं के तहत किसानों को हर संभव सहायता दिलाई जाएगी। प्रशासन की इस सक्रियता से किसानों में राहत की उम्मीद जगी है और वे सर्वे कार्य में सहयोग कर रहे हैं।

## जनजातीय कार्य विभाग में अवैध तरीके से किए गए स्थानांतरण एवं नियुक्तियां निरस्त

**खण्डवा/दैनिक मालवा हेराल्ड।** जनजातीय कार्य विभाग में गत दिनों जारी किए गए स्थानांतरण एवं नियुक्ति संबंधी सभी आदेशों को निरस्त कर दिया गया है। इसके साथ ही अवैध तरीके से की गई इन नियुक्तियों और स्थानांतरण की जांच के लिए कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता ने जांच दल गठित करने के आदेश जारी किए हैं। गठित जांच दल में अपर कलेक्टर श्रीमती सृष्टि देशमुख गौड़ा, जिला कोषालय अधिकारी श्री आर एस गवली तथा डिप्टी कलेक्टर एवं प्रभारी सहायक आयुक्त श्री बजरंग बहादुर सिंह को शामिल किया गया है। जांच दल को 5 दिन की समय सीमा में मामले की जांचकर, प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। उल्लेखनीय है कि शनिवार को प्रभारी मंत्री श्री धर्मेंद्र सिंह लोधी के खंडवा प्रवास के दौरान इस संबंध में अनियमितताओं की सूचना मिली थी, जिस पर कलेक्टर श्री गुप्ता ने यह कार्रवाई की है। इसी मामले में सहायक आयुक्त ने छात्रावास अधीक्षक श्री हेमंत सिन्हा को निलंबित करने के आदेश भी जारी किए हैं।

## स्कूलों में 22 अप्रैल तक लगेंगे आधार शिविर

**कटनी/दैनिक मालवा हेराल्ड।** जिले के स्कूलों में कलेक्टर श्री आशीष तिवारी के निर्देश पर आधार कैंप लगाकर विद्यार्थियों को आधार से संबंधित सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। ताकि उन्हें नामांकन और अपडेट के लिए अलग से कहीं जाने की आवश्यकता न पड़े। इसलिए विद्यार्थियों को विद्यालय स्तर पर ही आधार से संबंधित सेवाओं का लाभ उपलब्ध कराया जा रहा है। कलेक्टर श्री तिवारी के निर्देश पर इसके लिए प्रत्येक विकासखण्ड के चिन्हित स्कूलों में 6 अप्रैल से 22 अप्रैल के बीच आधार कैंपों के आयोजन के लिए पृथक -पृथक तिथियां तय की गई हैं। इन कैंपों में छात्रों के अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट के साथ-साथ विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत आधार कार्ड में मोबाइल नंबर अद्यतन न होने के कारण ई-केवाईसी से वंचित आवेदकों का भी आधार अद्यतन कराने का दायित्व संबंधित रोजगार सहायक, पंचायत सचिव और पटवारी को सौंपा गया है। इसके लिए भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण( यूआईडीएआई) द्वारा अपडेशन के लिए निर्धारित शुल्क संबंधित से लिया जायेगा। शालाओं के प्रधानाध्यापकों को निर्देशित किया गया है कि वे यूडीआईएसई-प्लस पोर्टल से उन विद्यार्थियों की सूची अद्यतन कर लें जिनके आधार में एमबीयू पेंडिंग हैं। ऐसे विद्यार्थियों को आधार अपडेट कराने के लिये जागरूक किया जाए और उन्हें आधार कैंपों में बुलाया जाये। ताकि आधार अपडेट किया जा सके। इन तिथियों को लगेंगे आधार शिविरजारी शिविर कार्यक्रम के अनुसार विकासखंड कटनी के अंतर्गत शासकीय हाई स्कूल चाका, शासकीय हाई स्कूल हिरवारा, शासकीय मॉडल स्कूल रॉबर्ट लाइन हॉस्टल में 6 अप्रैल से 10 अप्रैल तक शिविर का आयोजन किया जाएगा।

## राष्ट्र सर्वोपरि की भावना से सेवा, समर्पण और सुशासन का संकल्प-यही भाजपा कार्यकर्ता की पहचान-अर्चना चिटनिस

**बुरहानपुर/ आयूष भावसार/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** विधायक, पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं भाजपा प्रदेश प्रवक्ता श्रीमती अर्चना चिटनिस (दीदी) ने रविवार को बुरहानपुर विधानसभा के लोकमान्य तिलक मंडल, लोकमाता अहिल्यादेवी मंडल एवं डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी मंडल में आयोजित 'पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान-2026' के अंतर्गत मंडल स्तरीय प्रशिक्षण वर्ग में सहभागिता करते हुए देवतुल्य कार्यकर्ताओं से आत्मीय संवाद किया।

इस अवसर पर श्रीमती अर्चना चिटनिस ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी केवल एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि राष्ट्र सेवा, अंत्योदय और सांस्कृतिक मूल्यों पर आधारित एक सशक्त वैचारिक संगठन है। श्रद्धेय पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के विचार आज भी पार्टी की कार्यशैली का मार्गदर्शन करते हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्र सर्वोपरि की भावना से कार्य करना, सेवा और समर्पण को जीवन का उद्देश्य बनाना तथा सुशासन को प्राथमिकता देना ही भाजपा कार्यकर्ता की पहचान है। उन्होंने कहा कि 'पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान-2026' कार्यकर्ताओं के वैचारिक, बौद्धिक एवं संगठनात्मक विकास का महत्वपूर्ण माध्यम है। ऐसे प्रशिक्षण वर्ग कार्यकर्ताओं को पार्टी की विचारधारा, संगठनात्मक संरचना और कार्यपद्धति से जोड़ते हैं, जिससे वे अपने दायित्वों का निर्वहन अधिक प्रभावी ढंग से कर पाते हैं।

श्रीमती अर्चना चिटनिस ने पंच निष्ठाओं के महत्व को बताते हुए कहा कि राष्ट्र निष्ठा, विचार निष्ठा, संगठन निष्ठा, आचरण निष्ठा और सेवा निष्ठाकृये पांच आधार एक साधारण कार्यकर्ता को आदर्श कार्यकर्ता बनाते हैं। जब कार्यकर्ता इन सिद्धांतों को अपने जीवन में आत्मसात करता है, तब संगठन स्वतः ही सशक्त बनता है। इस दौरान उन्होंने बुरहानपुर विधानसभा क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों की विस्तृत जानकारी साझा करते हुए कहा कि क्षेत्र में सड़कों, पुल-पुलियाओं, पेयजल व्यवस्था, नगरीय अधोसंरचना, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में निरंतर कार्य हो रहे हैं। ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में विकास की गति तेज हुई है, जिससे आमजन के जीवन स्तर में सकारात्मक परिवर्तन आ रहा है। उन्होंने कहा कि नगर क्षेत्र में स्वच्छता, जल निकासी, स्ट्रीट लाइट, उद्यान विकास एवं नागरिक सुविधाओं के विस्तार के लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य किए जा रहे हैं। किसानों के लिए सिंचाई सुविधाओं का विस्तार और आधारभूत संरचना के विकास पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

श्रीमती चिटनिस ने केंद्र सरकार की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में प्रधानमंत्री आवास योजना, जल जीवन मिशन, आयुष्मान भारत योजना, उज्ज्वला योजना और स्वच्छ भारत मिशन जैसी योजनाओं ने गरीब, वंचित और जरूरतमंद वर्ग के जीवन में व्यापक परिवर्तन लाया है। इन योजनाओं का लाभ बुरहानपुर के नागरिकों तक भी प्रभावी रूप से पहुंच रहा है। प्रदेश सरकार की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए श्रीमती चिटनिस ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी के नेतृत्व में मध्यप्रदेश विकास और सुशासन के नए आयाम स्थापित कर रहा है। लाड़ली बहना योजना, किसानों के लिए विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं, युवाओं के लिए रोजगार के अवसर और बुनियादी सुविधाओं का विस्तारकृये सभी प्रयास प्रदेश को तेजी से प्रगति की ओर ले जा रहे हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाएं, ताकि प्रत्येक पात्र व्यक्ति इनका लाभ प्राप्त कर सके। संगठन और सरकार के बीच बेहतर समन्वय से ही विकास कार्यों को और अधिक गति दी जा सकती है।

श्रीमती अर्चना चिटनिस ने विश्वास व्यक्त किया कि इस प्रशिक्षण महाअभियान से प्रेरित होकर कार्यकर्ता समाज सेवा, सुशासन और विकास के कार्यों में नई ऊर्जा के साथ जुटेंगे तथा विकसित मध्यप्रदेश-विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

इस अवसर पर मुख्य रूप से भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ.मनोज माने, चिंतामन महाजन, ईश्वर चौहान, कैलाश पारीक, प्रशांत पाटिल, विपुल कानूनगो, नरहरी दीक्षित, बलराज नावानी, संभाजीराव सगरे, रूद्रेश्वर एंडोले, अक्षय मोरे, रवि काकड़े, अमोल भगत, दीपक महाजन सहित अन्य पार्टी पदाधिकारी व कार्यकर्तागण उपस्थित रहे।

## बुरहानपुर में मेट्रो स्टाइल फिटनेस का आगाज़: रुपिंदर सिंह कीर की पहल से 'गुरसिख गोल्डमार्क जिम' ने बदली शहर की लाइफस्टाइल

**बुरहानपुर/ आयूष भावसार/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** शहरवासियों, विशेषकर फिटनेस प्रेमियों के लिए एक बड़ी खुशखबरी सामने आई है। गुरसिख मॉल में निमाड़ क्षेत्र के अत्याधुनिक उपकरणों से सुसज्जित गुरसिख गोल्डमार्क जिम का भव्य शुभारंभ किया गया। यह जिम शहर में स्वास्थ्य और फिटनेस को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

इस सराहनीय पहल के पीछे प्रमुख भूमिका निभाने वाले श्री रुपिंदर सिंह कीर द्वारा शहर को लगातार नई-नई सौगातें दी जा रही हैं, जिससे बुरहानपुर अब बड़े शहरों की तर्ज पर आधुनिक सुविधाओं की ओर तेजी से बढ़ रहा है।

शुभारंभ अवसर पर क्षेत्र के सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। उनके साथ भाजपा युवा नेता गजेंद्र पाटील, कांग्रेस जिला अध्यक्ष रिंकु टाक सहित कई गणमान्य नागरिकों ने कार्यक्रम में सहभागिता की।

इस मौके पर श्री रुपिंदर सिंह कीर, श्री अजय सिंह कीर एवं श्री चितवन सिंह कीर को इस उत्कृष्ट पहल के लिए बधाई दी गई। अतिथियों ने कहा कि इस प्रकार के आधुनिक फिटनेस सेंटर युवाओं को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करेंगे और शहर में सकारात्मक वातावरण का निर्माण करेंगे।

गौरतलब है कि गुरसिख गोल्डमार्क जिम अत्याधुनिक मशीनों और सुविधाओं से सुसज्जित है, जो बुरहानपुर को फिटनेस के क्षेत्र में एक नई पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

## एफएलएस प्रशिक्षण सम्पन्न फील्ड इन्वेस्टिगेटर जांचेंगे विद्यार्थियों की गुणवत्ता

**कटनी/दैनिक मालवा हेराल्ड।** कलेक्टर श्री आशीष तिवारी के मार्गदर्शन में डाइट कटनी में फाउंडेशनल लर्निंग स्टडी के मुख्य आकलन हेतु फील्ड इन्वेस्टिगेटर का उन्मुखीकरण सम्पन्न हुआ। इस स्टडी के अंतर्गत कक्षा 3 के विद्यार्थियों का हिंदी एवं अंग्रेजी भाषा विकास तथा गणित की बुनियादी दक्षताओ में आकलन किया जायेगा। साथ ही शिक्षक तथा छात्र प्रश्नावली का उपयोग करते हुए स्कूलों के शैक्षिक स्वास्थ्य का आकलन किया जायेगा। आकलन के पश्चात एनसीईआरटी द्वारा बच्चों के प्रदर्शन का विश्लेषण करते हुए नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के लक्ष्य प्राप्त करने हेतु सुधारात्मक उपाय किए जायेंगे। डाइट कटनी में आयोजित उन्मुखीकरण में राज्य शिक्षा केन्द्र द्वारा प्रशिक्षित ट्रेनर्स वरिष्ठ व्याख्याता राजेन्द्र असाटी, एपीसी सुबरन राजपूत, जिला प्रोग्रामर सुमंत ताम्रकार द्वारा एफआई को अकादमिक एवं तकनीकी प्रशिक्षण दिया गया।

## नीमच में ठगी का बड़ा खेल, महिला ने झांसे में लेकर कई लोगों से लाखों रुपये ऐंठे

**मोबाइल बंद कर फरार, पीड़ितों में मचा हड़कंप**

**नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** शहर के कैंट थाना क्षेत्र में एक महिला द्वारा छल-कपट कर कई लोगों से लाखों रुपये हड़पने का मामला सामने आया है। पीड़ितों ने सामूहिक रूप से पुलिस थाना नीमच कैंट में लिखित शिकायत दर्ज कराते हुए आरोपी महिला के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

शिकायत के अनुसार, फरिन पति मोहम्मद इरफान निवासी बगीचा नंबर 04 से 5 लाख रुपये, शबाना पति शहजाद निवासी शालीमार बाग से 1.20 लाख रुपये, सिमरन निवासी बगीचा नंबर 13 से 10 हजार रुपये, जाहिद निवासी बगीचा नंबर 13 से 10 हजार रुपये, प्रथम निवासी नया बाजार से 1 लाख रुपये, रेहान पिता मुख्तियार अली निवासी नया बाजार से 50 हजार रुपये, जाहिद पिता जाकिर निवासी नया बाजार से 2 लाख रुपये, सन्नी निवासी एकता कॉलोनी से 2 हजार रुपये तथा मोनू निवासी राजीव नगर से 90 हजार रुपये आरोपी महिला द्वारा ठगी कर लिए गए। पीड़ितों का आरोप है कि बगीचा नंबर 05 निवासी नादिरा पति अंकील खां ने उन्हें झांसा देकर यह रकम ली और बाद में मोबाइल बंद कर फरार हो गई। बताया जा रहा है कि आरोपी महिला नीमच से निकलकर निम्बाहेड़ा जाकर किसी अन्य व्यक्ति के साथ छिपी हुई है, जिससे उसका संपर्क नहीं हो पा रहा है।

पीड़ितों ने यह भी बताया कि लेन-देन के लिखित दस्तावेज स्टाम्प पेपर पर उनके पास मौजूद हैं, साथ ही आरोपी द्वारा दिया गया एक ब्लैंक चेक भी उनके पास है। इसके अलावा रुपये देने का वीडियो साक्ष्य भी पुलिस को सौंपा गया है।

शिकायत में यह भी उल्लेख किया गया है कि आरोपी महिला पहले भी कई लोगों को इसी तरह झांसा देकर ठगी कर चुकी है और उसका पति व परिवार भी इस कृत्य में शामिल हो सकता है। पीड़ितों का कहना है कि उन्होंने यह रकम कर्ज लेकर या अपनी निजी बचत से दी थी, जिससे अब वे आर्थिक संकट में हैं।

पीड़ितों ने यह भी आरोप लगाया कि आरोपी उन्हें धमकी दे रही है कि यदि उससे पैसे मांगे गए तो वह आत्महत्या कर उन्हें झूठे मामले में फंसा देगी।

सभी पीड़ितों ने पुलिस से मांग की है कि आरोपी का जल्द पता लगाकर उनके रुपये वापस दिलाए जाएं और उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। फिलहाल पुलिस ने शिकायत प्राप्त कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

## स्व-सहायता समूह से जुड़कर सरोज बनीं सफल उद्यमी

**कटनी/दैनिक मालवा हेराल्ड।** गरीबी और सीमित संसाधनों के बावजूद अपनी मेहनत और लगन सेसरोज कुर्मी न केवल एक सफल उद्यमी बनीं, बल्कि अन्यअ महिलाओं के लिए भी प्रेरणा स्त्रोत बन गई हैं। कटनी ज़िले के सनकुई गाँव की निवासी सरोज का परिवार सिर्फ़ 1 से 1.5 एकड़ ज़मीन पर खेती करके गुज़ारा करता था।सरोज ने परिवार की आर्थिक स्थिति को सुधारने का निश्चरय किया। उन्होंने अपने गाँव के जागृति स्व-सहायता समूह से जुड़कर अपनी आर्थिक यात्रा शुरू की। उन्होंने समूह से 50 हजार का ऋष्ण लिया और फिर बैंक से 1 लाख रूपये का कैश क्रेडिट लिमिट प्राप्त किया। इस पूंजी से उन्होंने एक छोटी किराना और कपड़े की दुकान खोली। अपने व्यवसाय के साथ-साथ, सरोज ने अतिरिक्त आय के लिए समूह के माध्यम से धान उपार्जन केंद्र और स्कूल में मध्याह्न भोजन का संचालन भी शुरू किया।

## सिंगोली में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के दौरे को लेकर तैयारियां तेज, प्रशासन पूरी तरह अलर्ट, मिनट-टू-मिनट कार्यक्रम और दिशा-निर्देश जारी

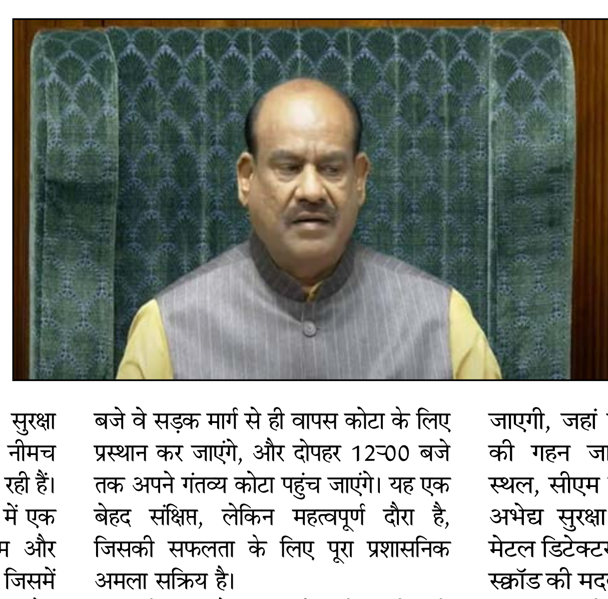

**सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के दौरे को लेकर तैयारियां तेज, प्रशासन पूरी तरह अलर्ट, मिनट-टू-मिनट कार्यक्रम और दिशा-निर्देश जारी लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला 7 अप्रैल 2026 को मध्य प्रदेश के नीमच जिले के सिंगोली कस्बे का संक्षिप्त दौरा करेंगे। यह दौरा एक हाई-प्रोफाइल प्रवास है, जिसके मद्देनजर जिला प्रशासन और पुलिस महकमे ने तैयारियां तेज कर दी हैं। बिरला को “’ (जेड) श्रेणी की सुरक्षा मिलती है, जिसके प्रोटोकॉल के तहत नीमच जिले में चाक-चौबंद व्यवस्थाएं की जा रही हैं। जिला सत्कार अधिकारी ने इस संबंध में एक आधिकारिक मिनट-टू-मिनट कार्यक्रम और विस्तृत दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं, जिसमें सुरक्षा और प्रशासनिक व्यवस्था का पूरा ब्यौरा दिया गया है।

ओम बिरल के दौरे का शेड्यूल- जारी आधिकारिक प्रोटोकॉल के अनुसार, लोकसभा अध्यक्ष बिरला 7 अप्रैल की सुबह 8:00 बजे राजस्थान के कोटा (शक्ति नगर) से सड़क मार्ग द्वारा सिंगोली के लिए प्रस्थान करेंगे। उनका काफिला ठीक सुबह 9:30 बजे सिंगोली कस्बे में पहुंचेगा। सिंगोली में उनका मुख्य कार्यक्रम तिलस्वां रोड स्थित सीएम राइज स्कूल के सामने, इंदिरा नगरी मोहीवाल एस्टेट में आयोजित किया जाएगा। अध्यक्ष बिरला सुबह 9:30 बजे से 10:30 बजे तक, यानी ठीक एक घंटे इस कार्यक्रम में शिरकत करेंगे। इस एक घंटे के प्रवास के दौरान वे संभावित रूप से स्थानीय लोगों और अधिकारियों से भी मिल सकते हैं, हालांकि इसका विस्तृत विवरण अभी सामने नहीं आया है। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद सुबह 10:30 बजे वे सड़क मार्ग से ही वापस कोटा के लिए प्रस्थान कर जाएंगे, और दोपहर 12:00 बजे तक अपने गंतव्य कोटा पहुंच जाएंगे। यह एक बेहद संक्षिप्त, लेकिन महत्वपूर्ण दौरा है, जिसकी सफलता के लिए पूरा प्रशासनिक अमला सक्रिय है।

कलेक्टर और एसपी के निर्देशन में कड़े सुरक्षा इंतजाम- लोकसभा अध्यक्ष के इस महत्वपूर्ण दौरे को देखते हुए नीमच जिला प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट मोड पर है। कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक के सीधे निर्देशन में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए जा रहे हैं। “’ श्रेणी की सुरक्षा का मतलब सिर्फ कुछ सुरक्षाकर्मी नहीं, बल्कि एक मल्टी-लेयर, समन्वित सुरक्षा घेरा है। इसमें केंद्रीय सुरक्षा बल (जैसे छ्रक्क या छ्ठ्ठस्र) के प्रशिक्षित जवान, राज्य पुलिस के विशेष सुरक्षा दस्ते और स्थानीय पुलिसकर्मी शामिल होते हैं। यह प्रोटोकॉल सुनिश्चित करता है कि अध्यक्ष के मार्ग, कार्यक्रम स्थल और उनके ठहरने या किसी भी संभावित पड़ाव पर कोई सुरक्षा चूक न हो। उनकी आवाजाही के दौरान सड़कों को पूरी तरह से सुरक्षित किया जाएगा और आवश्यकतानुसार यातायात को भी नियंत्रित किया जाएगा, ताकि काफिले की निर्बाध गति बनी रहे। संवेदनशील बिंदुओं पर विशेष चौकसी बरती जा रही है।

सुरक्षा व्यवस्था के तहत सिंगोली कस्बे में चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल तैनात रहेगा। कस्बे में प्रवेश और निकास के सभी मुख्य बिंदुओं पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी, जहां हर संदिग्ध वाहन या व्यक्ति की गहन जांच की जाएगी। कार्यक्रम स्थल, सीएम राइज स्कूल के सामने, एक अभेद्य सुरक्षा घेरा बनाया जाएगा। यहां मेटल डिटेक्टर, सीसीटीवी कैमरे और डॉग स्क्वॉड की मदद से सघन तलाशी अभियान चलाए जाएंगे। कार्यक्रम में प्रवेश करने वाले हर व्यक्ति की जांच की जाएगी। भीड़ प्रबंधन के लिए विशेष योजना बनाई गई है ताकि कार्यक्रम के दौरान अनुशासन बना रहे और कोई अव्यवस्था न फैले। यातायात नियंत्रण के लिए भी अतिरिक्त पुलिसकर्मी तैनात रहेंगे, जो अध्यक्ष के काफिले के सुचारू और सुरक्षित मार्ग को सुनिश्चित करेंगे। इस दौरान स्थानीय खुफिया इकाइयां भी सक्रिय रूप से काम कर रही हैं, ताकि किसी भी अप्रिय घटना को पहले ही रोका जा सके और सुरक्षा एजेंसियों को समय पर जानकारी मिल सके।

जिला प्रशासन ने सभी विभागों को दिए तैयारियों के निर्देश- जिला प्रशासन ने सभी संबंधित विभागों को इस दौरे के लिए आवश्यक तैयारियां युद्धस्तर पर पूरी करने के निर्देश दिए हैं। इनमें लोक निर्माण विभाग द्वारा सड़क मार्ग की जांच और मरम्मत सुनिश्चित करना, विशेषकर अध्यक्ष के काफिले के गुजरने वाले मार्गों की, विद्युत विभाग द्वारा निर्बाध बिजली आपूर्ति की व्यवस्था, स्वास्थ्य विभाग द्वारा चिकित्सा टीमों और एम्बुलेंस की तैनाती के साथ आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं की तैयारी, और नगरीय निकाय द्वारा कार्यक्रम स्थल तथा आसपास के क्षेत्रों में साफ-सफाई जैसी व्यवस्थाएं शामिल हैं। विभिन्न विभागों के अधिकारियों की कई दौर की समन्वय बैठकें हो चुकी हैं, जिनमें हर छोटे-बड़े पहलू पर विचार किया गया है। जिला सत्कार अधिकारी द्वारा जारी दिशा-निर्देशों में अधिकारियों, कर्मचारियों और वाहनों की आवाजाही के लिए स्पष्ट प्रोटोकॉल निर्धारित किए गए हैं, ताकि व्यवस्था में कोई भ्रम या चूक न हो।

इस दौरे की गंभीरता को देखते हुए, सुरक्षा व्यवस्था केवल कार्यक्रम स्थल तक ही सीमित नहीं रहेगी, बल्कि अध्यक्ष के आगमन से पहले और उनके प्रस्थान के बाद भी पूरे क्षेत्र में कड़ी निगरानी रखी जाएगी। पुलिस अधीक्षक ने सभी थाना प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में गश्त बढ़ाने और असामाजिक तत्वों पर पैनी नजर रखने के निर्देश दिए हैं। सुरक्षा कर्मियों को विशेष तौर पर ब्रीफ किया गया है ताकि वे किसी भी स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहें और “’ श्रेणी सुरक्षा के सभी मानकों का पालन करें। यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला का सिंगोली प्रवास पूरी तरह से सुचारू, सुरक्षित और सफल रहे। प्रशासन का पूरा अमला इस कार्य में पूरी निष्ठा और मुस्तैदी के साथ जुटा हुआ है और सभी व्यवस्थाएं अंतिम चरण में हैं, ताकि कोई भी कमी न रहे।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा )

# सिंहस्थ तैयारियां... एसीएस राजौरा ने अफसरों की सराहना की

### भूखी माता ब्रिज दिसंबर 2026 तक होगा पूरा, समय से पहले काम खत्म करने के निर्देश

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** सिंहस्थ 2028 की तैयारियों को लेकर शहर में चल रहे निर्माण कार्यों ने अब गति पकड़ ली है। रविवार को अपर मुख्य सचिव राजेश राजौरा ने मौके पर पहुंचकर विभिन्न प्रोजेक्ट्स का निरीक्षण किया और काम की रफ्तार से संतुष्ट होकर संभागायुक्त आशीष सिंह व कलेक्टर रौशन कुमार सिंह की सराहना की।

निरीक्षण के दौरान एसीएस राजौरा ने साफ कहा कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता के साथ समयसीमा का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी कार्य तय समय से पहले पूरे करने का प्रयास करें, ताकि बाद में आने वाली समस्याओं के समाधान के लिए पर्याप्त समय मिल सके। सबसे पहले एसीएस ने अंगारेश्वर मंदिर क्षेत्र में शिप्रा नदी पर बन रहे नए घाटों का जायजा लिया। इसके बाद कार्तिक मेला ग्राउंड से नई खेड़ी तक बन रहे 2.6 किमी लंबे फोरलेन मार्ग का निरीक्षण किया।

भूखी माता ब्रिज के निरीक्षण के दौरान निर्माण एजेंसी से प्रगति रिपोर्ट ली गई। सेतु निगम के अधिकारियों ने बताया कि ब्रिज का निर्माण दिसंबर 2026 तक पूरा कर लिया जाएगा। वहीं यूडीए के सीईओ संदीप सोनी ने जानकारी दी कि इससे जुड़ी कनेक्टिविटी रोड जनवरी 2027 तक तैयार हो जाएगी।

एसीएस राजौरा ने गेल चौराहे से शांतिनगर तक चल रहे सड़क चौड़ीकरण कार्य का भी निरीक्षण किया और कार्य की गति पर संतोष जताया। उन्होंने कहा कि सिंहस्थ जैसे बड़े आयोजन को देखते हुए शहर की बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करना प्राथमिकता है।संभागायुक्त आशीष सिंह ने बताया कि सड़क चौड़ीकरण के साथ-साथ प्रमुख चौराहों को भी व्यवस्थित किया जा रहा है, जिससे यातायात सुगम हो सके। निरीक्षण के दौरान पुलिस और प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे, जिनमें एडीजीपी राकेश गुप्ता, डीआईजी नवनीत भसीन और एसपी प्रदीप शर्मा शामिल रहे।

#### भूखी माता ब्रिज पर अपडेट...

-निर्माण कार्य प्रगति पर
-दिसंबर 2026 तक पूर्ण होने का लक्ष्य
-कनेक्टिविटी रोड जनवरी 2027 तक तैयार

#### सड़क और घाट विकास

-शिप्रा नदी पर नए घाटों का निर्माण जारी
-2.6 किमी फोरलेन सड़क का निर्माण
-प्रमुख चौराहों का किया जा रहा पुनर्गठन
-सिंहस्थ से पहले शहर को मिलेगी नई पहचान

#### अधिकारियों को निर्देश

-समय से पहले कार्य पूर्ण करने पर जोर
-गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं
-समस्या आने पर वैकल्पिक योजना तैयार रखें
-सभी विभागों में बेहतर समन्वय जरूरी

## आगर रोड पर ऑटो में चालक की लाश

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** आगर रोड पर ऑटो में लाश मिलने की सूचना पर पुलिस पहुंची। पहचान कर परिजनों को सूचना दी गई। परिजन अस्पताल पहुंचे तो चालक के हाथ झुलसे हुए थे। परिवार ने हत्या का आरोप लगाया। रविवार सुबह पुलिस ने पोस्टमार्टम कराया है। चिमनगंज थाना पुलिस को शनिवार दोपहर आगर रोड शराब दुकान से कुछ दूरी पर एक ऑटो में लाश पड़ी होने की सूचना मिली थी। पुलिस के पहुंचने पर सामने आया कि लाश चालक की ही है। उसकी पहचान करने पर मृतक राजेश पिता बालमुकुंद सिसौदिया निवासी राजीव गांधी नगर होना सामने आया। मामले की सूचना परिजनों को दी गई और शव अस्पताल पहुंचाया गया। परिजन अस्पताल पहुंचे। उन्होंने राजेश का शव देखा तो उसके हाथ झुलसे हुए थे। मामला संदिग्ध होने पर परिवार ने हत्या का आरोप लगाया। लेकिन मृतक का पुत्र शहर से बाहर था जिसके आने पर ही पोस्टमार्टम कराने की बात कही गई। रविवार सुबह पुत्र के लौटने पर पोस्टमार्टम कराया गया। पुलिस के अनुसार मृतक तीन बच्चों का पिता था। परिवार द्वारा लगाए गए आरोप की जांच की जाएगी। वहीं पोस्टमार्टम रिपोर्ट से घटना का सच भी सामने आ जाएगा।

## एमडी ड्रग्स के साथ गिरफ्त में आया युवक

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** पार्किंग क्षेत्र में खड़े युवक के पास मादक पदार्थ होने की जानकारी मिलती पुलिस ने उसे घेराबंदी कर हिरासत में लिया तो एमडी ड्रग्स बरामद हो गई। युवक से पूछताछ की जा रही है संभावना है कि मादक पदार्थ से जुड़े कुछ और साथियों की जानकारी सामने आ सकती है। नीलगंगा थाना पुलिस ने बताया रविवार को मुखबिर द्वारा सूचना दी गई कि वजीर पार्क कॉलोनी उज्जैन निवासी आमिर खान, वाकणकर ब्रिज के पास स्थित पार्किंग क्षेत्र में अवैध रूप से एम.डी. ड्रग्स लिये खड़ा है, पुलिस टीम द्वारा मुखबिर द्वारा बताये स्थान वाकणकर ब्रिज के पास दबिश दी गई, जहाँ बताए गए हुलिये का व्यक्ति पुलिस को देखकर भागने का प्रयास करने लगा, जिसे घेराबंदी कर पकड़ा गया। पूछताछ में उक्त व्यक्ति ने अपना नाम आमिर पिता शाहिद खान 27 वर्ष, निवासी वजीर पार्क कॉलोनी उज्जैन होना बताया।आरोपी की विधिवत तलाशी ली गई उसके पास से एक पारदर्शी प्लास्टिक की थैली में रखा भुरभुरा पदार्थ बरामद हुआ, जिसकी पहचान एम.डी. ड्रग्स के रूप में की गई। इलेक्ट्रॉनिक तराजू से तौल करने पर कुल वजन 15 ग्राम पाया गया। आरोपी के खिलाफ धारा 8/22 एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है।

## श्रीलंका के समूह के साथ चैत्यगिरी विहार एवं स्तूप समूह पर विशेष पूजा और वंदना की

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** भारत-श्रीलंका फाउंडेशन के तहत भारतीयों के प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल प्रतिभागियों ने सांची की धम्म यात्रा की। इस दौरान श्रीलंका के समूह के साथ चैत्यगिरी विहार एवं स्तूप समूह पर विशेष पूजा और वंदना की गई। यात्रा के दौरान श्रीलंका महाबोधि सोसाइटी के प्रभारी भंते विमलतिस्स थेरो ने धम्म चर्चा की और साधना की विधियों पर विचार साझा किए। इस अवसर पर नंदराम कटारिया की स्मृति में सल्ल एवं तिरोकुड्ड सुत्तों का पाठ किया गया, जिसमें दो दर्जन से अधिक बौद्ध भिक्खु और उपासक-उपासिकाएं सम्मिलित हुए।

उज्जैन के चिकित्सक ने दी निःशुल्क सेवाएं धम्म यात्रा के दौरान सभी प्रतिभागियों का निःशुल्क चिकित्सा परीक्षण एवं परामर्श उज्जैन के डॉ. हरीबाबू कटारिया द्वारा किया गया। आयोजन में सांची विश्वविद्यालय के डॉ. रमेश रोहित और डॉ. कमलेश अहिरवार ने स्थानीय स्तर पर सहयोग प्रदान किया। उज्जैन के डॉ. हरीबाबू कटारिया एवं सावित्री कटारिया ने भी व्यवस्थाओं में अपना पूर्ण सहयोग दिया।

उज्जैन, सांची और विदिशा के ऐतिहासिक महत्व पर बल-कार्यक्रम में भिक्खु संपूर्णानंद, उपाली महाथेरो और मेधंकर ने धम्म पर प्रकाश डालते हुए उज्जैन, सांची और विदिशा के महत्व को समझने पर बल दिया। सभा की अध्यक्षता भिक्खु डॉ. सुमेध थेरो ने की। कार्यक्रम का सफल संचालन करते हुए डॉ. हरीबाबू कटारिया ने पिछले एक दशक में उज्जैन बुद्धिस्ट सोसाइटी और बुद्ध धम्म संघ की बढ़ती लोकप्रियता के बारे में बताया। उन्होंने साधना और विपश्यना के लाभ भी गिनाए और कहा कि अमेरिका तथा यूरोप में भी इसका तेजी से विस्तार हो रहा है। धम्म यात्रा में मुख्य रूप से बालाघाट की प्राची गजभिये, मुनीश, साक्षी, भंते रायटर पाल, धम्म शरण, मेधंकर, धम्मपाल, प्रज्ञानंद, जगराम, संघ रतन, आशीष, अभिषेक, भिक्खु महानाम, कार्तिक, अजयपाल और सारिपुत्र आदि ने भाग लिया।

## नापतौल विभाग महीनों नहीं करता पेट्रोल पंप से लेकर किराना दुकानों की नियमित जांच, उपभोक्ता होते हैं ठगी के शिकार

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** शहर और जिले में नापतौल व्यवस्था पूरी तरह चरमराई हुई है। नापतौल विभाग में कर्मचारियों की भारी कमी के कारण नियमित जांच नहीं हो पा रही है। हालात यह हैं कि पूरे उज्जैन जिले की जिम्मेदारी मात्र तीन निरीक्षकों के भरोसे है। इन्हीं तीन अधिकारियों को शहर के साथ ग्रामीण क्षेत्र, पेट्रोल पंप, व्यापारिक प्रतिष्ठान और बाजारों की जांच करनी होती है, जो व्यावहारिक रूप से संभव नहीं है।

नापतौल विभाग में सहायक कंट्रोलर का पद भी लंबे समय से प्रभार में चल रहा है। स्थायी अधिकारी के अभाव में विभागीय कार्यों की गति धीमी पड़ गई है। नतीजतन पेट्रोल पंपों, किराना दुकानों, फल-सब्जी मंडियों और अन्य व्यापारिक प्रतिष्ठानों में इस्तेमाल हो रहे तराजू, बाट और मापक यंत्रों की नियमित जांच नहीं हो पा रही है। उल्लेखनीय है कि उज्जैन जिले में करीब 10 हजार से अधिक दुकानें और प्रतिष्ठान ऐसे हैं, जहां नापतौल उपकरणों का उपयोग किया जा रहा है। इनमें से लगभग 5 हजार से ज्यादा प्रतिष्ठान शहर में ही संचालित हैं। विभागीय आकलन के अनुसार, इनमें से करीब 40 फीसदी दुकानों में नापतौल उपकरण सही नहीं पाए जाते, जिससे उपभोक्ताओं के साथ सीधे तौर पर धोखाधड़ी हो रही है। कई मामलों में जब नापतौल में गड़बड़ी पकड़ी जाती है तो दुकानदार अपनी गलती स्वीकार करने के बजाय उल्टा व्यवहार करने लगते हैं। कुछ स्थानों पर सामान देने से इनकार करने जैसी घटनाएं भी सामने आती हैं। इसके बावजूद विभागीय अमला सीमित होने के कारण कार्रवाई नहीं कर पा रहा है। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि लोगों की अपनी व्यस्तता के चलते उपभोक्ता शिकायत दर्ज नहीं कराते। यही कारण है कि बीते एक वर्ष में नापतौल विभाग के पास नाममात्र की शिकायतें ही पहुंची हैं। नागरिकों में जागरूकता की कमी और विभागीय अनदेखी–दोनों ही स्थिति को और गंभीर बना रहे हैं। वर्तमान में हालात यह हैं कि विभाग साल में एक बार औपचारिक रूप से सील लगाकर अपनी जिम्मेदारी पूरी मान लेता है। इसके बाद पूरे वर्ष बाजार में नापतौल की स्थिति क्या है, इस पर कोई ठोस निगरानी नहीं होती। इसका सीधा नुकसान आम उपभोक्ता को उठाना पड़ रहा है।

## मामूली विवाद में युवक की चाकू मारकर हत्या

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** मामूली विवाद में रविवार शाम युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी गई, युवक को उसका साथी अस्पताल लेकर पहुंचा। चाकू मारने वाला हिस्ट्रीशीटर बदमाश होना सामने आया है जिसकी तलाश में पुलिस की एक टीम दबिश दे रही है।

चिमनगंज थाना क्षेत्र की उद्योगपुरी में शाम 4 बजे के लगभग केवल पिता राजेंद्र श्रीवास्तव 35 साल निवासी ढांचा भवन की चाकू मार कर हत्या कर दी गई, केवल को उसका साथी अस्पताल लेकर पहुंचा जहां डॉक्टरों ने शव को पोस्टमार्टम कक्ष में भेज दिया, हत्या की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची इस दौरान सामने आया कि चाकू मारने वाला शेखर उर्फ टुंडा है, जिसके खिलाफ 18 से 20 आपराधिक मामले दर्ज है, 2 दिन पहले केवल और शहर के बीच विवाद हुआ था किसी बात को लेकर चाकू मारा गया है। थाना प्रभारी गजेंद्र पचोरिया ने बताया कि आरोपी की पहचान होने पर उसकी तलाश में एक टीम रवाना की गई है जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा। मामले में हत्या का प्रकरण दर्ज कर लिया गया है मृतक का सोमवार सुबह पोस्टमार्टम कराया जाएगा, मृतक भी आपराधिक प्रवृत्ति का था जिसके खिलाफ 10 से 11 मामले दर्ज है।

## अतिक्रमण हटाने के विवाद में सरपंच प्रतिनिधि पर हमला

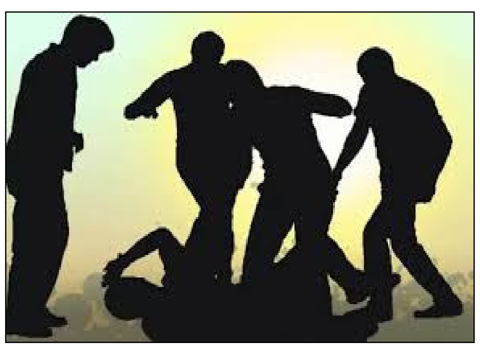

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** गौशाला की भूमि पर किए गए अतिक्रमण को हटाने के लिए पहुंचे सरपंच प्रतिनिधि पर सोलंकी परिवार द्वारा लाठियों से जानलेवा हमला कर दिया गया। कुछ दिन पहले ही प्रशासन और पुलिस की मौजूदगी में अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की गई थी। सरपंच प्रतिनिधि पर हुए हमले में पुलिस ने सोलंकी परिवार के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

झारडा थाना क्षेत्र की श्रीकृष्ण गौशाला बनी हुई है जो शासकीय भूमि पर है। भूमि पर कुछ लोगों द्वारा अतिक्रमण कर लिया गया था। जिसकी शिकायत पुलिस और प्रशासन तक पहुंची थी। गुरुवार को 35 बीघा से अधिक भूमि पर किए गए अतिक्रमण को हटाने के लिए तहसीलदार, पटवारी और पुलिस की टीम पहुंची थी। सख्ती के साथ अतिक्रमण हटा दिया गया था। इसी बीच अतिक्रमण करने वाले सोलंकी परिवार ने सरपंच सविता मालवीय के पति नागूलाल मालवीय (सरपंच प्रतिनिधि) पर अतिक्रमण की शिकायत दर्ज कराने की शंका जताते हुए हमला कर दिया। लाठियों से नागूलाल को बुरी तरह पीटा गया और जाति सूचक शब्दों का प्रयोग किया गया। हमले में सरपंच प्रतिनिधि नागूलाल गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे उपचार के लिए उज्जैन लाया गया है। पुलिस ने बताया कि घटनाक्रम की जानकारी लगने के बाद मामले में सोलंकी परिवार के प्रमोद सोलंकी, शांतिबाई, संगीता, भागीरथ, मांगीलाल, राहुल, सजनबाई के खिलाफ बीएनएस की धारा 296 (बी) 115 (2), 351 (3) और 3/5 में प्रकरण दर्ज किया गया है। वहीं कमल मालवीय का कहना था कि विवाद सामान्य था। सरपंच प्रतिनिधि को गंभीर चोट नहीं आई है, मामले की निष्पक्ष जांच की जाए। लेकिन जिस तरह से सरपंच प्रतिनिधि को चोट लगी और उन्हें उज्जैन रैफर किया गया इसको लेकर थाना प्रभारी आनंद भाबोर का कहना था कि जांच की जा रही है। मेडिकल रिपोर्ट से मारपीट में लगी चोट की स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो जाएगी।

# उज्जैन में वायु प्रदूषण प्रभावित कई क्षेत्र... प्रदूषण विभाग नहीं कर रहा सुधार के प्रयास

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** शहर में वायु प्रदूषण का स्तर रोजाना 200 एक्यूआई के करीब जा रहा है। चिंता की बात यह है कि इसके बाद भी स्थानीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और नगर निगम के प्रयास सार्थक नहीं हो रहे हैं। शहर में चार साल पहले वायु प्रदूषण के 11 हॉट स्पॉट चिन्हित हुए थे। उनमें से एक में भी सुधार नहीं हुआ है।

उल्लेखनीय है कि उज्जैन शहर आज से 5 साल पहले ही प्रदेश के 10 सबसे अधिक वायु प्रदूषित शहरों की सूची में शामिल हो गया था। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानकों के मुताबिक हवा में 50 एक्यूआई तक का सूचकांक स्वास्थ्य के लिए सबसे अच्छा माना जाता है और 51 से 100 तक यह स्तर चिंताजनक, 101 से 200 तक खतरनाक और 201 से अधिक होने पर यह बेहद खराब श्रेणी का माना जाता है। अप्रैल के महीने में शहर में वायु प्रदूषण का स्तर 170 से बढ़कर 200 के पार होना शुरु हो गया है। उम्मीद जताई जा रही थी कि दीपावली बाद वायु गुणवत्ता में सुधार होगा तथा स्तर 100 के नीचे चला जाएगा, परंतु ऐसा नहीं हुआ। प्रदूषण विभाग की वेबसाइट पर हवा की गुणवत्ता का प्रतिदिन जारी होने वाला आंकड़ा बता रहा है कि इस वर्ष की शुरुआत से लेकर अब तक कई बार सूचकांक 200 के ऊपर जा रहा है। पिछले 24 घंटे में शिप्रा नदी, कार्तिक मेला क्षेत्र, महाकाल क्षेत्र और मोतीबाग तक दोपहर 12 बजे तक वायु गुणवत्ता सूचकांक 153 था, लेकिन रात 8 बजे तक यह 180 एक्यूआई तक चला गया था और उसके बाद रात 3 बजे तक यह स्तर 150 के आंकड़े पर टिका हुआ था। आज सुबह भी यह 141 एक्यूआई पर था।

5 साल पहले ही जता दी थी, प्रदूषण बढने की आशंका- आज से 5 वर्ष पहले 2021 में प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड के सीनियर साइंटिस्ट एडी संत, प्रतीम खरे, दीपक काले और रवि पाटीदार ने शहर के लिए चिंता वाली रिपोर्ट दी थी, जिसमें उल्लेख किया था शहर के 11 क्षेत्रों में अत्यधिक प्रदूषण है, जिसे कंट्रोल किया जाना बेहद जरूरी है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया था कि नानाखेड़ा चौराहा, हरिफाटक चौराहा, महाकाल मंदिर के पीछे वाला क्षेत्र, चक्रतीर्थ शवदाह गृह, चिमनगंज मंडी सर्कल, आगर रोड स्थित उद्योगपुरी, चामुंडा माता चौराहा, रेलवे स्टेशन-बस स्टैंड, तीन बत्ती चौराहा, रिंग रोड-मक्सी रोड और नागझिरी औद्योगिक क्षेत्र में अत्यधिक वायु प्रदूषण पाया। रिपोर्ट में सामने आया कि ज्यादातर हिस्सों में अत्यधिक वाहनों की संख्या से प्रदूषण होता है, जिसे कंट्रोल करने के लिए ज्यादा से ज्यादा पौधे लगाए जाने की जरूरत है। लेकिन 4 सालों में चामुंडा माता चौराहे पर ही नगर वन विकसित हो पाया है। इसके बाद भी क्षेत्र में वायु प्रदूषण की स्थिति खराब होती जा रही है।

## अपर मुख्य सचिव ने सिंहस्थ 2028 के निर्माणाधीन और प्रस्तावित कार्यों के समीक्षा बैठक ली

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** सिंहस्थ 2028 के लिए अस्थाई प्रकृति कार्यों के निर्माण के साथ ही रोड और अन्य प्रबंधन संबंधी कार्यों के लिए पूर्व में सिंहस्थ 2016 में पदस्थ अधिकारियों से चर्चा कर लें और उनके अनुभवों का लाभ लें। यदि अधिकारीयों द्वारा प्रशासनिक नोट बनाए गए थे तो उनका भी अध्ययन कर लें , जिससे सिंहस्थ 2016 की परिस्थिति से अवगत हो सकेगें । भीड़ प्रबंधन, यातायात और अन्य व्यवस्थाओं के लिए उनके अनुभवों से हम कारगर योजनाएं बना सकते हैं।

अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजोरा ने यह बात जिला खंडवा-ओंकारेश्वर की कार्य योजना के संबंध में खण्डवा कलेक्टर से चर्चा करते हुए कहीं।

अपर मुख्य सचिव श्री राजौरा ने कहा कि स्थाई प्रकृति के कार्यों में अगली बार की बैठक सिंहस्थ मद से होने वाले कार्यों के साथ अन्य मदों से होने वाले कार्यों को भी सम्मिलित किया जाए। जिससे उनकी व्यापक समीक्षा की जा सके।

संभाग आयुक्त श्री आशीष सिंह ने सिंहस्थ 2028 के स्थाई कार्यों की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की और इसके साथ ही सिंहस्थ 2028 मेला आयोजन में होने वाले अस्थाई प्रकृति और तात्कालिक रूप से होने वाले कार्यों की भी एक संभावित कार्य योजना से अपर मुख्य सचिव को अवगत कराया।

इस संबंध में अपर मुख्य सचिव ने निर्देश दिए हैं कि अस्थाई प्रकृति के कार्यों की कार्य योजना बहुत व्यवस्थित तरीके बनाई जाए। इन पर ही पूरा सिंहस्थ मेला का प्रबंधन निर्भर होगा। अस्थाई प्रकृति के कार्यों में यह सुनिश्चित कर लें कि कौन से कार्य कितना समय लेंगे।

इस हिसाब से उनकी कार्य योजना बनाकर कार्य आरंभ करें। अस्थाई प्रकृति के कार्यों के लिए अलग से बैठक आयोजित होगी, जिसमें सभी विभागों के संबंधित कार्यों की समीक्षा की जाएगी।

बैठक में वीडियो कांफ्रेस के माध्यम से कलेक्टर खंडवा ने ओंकारेश्वर के कार्यों के संबंध में अपनी प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की और मंदसौर कलेक्टर श्रीमती अदिति गर्ग ने पशुपतिनाथ मंदिर, शिवना नदी पर बनने वाले पुल और अन्य व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी दी। आगर मालवा के प्रभारी अधिकारी द्वारा बगलामुखी बायपास मार्ग और अन्य मार्गो के संबंध में जानकारी दी गई। नीमच के प्रभारी अधिकारी द्वारा भी नीमच में चल रहे कार्यों के संबंध में जानकारी दी गई।

बैठक में एडीजीपी श्री राकेश गुप्ता, डीआईजी श्री नवनीत भसीन, कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह, एसपी श्री प्रदीप शर्मा और अन्य विभागों के अधिकारी भी उपस्थित रहे।

# कंठाल से निजातपुरा होते हुए प्रवेश द्वार तक कैसे पहुंचेंगे पंचक्रोशी यात्री

### चौड़ीकरण और अधूरे सडक़ निर्माण बनेंगे मार्ग में बाधा

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** पंचक्रोशी यात्रा के लिए हर साल हजारों श्रद्धालु शिप्रा स्नान के बाद ढाबा रोड से गोपाल मंदिर होते हुए नागचंद्रेश्वर मंदिर तक पहुंचते हैं। वहीं सती गेट से लेकर कंठाल और आगे कोयला फाटक से पंचक्रोशी प्रवेश द्वार होते हुए पड़ावों की और रवाना होते हैं, लेकिन मार्गों पर चौड़ीकरण और निर्माण के चलते आवागमन मुश्किल होगा।

12 अप्रैल से शुरु होने वाली पंचक्रोशी यात्रा के लिए पंचक्रोशी यात्रियों की कई जत्थे यात्रा पर निकल पड़ेंगे। हर वर्ष शिप्रा स्नान के बाद यात्री ढाबा रोड़ से गोपाल मंदिर पहुंचते हैं और यहां से नागचंद्रेश्वर मंदिर पर बल लेकर सतीगेट, कंठाल होते हुए निजातपुरा से कोयला फाटक पंचक्रोशी प्रवेश द्वार तक जाते हैं, लेकिन इस बार ढाबा रोड़ और कंठाल से कोयला फाटक तक सडक़ चौड़ीकरण के कार्य के कारण आवागमन नहीं हो पा रहा। ऐसे में श्रध्दालुओं के लिए कौनसा वैकल्पिक मार्ग प्रशासन तय करेगा। उल्लेखनीय है किह्य पंचक्रोशी यात्रा की परंपरा सदियों पुरानी है। यह यात्रा शिप्रा स्नान व भगवान नागचंद्रेश्वर की पूजा के साथ वैशाख कृष्ण दशमी से शुरू होती है। पांच दिन चलने वाली यात्रा 118 किलोमीटर दूरी तय करते हैं। इसमें 5 पड़ाव और 2 उप पड़ाव आते हैं। पड़ावों व उप पड़ावों के बीच कम से कम 6 से 23 किमी तक की दूरी होती है।

## रात 2 बजे लगी ई रिक्शा में आग, पड़ोसी पर शंका

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** घर के बाहर खड़ी ई-रिक्शा रात 2 बजे आग की लपटों से घिर गई। चालक बाहर आया तो उसे पड़ोसी जाता दिखाई दिया। चालक ने पड़ोसी पर आग लगाने की शंका जताई है। मामला पुलिस के पास पहुंचा। आगजनी की जांच शुरू की गई है।

नागझिरी थाना क्षेत्र के मालनवासा में रहने वाला कमल पिता गिरधारीलाल रिक्शा चलाता है। कुछ माह पहले ही उसने रिक्शा खरीदी थी। रात 2 बजे वह मोबाइल पर फिल्म देख रहा था। तभी उसे खिड़की से आग की लपटें दिखाई दी। बाहर आने पर उसकी रिक्शा जल रही थी। उसने शोर मचाकर परिजनों को जगाया और आग पर काबू पाने के प्रयास किए। परिवार आग बुझा पाता उससे पहले रिक्शा काफी अधिक जल गई थी। इस बीच रिक्शा चालक कमल ने मौके से पड़ोस में रहने वाले सोनू राठौर को जाते देखा। उसने सोनू पर ही रिक्शा में आग लगाने की शंका जताई है। कमल का कहना था कि कुछ समय पहले सोनू से विवाद भी हुआ था। उसी रंजिश में उसने आगजनी को अंजाम दिया है। मामले में नागझिरी थाना पुलिस का कहना था कि रिक्शा में आग लगने की जानकारी मिलने पर घटना स्थल पहुंचे थे। जांच शुरू की गई है। चालक द्वारा लगाए जा रहे आरोपों का भी पता लगाया जाएगा।

## महाकाल मंदिर में उमड़ी भीड़, गेट नंबर 4 बंद होने से बदली दर्शन व्यवस्था

### तीन दिन के वीकेंड पर श्रद्धालुओं का सैलाब, हाईटेक सड़क निर्माण के चलते प्रवेश मार्ग बदले

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** महाकालेश्वर मंदिर में रविवार को श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिली। तीन दिन के वीकेंड के चलते बाहर से आने वाले दर्शनार्थियों की संख्या अचानक बढ़ गई, जिससे मंदिर क्षेत्र में सुबह से ही भीड़ का दबाव बना रहा। निर्माण कार्य के कारण गेट नंबर 4 बंद कर दिए जाने से दर्शन व्यवस्था में भी बदलाव किया गया है।

शुक्रवार को गुड फ्राइडे और उसके बाद शनिवार-रविवार की छुट्टी होने के कारण बड़ी संख्या में श्रद्धालु उज्जैन पहुंचे। शनिवार शाम से ही भीड़ बढ़ने लगी थी, जबकि रविवार सुबह महाकाल मंदिर की ओर जाने वाले सभी प्रमुख मार्गों पर श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए मंदिर समिति ने पहले से व्यवस्था बनाई थी, जिसके तहत आम दर्शनार्थियों को टनल के माध्यम से प्रवेश दिया गया। कुछ समय के लिए मंदिर प्रांगण में सीधा प्रवेश भी बंद रखा गया।निर्माण कार्य के चलते बड़ा गणेश मंदिर के सामने स्थित गेट नंबर 4 को अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है। इसके चलते अब सामान्य दर्शनार्थियों को गेट नंबर 11 से और शीघ्र दर्शन करने वालों को गेट नंबर 1 (अवंतिका द्वार) से प्रवेश दिया जा रहा है। मंदिर प्रबंधन के अनुसार इस बदलाव के बावजूद दर्शन व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित की जा रही है। वहीं, महाकाल मंदिर से हरसिद्धि मंदिर तक बनने वाली हाईटेक सड़क का निर्माण कार्य तेज गति से जारी है। करीब 7 करोड़ 10 लाख रुपए की लागत से बन रही यह सड़क यूरोपियन शहरों की तर्ज पर विकसित की जा रही है। 24 मीटर चौड़ी और करीब 1.2 किलोमीटर लंबी इस सड़क में अंडरग्राउंड लाइटिंग, आकर्षक फ्लोरिंग, बैठने के लिए बेंच और शेड जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। परियोजना के तहत गेट नंबर 4 और 5 के पास यूटिलिटी सेंटर भी बनाए जा रहे हैं, जहां मोबाइल काउंटर, प्रसाद काउंटर, शीघ्र दर्शन सुविधा, दिव्यांगों के लिए विशेष व्यवस्था और जूता-चप्पल स्टैंड की सुविधा मिलेगी। साथ ही पूरे मार्ग पर केबल अंडरग्राउंड कर सजावटी लाइटिंग भी की जाएगी। मंदिर समिति के सहायक प्रशासक मूलचंद जूनवाल के अनुसार, सड़क निर्माण कार्य पूरा होने तक गेट नंबर 4 बंद रहेगा। हालांकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए वैकल्पिक व्यवस्था पूरी तरह से लागू कर दी गई है।